जबलपुर सोमवार 27 अप्रैल 2026 > शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल पक्ष एकादशी विक्रम संवत 2083

वर्ष 31 अंक 300 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

विराट कोहली को दिल्ली में कौन रोकेगा?

▸▸ 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 43.5°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C
सूर्योदय - 5.40 | सूर्यास्त - 6.36

अंधी लूट का लखनवाड़ा पुलिस ने किया ▸▸ 3

आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट : ▸▸ 6

फिल्म निर्माण की विशिष्ट शैली बनायी थी फिरोज खान ने ▸▸ 7

ममता सरकार में मां–माटी और मानुष का सम्मान नहीं

प्रधानमंत्री ने कोलकाता में किया रोड शो

कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव और हुगली के हरिपाल में रैली की। उन्होंने बनगांव में कहा, पहले फेज के मतदान में टीएमसी का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है। उन्होंने कोलकाता में रोड शो भी किया किया। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में छोटे–छोटे नेता और गुंडे खुद को सरकार समझने लगे हैं। उन्होंने कहा, '15 साल पहले टीएमसी 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी के राज में मां–माटी और मानुष का सम्मान नहीं है। हुगली में प्रधानमंत्री ने कहा, टीएमसी सरकार ने अपने कुकर्मों की वजह से बंगाल के लोगों का भरोसा खो दिया है। यही कारण है कि लोगों को बार–बार कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा– 15 साल तक टीएमसी ने बंगाल के लोगों को डराकर रखा, लेकिन वे एक बात भूल गए। जब अत्याचार अपनी सीमा पार करता है, तो जनता मां दुर्गा का रूप लेकर अन्याय का अंत करती है। प्रधानमंत्री ने कहा– 15 साल पहले हुगली नदी के आसपास का इलाका कभी मिलों और फैक्ट्रियों का बड़ा केंद्र हुआ करता था, लेकिन आज वहां ताले लगे होने की खबरें आती हैं। ब्रिटिश दौर की फैक्ट्रियां भी बंद हो रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा– आज सिर्फ एक ही फैक्ट्री और एक ही दुकान चल रही है– सिंडिकेट की कट–मनी और कमीशनखोरी की दुकान। ऐसी सरकार को जाना ही होगा, ऐसी सरकार को हटाना ही होगा। इसीलिए बंगाल में अब सिर्फ एक ही नारा और एक ही फैसला है– 'पलटानो दरकार' (बदलाव जरूरी है)।

ममता के साथ काली मां का आशीर्वादः केजरीवाल

कोलकाता में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने टीएमसी के समर्थन में रैली की। उन्होंने कहा– एक साल पहले मुझे झूठे केस में जेल भेजा गया था। अब ईडी, सीबीआई, केंद्रीय बल, मोदी जी, सब लोग ममता बनर्जी पीछे पड़े हैं। फिर भी वह जीतेंगी क्योंकि उन पर काली मां का आशीर्वाद है। केजरीवाल ने कहा– सोशल मीडिया पर लोग प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हैं, उनके खिलाफ मीम्स बना रहे हैं। मोदी ईमानदारी से चुनाव नहीं जीत सकते। उनके तीन दोस्त हैं– ईडी, सीबीआई और ज्ञानेश कुमार।

क्या बीजेपी तय करेगी कि कोलकाता कैसा होगा?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में जनसभा में कहा, हम 14 साल से यहां हैं। क्या आपने कभी यहां कुछ गलत होते देखा है? क्या आपने देखा है? क्या आपने कभी कुछ गलत होते देखा? ममता ने कहा, 'भाजपा कहती है कि बंगाल में महिलाएं सड़कों पर नहीं चल सकतीं, वे कहते हैं कि यहां सब कुछ स्लम है। गरीब लोगों को यहां रहने का हक है, और जिनके पास पैसा है, उन्होंने मेहनत से कमाया है। उन्हें भी यहां रहने का हक है। ममता बनर्जी ने कहा कि, क्या भाजपा तय करेगी कि कोलकाता कैसा होगा?

टीएमसी का जंगलराज चरम पर : राहुल गांधी

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के बाद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस के कद्दावर नेता राहुल गांधी ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर ममता सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बंगाल में अब लोकतंत्र नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस का आतंक का शासन चल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस हिंसक राजनीति के सामने कभी नहीं झुकेगी। जानकारी के अनुसार, देबदीप चटर्जी की हत्या असनसोल में चुनाव के बाद भड़की हिंसा के दौरान की गई। कांग्रेस का दावा है कि देबदीप असनसोल उत्तर से पार्टी के उम्मीदवार प्रसेनजीत पुईतांडी के बेहद करीबी सहयोगी थे। पश्चिम बंगाल कांग्रेस का आरोप है कि सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस से जुड़े उपद्रवियों ने देबदीप पर जानलेवा हमला किया और उन्हें बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या अत्यंत निंदनीय है। पीड़ित परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। राहुल गांधी ने कहा कि विरोधी आवाजों को डराना, धमकाना और उन्हें खत्म कर देना ही अब टीएमसी का असली चरित्र बन गया है। उन्होंने कहा, हमारी राजनीति कभी हिंसा पर आधारित नहीं रही है और न कभी होगी। हमने अपने कार्यकर्ताओं को खोया है, लेकिन हमने हमेशा अहिंसा और संविधान का रास्ता चुना है। यही हमारी विरासत है और यही हमारा संकल्प है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की है कि सभी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। साथ ही, उन्होंने देबदीप के परिवार को पूर्ण सुरक्षा और उचित मुआवजा देने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को चोट पहुंचाने वाली इस राजनीति के सामने न्याय होकर रहेगा।

बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या पर न्याय की मांग

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पवन खेड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से अपील की है। इससे पहले गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। मामला असम सीएम सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है। खेड़ा ने यह आरोप 5 अप्रैल को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए थे। इसके बाद असम सीएम की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में एफआईआर दर्ज कराई थी।

आतंकी हमले में माली के रक्षा मंत्री की मौत

बामाको (माली)। माली के सबसे ताकतवर नेताओं में से एक रक्षा मंत्री सादियो कैमारा की आत्मघाती हमले में मौत हो गई है। अल–कायदा और तुआरेग विद्रोहियों के इस संयुक्त हमले ने माली की सुरक्षा व्यवस्था और वर्तमान सैन्य नेतृत्व के सामने एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। सैन्य सूत्रों ने इस खबर की पुष्टि की है। जनरल कैमारा की मौत को माली की वर्तमान सैन्य सरकार के लिए बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है।

मशहूर भारतीय फोटोग्राफर रघु राय का निधन

नई दिल्ली। मशहूर भारतीय फोटोग्राफर रघु राय का 83 साल की उम्र में निधन हो गया। उनका जन्म 18 दिसंबर 1942 को झांग (जो अब पाकिस्तान में है) में हुआ था। रघु राय ने भोपाल गैस त्रासदी की सबसे चर्चित तस्वीर खींची थी। जिसमें कब्र में दफन एक बच्चे का चेहरा दिखाया गया था।

ईरानी विदेश मंत्री फिर पाकिस्तान पहुंचे

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंच गए हैं। यह उनका दो दिन में दूसरा दौरा है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी नेताओं के साथ मुलाकात की। इस्लामाबाद में थोड़ी देर रुकने के बाद अराघची रूस के लिए रवाना हो गये। इससे पहले उन्होंने शनिवार को इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान की शर्तें और अमेरिका की मांगों पर अपनी आपत्तियां पाकिस्तान को सौंपी थीं। ईरान ने साफ किया है कि वह अमेरिका से सीधे बातचीत नहीं करेगा और अपनी बात पाकिस्तान के जरिए ही पहुंचाएगा।

संजय सिंह ने उपराष्ट्रपति को याचिका सौंपी

नई दिल्ली। आप सांसद संजय सिंह ने रविवार को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन को याचिका सौंपकर बीजेपी में शामिल हुए 7 सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। सिंह ने कहा कि इन सदस्यों का पार्टी छोड़ना दलबदल विरोधी कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। संजय सिंह के मुताबिक, आम आदमी पार्टी ने अधिवक्ता कपिल सिब्बल और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचारी सहित कई संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह ली है।

सरकार जानबूझकर महिला आरक्षण लागू करने में देरी कर रही : सिंघार

महिला आरक्षण के समर्थन में कांग्रेस का पैदल मार्च

भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में महिला आरक्षण के मुद्दे पर सियासी संग्राम तेज हो गया है।

प्रदेश कांग्रेस ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर प्लेटिनम प्लाजा से रोशपुरा तक पैदल मार्च निकाला। 1 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता पैदल मार्च में शामिल हुए। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता प्लेटिनम प्लाजा से रोशनपुरा चौराहे तक पैदल मार्च निकाला। मार्च में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का आरोप है कि केंद्र सरकार आरक्षण लागू करने में जानबूझकर देरी कर रही है, जबकि उनकी मांग है कि मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर ही तत्काल 33 फीसदी आरक्षण लागू किया जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने संबोधन में पीएम मोदी को झूठों का सरदार बताया। पटवारी ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान भी झूठों का सरदार और मोहन यादव उनकी नकल करने वाले हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस कल के विधानसभा सत्र में पटल पर यह मांग रखने वाली है कि महिलाओं को विधानसभा में आज की स्थिति में आरक्षण प्रदान किया जाए। हम इसका समर्थन करेंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि बीजेपी आज नारी सशक्तिकरण की बात करती है, लेकिन बीजेपी अपनी ही पार्टी की सशक्त महिलाओं को किनारे लगा रही है। वसुंधरा राजे राजस्थान की राजनीति से गायब कर दी गईं। एमपी में उमा भारती, कुसुम महदेले को बीजेपी ने किनारे लगा दिया। हम महिला आरक्षण के पक्ष में हैं लेकिन आज की स्थिति में इसे दिया जाए।

सरेंडर का आदेश नहीं दे सकतीं अदालतें : सुको

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने अग्रिम जमानत और अदालती क्षेत्राधिकार को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करना अदालत का अधिकार है। हालांकि, याचिका खारिज करते समय अदालत के पास यह शक्ति नहीं है कि वह आरोपी को संबंधित ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दे। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। यह मामला धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपी एक व्यक्ति की ओर से दायर की गई विशेष अनुमति याचिका से जुड़ा था। पीठ ने सुनवाई के दौरान न्यायिक सीमाओं के बारे में बात की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि अदालत अग्रिम जमानत खारिज करना चाहती है, तो वह ऐसा कर सकती है। लेकिन अदालत के पास यह कहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है कि याचिकाकर्ता अनिवार्य रूप से सरेंडर करे।

टेंशन में दुनिया...एक्शन में डोभाल!

एनएसए का सऊदी अरब के बाद यूएई दौरा

नई दिल्ली

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के उपायों, इलाके के हालात और आपसी लाभ के दूसरे मुद्दों पर चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यूएई में भारतीय दूतावास ने कहा– 'एनएसए अजीत डोभाल ने यूएई का आधिकारिक दौरा किया। उन्होंने राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। पीएम नरेंद्र मोदी का अभिवादन दिया। व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के उपायों, क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हित के दूसरे मुद्दों पर चर्चा की गई।' इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर के दो दिन के दौरे के बाद यह भारत की ओर से यूएई का दूसरा उच्च स्तरीय दौरा है। इस महीने की शुरुआत में, विदेश मंत्री डॉक्टर जयशंकर ने अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिवादन दिया। मीटिंग के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान यूएई में भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का शुक्रिया अदा किया। दुबई के क्राउन प्रिंस, शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मीटिंग के दौरान मौजूद थे। इससे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 19 अप्रैल को सऊदी अरब का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरे पर उन्होंने सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री और विदेश मंत्री के साथ ही यूएई के अपने समकक्ष से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर खाड़ी देशों में बातचीत जारी है। आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में चल रहे बवाल के बीच ये दौरे हो रहे हैं।

खेत से लौट रहे परिवार पर हाथी का हमला

महिला को कुचलकर मारा, पति और बेटा घायल

अनूपपुर। जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बरबसपुर के भोलगढ़ गांव के जंगल में रविवार की दोपहर जंगल में स्थित चटुआ के खेत से भोलगढ़ गांव जंगल के रास्ते से एक परिवार जा रहा था, इनका सामना एक हाथी से हो गया। हाथी ने दौड़ाकर एक महिला को पहले पकड़ा और पैर से कुचल दिया जिससे महिला की स्थल पर मौत हो गई। हाथी द्वारा महिला के पति एवं बेटे को भी घायल किया है जो घटना में सुरक्षित बच गए, दोनों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। हाथी इसी जंगल में घूम रहा है। इस घटना के बारे में मिली जानकारी अनुसार रविवार की दोपहर ग्राम पंचायत बरबसपुर के गांव भोलगढ़ निवासी समयलाल पाव जिसका खेत चटुआ गांव के पास जंगल में है। छह सदस्यों वाला यह परिवार दिन में खेत में रहा, दोपहर करीब 3 बजे के लगभग खेत से जंगल होकर भोलगढ़ गांव की तरफ आ रहा था। बताया गया इन सदस्यों में से प्रेमवती पाव 30 वर्ष पर पगडंडी रास्ते के पास खड़े एक हाथी द्वारा हमला कर दिया गया। महिला भाग नहीं सकी। महिला को मारने के बाद हाथी वहां मौजूद दो अन्य की तरफ बढ़ा और दोनों को उठाकर पटक दिया। इससे महिला का पति राममनोज पाव 32 वर्ष और पुत्र दीपक पाव 6 वर्ष घायल हो गए।

भोपाल में गेहूं खरीदी घोटाला

वेयरहाउस में पहले से भरा मिला स्टॉक

समितियां और किसान ब्लैक लिस्टेड, दो जेएसओ नपे

भोपा

। राजधानी में समर्थन मूल्य दो हजार 625 पर किसानों से गेहूं की खरीदी जारी है लेकिन इससे पहले बैरसिया विधायक विष्णु खत्री के भागवती वेयरहाउस में किसानों का गेहूं भरवा दिया गया था। इस वेयरहाउस की निगरानी का जिम्मा जेएसओ (कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी) पुष्पराज पाटिल व मयंक द्विवेदी के पास था। इस मामले में खाद्य विभाग ने दोनों की गंभीर चूक मानते हुए नोटिस देकर जवाब तलब किया है। बता दें कि इस वेयरहाउस में खरीदी शुरु होने के पहले ही 35 किसानों से करीब साढ़े छह हजार क्विंटल गेहूं खरीदकर रख लिया गया था। मामले का खुलासा होने के बाद खाद्य विभाग ने खरीदी कराने वाली समिति को ब्लैक लिस्टेड कर दिया। गेहूं बेचने वाले किसानों को भी ब्लैक लिस्टेड किया गया है, जिससे यह किसान अब सरकारी केंद्रों पर गेहूं नहीं बेच पा रहे हैं। घटना के बाद जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने जेएसओ पुष्पराज पाटिल और मयंक द्विवेदी को निगरानी की जिम्मेदारी दी थी, लेकिन दोनों ने पहले से हो रही गेहूं खरीदी को लेकर अधिकारियों को कोई जानकारी नहीं दी। जिसको लेकर खाद्य विभाग के आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

15 हजार किसानों को करोड़ों का भुगतान

राजधानी में समर्थन मूल्य पर 92 उपार्जन केंद्रों पर गेहूं खरीदी जारी है, अब तक 15 हजार 302 किसानों से करीब 70 हजार 614 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। जिसकी कीमत करीब 185 करोड़ रुपये है, जिसमें से 92 करोड़ 51 लाख रुपये किसानों को भुगतान भी कर दिया गया है। बता दें कि इस बार समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए 37 हजार 407 किसानों ने पंजीयन करवाया है, जिनमें से 21 हजार 398 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं।

विधायक के वेयरहाउस पर नरमी!

समय से पहले गेहूं भरकर रखने के मामले में विधायक के वेयरहाउस को बड़ी कार्रवाई से बचाया गया है, लेकिन किसानों से खरीदी रोक दी गई है। साथ ही खरीदी करने वाली व बारदाना रखवाने वाली समितियों को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। सूत्र बता रहे हैं कि इस वेयरहाउस को दोबारा से मैप करने के बाद खरीदी केंद्रों में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

जिले में पीएससी प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न, 1033 में से 773 अभ्यर्थी हुए शामिल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले में रविवार को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 2026 शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय और शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दो सत्रों में आयोजित की गई।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में परीक्षा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई थीं। कलेक्टर ने शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक

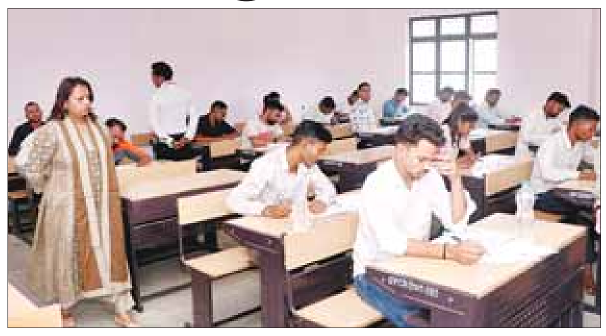

दिशा-निर्देश दिए, जिसके चलते पूरी परीक्षा प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

प्रथम सत्र सुबह 10 बजे से 12 बजे तक एवं द्वितीय सत्र दोपहर 02.15 बजे से 04.15 बजे तक आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में 1033 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 784 उपस्थित रहे, जबकि द्वितीय सत्र में 773 परीक्षार्थी शामिल हुए। कुल मिलाकर 260 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए थे। स्वास्थ्य टीम, पुलिस बल, पेयजल व्यवस्था, फिस्किंग, प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरे, परिवेक्षक एवं उड़नदस्ता दल की सतत निगरानी में परीक्षा संपन्न हुई। विशेष बात यह रही कि इस वर्ष आयोग द्वारा इंदौर से कैमरों के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग भी की गई।

संभागीय प्रेक्षक डॉ. अशोक भार्गव, जिला नोडल अधिकारी वैद्यनाथ वासनिक, एसडीएम रामबाबू देवागन, जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार, रूपेंद्र पांडेय सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी पूरे समय परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते रहे और व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखी। कुल मिलाकर जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी और व्यवस्थित माहौल में संपन्न होने से प्रशासन ने राहत की सांस ली।

रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति ने नवतनवां एक्सप्रेस का बुढार में स्टॉपेज सहित अन्य मांगों को लेकर डीआरएम से भेंटकर सौंपा मांगपत्र

बुढार (स्वतंत्रमत)

सर्वदलीय रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति बुढार के त्रि-सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल बुढार स्टेशन की समस्याओं को लेकर डी.आर.एम. राकेश रंजन के प्रवास के दौरान 4 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा, जिसपर डी.आर.एम. ने समस्याओं के निदान का प्रतिनिधि मंडल को भरपूर आश्वस्त कराया।

बुढार नगर के अति महत्वपूर्ण रेल्वे स्टेशन में तीर्थ स्थली अयोध्या जानें वाली नवतनवां एक्सप्रेस का ठहराव बुढार स्टेशन में करवाये जानें के साथ ही सप्ताह में तीन दिवस इस महत्वपूर्ण ट्रेन का परिचालन कराये जानें की मांग दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर के डी.आर.एम. राकेश रंजन के अनूपपुर आगमन पर सर्वदलीय रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति के संयोजक रोहणी प्रसाद गर्ग, अध्यक्ष मनोज कुमार जैन, प्रवक्ता बिहारी लाल साहू ने भेंटकर मांग पत्र सौंपा। इसके अलावा रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति के इस त्रि-सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने बुढार स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1, 2, 3 को फुटओवर ब्रिज को दक्षिण की ओर बढ़ाये जानें तथा शहडोल-नागपुर ट्रेन का परिचालन ओवरनाइट अंबिकापुर से करवाये जानें की पुरजोर मांग की, जिससे इसका लाभ यात्रियों को अपने गंतव्य की यात्रा में मिल सके, इसके साथ ही, बुढार स्टेशन के पश्चिम दिशा में स्थित अति प्राचीन भारत के पूर्व प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी के सभा मंच के जीर्णोद्धार की अनुमति प्रदान कराये जानें की मांग भी डी.आर.एम. रेल्वे से की गई जिससे जीर्ण-शीर्ण सभा मंच का विस्तार एवं जीर्णोद्धार का कार्य करवाया जा सके।

संभाग के नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति करें जागरूक : कमिश्नर

आमजन को दे राहवीर योजना की जानकारी, पात्र को दिलाएं लाभ- कमिश्नर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कमिश्नर सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय के अमरकंटक सभा कक्ष में संभाग स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि शहडोल संभाग में सड़क दुर्घटनाओ को रोकने हेतु प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग के नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान सतत रूप से चलाएं।

कमिश्नर ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने वाले को 25,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाएं एवं राहवीर योजना का बेहतर प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें जिससे पात्र व्यक्तियों को इसका लाभ मिल सके।

बैठक में कमिश्नर ने गम्भीर एक्सीडेंट के मामले, पीएचक्यू द्वारा ई-चालान मशीन के संबंध में तथा यातायात नियमों पर पिछले बर्ष से अब तक की गई कार्यवाही, इंटर सेक्टर व्हीकल जब से दी गई है तब से आज तक की गई कार्यवाही एवं लगाई गई धारा, ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन तथा परिशोधन कार्य की आश्यकता, राहत राशि जैसे अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की। कमिश्नर को शहडोल संभाग में सड़क सुरक्षा हेतु किए जा रहे विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया गया।

बैठक में आई.जी. एन.चैत्रा, सीसीएफ महेंद्र प्रताप सिंह, डी आई जी सुश्री सविता सुहाने, कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, कलेक्टर उमरिया श्रीमती राखी सहाय सहित शहडोल संभाग के पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लो आ गई गर्मी, जल जीवन मिशन जहां से शुरू वहीं खत्म

जल जीवन मिशन एक स्वप्न और जनता के स्वप्न में ही समा गई, नलों से निकल रही है आग और धुआं

शहडोल (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री की सबसे महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन जिसके तहत हर घर जल और हर घर नल पहुंचने का वादा किया गया था जिसके तहत प्रत्येक प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना के तहत कार्य कराई जा रहे हैं किंतु मध्य प्रदेश की शहडोल जिले में यह योजना किस तरह से आम जनता को चिढ़ा रही है वह जमीनी हकीकत देखकर समझ में आ रहा है ।विभागीय अधिकारियों की मेहरबानी से ठेकेदारों ने इस योजना को कमाई का जरिया बना लिया है बिना किसी सर्वे ,बिना किसी तकनीकी मार्गदर्शन के तहत इस योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका खामियाजा आम जनता गर्मी के मौसम में भूगत रही है ।

जल जीवन मिशन में जनता एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रही है- जल जीवन मिशन के तहत कराए गए कार्यों में आज भी एक-एक बूंद जल के लिए जनता तरस रही है और प्रधानमंत्री का सपना एक स्वप्न जैसा आम जनता को लग रहा है और सबसे भयावह स्थिति तो बुढार ब्लॉक के जल जीवन मिशन की है ज्ञात हो की जल जीवन मिशन में अधिकारी और ठेकेदार एक सिंडिकेट की तरह पूरे ग्राम पंचायत में कार्य कर रहे है और अधिकारी कर्मचारियों के माध्यम से ग्राम पंचायत सरपंच सचिव पर दबाव बनाकर जल जीवन मिशन का हैंडोवर किया जा रहा है जबकि वस्तु स्थिति बिल्कुल भी अलग है जल जीवन मिशन के तहत घरों में नल तो पहुंचा दिए गए हैं लेकिन जल का पहुंचना एक स्वप्न से कम नहीं है। इसका मुख्य कारण विभागीय अधिकारियों की तकनीकी खामियां प्रमुख रूप से मानी जा रही है और इसी का फायदा उठाकर ठेकेदारों ने पूरी योजना पर पलीता लगा दिया है ।

कागजों में पूर्ण जल जीवन मिशन

आज यह योजना केवल कागजों में पूर्ण हो गई है लेकिन जल का पहुंचना आज भी एक स्वप्न के समान है आने वाले समय में यह योजना पूरी तरह से असफल हो गई और आने वाले समय में अधिकारी इस असफलता पर भी कमाई का रास्ता ढूंड़ लेंगे और एक नई राजनीति शुरू हो जाएगी । जल जीवन मिशन के विभागीय अधिकारी यदि अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी से करते तो शायद यह योजना एक सफल योजना के रूप में क्रियान्वित हो जाती और गांव का प्रत्येक व्यक्ति जल से परिपूर्ण हो जाता लेकिन विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की मिली भगत से पूरी योजना पाताल में समा गई है जल जीवन मिशन केवल एक स्वप्न की तरह और स्वप्न में ही समा गई।

एनएच-43 पर ई-चेक गेट स्थापित, खनिजों के अवैध परिवहन पर लगेगी लगाम

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रदेश में खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए शासन द्वारा 40 ई-चेक गेट स्थापित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उमरिया जिले के तहसील चंदिया अंतर्गत ग्राम समसरी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर महानदी बैरियर के पास ई-चेक गेट का संचालन 16 अप्रैल 2026 से प्रारंभ कर दिया गया है। जिला खनिज अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी ने बताया कि म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 में संशोधन के बाद यह व्यवस्था लागू की गई है। यह पूरी तरह मानव रहित डिजिटल प्रणाली है, जिससे खनिज परिवहन में लगी गाड़ियों की सतत निगरानी संभव होगी। अब सभी खनिज परिवहन वाहनों में त्थ्क् टैग लगाना अनिवार्य होगा। यह टैग वाहन के फ्रंट विंडस्क्रीन पर लगाया जाएगा, जिससे ई-गेट से गुजरते ही वाहन की पूरी जानकारी स्वत: सिस्टम में दर्ज हो जाएगी। इससे ओवरलोडिंग, नंबर प्लेट छिपाने या अन्य गड़बड़ियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। ई-चेक गेट पर वेरिफिकेशन कैमरा, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर और रीडर जैसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं, जो वाहन संख्या, खनिज की मात्रा और वजन की सटीक जानकारी दर्ज करेंगे। यदि ई-ट्रांजिट पास (म्न्च) और वास्तविक परिवहन में अंतर पाया जाता है, तो संबंधित वाहन मालिक पर ऑनलाइन कार्रवाई की जाएगी। नियमों के उल्लंघन पर वाहन का पंजीयन निलंबनध्निरस्तीकरण तथा जब्ती की कार्रवाई भी की जा सकती है। ई-चेक गेट से प्राप्त डेटा के विश्लेषण के आधार पर अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस नई प्रणाली से अवैध खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा, साथ ही पारदर्शिता बढ़ेगी और खनिज राजस्व में वृद्धि होने की संभावना है।

उप जेल बुढ़ार में स्वास्थ्य एवं विधिक सहायता शिविर का किया गया आयोजन

बंदियों को दी गई स्वास्थ्य तथा न्याय संबंधी जानकारी

बुढ़ार (स्वतंत्रमत)

सब जेल बुढ़ार में वृहद स्वास्थ्य शिविर एवं विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया, और बंदियों को स्वास्थ्य तथा न्याय संबंधी जानकारी से अवगत कराया गया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार द्वारा जेल प्रशासन के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया। शिविर अवसर पर माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति श्री सुशील कुमार अग्रवाल, मा. न्यायाधीश सुश्री दिव्या रामटेके एवं जेलर विकास सिंह बघेल के विशिष्ट उपस्थिति में आयोजित किया गया। माननीय न्यायाधीश ने जेल में परिरुद्ध बंदियों को विधिक

साक्षरता की जानकारी विस्तृत रूप से प्रदान की गई वहीं उनके प्रकरणों, स्वास्थ्य सेवाओं, मुलाकात व्यवस्था एवं भोजन की गुणवत्ता के संबंध में भी जानकारी ली गई, इस अवसर पर बंदियों ने जेल की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए सकारात्मक वातावरण की सराहना की। शिविर अवसर पर माननीय न्यायाधीशों द्वारा बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता के अधिकारों से अवगत कराया गया तथा शासकीय अधिवक्ता की नियुक्ति संबंधी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जेलर विकास सिंह बघेल ने कहाकि - गरीब एवं नि:शक्त बंदियों को सुलभ न्याय उपलब्ध कराना न्यायपालिका एवं प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है, जिसके लिए जेल प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में पधारे न्यायाधीशों के प्रति आभार जताया। शिविर अवसर पर - जिला आयुष विभाग शहडोल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बुढ़ार के चिकित्सकों तथा पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा सभी बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाइयां प्रदान की गई। इस आयोजन में सब जेल बुढ़ार की मेलनर्स मंजू परस्ते, प्रहरी सोहनलाल कोल, ज्ञानप्रकाश मरावी, अनूप कुमार, गीतेश कुमार मिश्रा एवं विनीत कनेरिया का सहयोग सराहनीय रहा।

राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा संपन्न, 1323 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

शहडोल (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा ओएमआर पद्धति से प्रात: 10 बजे से 12 बजे एवं दोपहर 2:15 से 4:15 बजे तक दो सत्रों में शहडोल जिले के 05 परीक्षा केन्द्रो में सुरक्षा व्यवस्था के बीच व्यवस्थित रूप से आयोजित की गई। परीक्षा में कुल 1767 अभ्यर्थियों में से 1323 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी एवं 444 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्र शासकीय बालक हाई स्कूल रीवा रोड जयस्तंभ चौक शहडोल में 400 में से 308, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेंकेण्डरी विद्यालय गांधी चौक 350 मे से 263, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल जयस्तंभ चौक हेतु 300 में से 228, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल दुर्गा मंदिर स्टेडियम रोड में 350 में से 244, शासकीय इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय पांडवनगर में 367 में से 280 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। शहडोल में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का संभागीय परीक्षा पर्यवेक्षक राम गोपाल प्रजापति एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

खनिजों के अवैध परिवहन पर की गई कार्रवाई

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार शहडोल जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु खनिज विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में जिला खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य ने जानकारी दी है कि ब्यौहारी एवं सोहागपुर तहसील क्षेत्रों में जांच की गई। तहसील ब्यौहारी अंतर्गत ग्राम- रसपुर झापर नदी से रेत के अवैध उत्खनन/परिवहन की शिकायतें प्राप्त हो रहीं थीं। उक्त शिकायतों को संज्ञान में लेकर खनिज विभाग के द्वारा संबधित क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान ग्राम रसपुर तहसील ब्यौहारी में महिन्द्रा ट्रैक्टर बिना नंबर का जिसका चेचिस क्रमांक रूक्ष्श्ड्ड्यछ्04378 की जांच की गई । वाहन में लोड़ खनिज रेत के परिवहन से संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर वाहन चालक के कब्जे से वाहन मय खनिज रेत जब्त कर वाहन को शासकीय अभिरक्षा थाना ब्यौहारी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। इसी प्रकार ग्राम

निपनिया, तहसील सोहागपुर में खनिज रेत का अवैध उत्खनन/परिवहन करते पाए गए वाहन मेटाडोर बिना नंबर जिसका चेचिस क्र. रूझ786009क्र ॥14306 को जांच हेतु रोका गया। वाहन चालक द्वारा वाहन में लोड़ खनिज रेत के परिवहन से संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये। वाहन को मय खनिज रेत को जप्त कर थाना सोहागपुर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया।

संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की गई।

कम नामांकन पर 19 संस्था प्रमुखों को कारण बताओं नोटिस, 48 घंटे में जवाब नहीं तो कार्रवाई

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने को लेकर प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नामांकन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है, बावजूद इसके जिले में अभी भी लगभग 10 प्रतिशत नामांकन शेष है। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर की गई समीक्षा में नामांकन की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर नाराजगी जताते हुए अत्यंत कम नामांकन वाले 19 संस्था प्रमुखों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। जारी नोटिस में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि संबंधित संस्था प्रमुखों ने अपने दायित्वों के प्रति अपेक्षित गंभीरता और कर्तव्यपरायणता नहीं दिखाई है, जो मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लंघन है। साथ ही, मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत उपनियम 9 के अंतर्गत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। प्रशासन ने संबंधित संस्था प्रमुखों को दो दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समय-सीमा में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कड़ी निगरानी में आयोजित हुई राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा

थ्री-लेयर चेकिंग व्यवस्था के साथ परीक्षार्थियों को मिला प्रवेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन रविवार को 2 चरणों में आयोजित किया गया। जबलपुर में बनाए गए 14 परीक्षा केंद्रों पर करीब 5 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा का पहला सत्र सुबह 10 बजे से शुरू हुआ, जो दोपहर 12 बजे तक चला। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से 90 मिनट पहले ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना अनिवार्य किया गया था।

परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए थ्री-लेयर चेकिंग व्यवस्था लागू की गई है। सबसे पहले अभ्यर्थियों की फिजिकल चेकिंग फिर बायोमेट्रिक सत्यापन। अंत में हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच। इस प्रक्रिया के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया।

सख्त नियमों के बीच हुई परीक्षा

प्रशासन के निर्देशानुसार परीक्षा केंद्रों पर जूते-मोजे, घड़ी, बेल्ट, पर्स और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूरी तरह प्रतिबंधित रहे। अभ्यर्थियों को केवल बॉलपेन, ई-एडमिट कार्ड, पहचान पत्र और पारदर्शी पानी की बोतल ले जाने की अनुमति दी गई। परीक्षा देने पहुंचे कई छात्रों ने बताया कि यह उनका पहला प्रयास है और नेगेटिव मार्किंग को लेकर थोड़ी चिंता जरूर है। वहीं, अन्य छात्रों ने कहा कि नए बदलावों से योग्य अभ्यर्थियों को फायदा मिलेगा।

स्वर मल्लिका आशा भोंसले को गुंजन की गीतांजलि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

गायन की दुनिया में विशिष्ट स्थान बनाकर दुनिया के करोड़ों लोगों को अपना प्रशंसक बनाने वाली स्वर मल्लिका आशा भोंसले को उनके गए गीतों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए गुंजन कला सदन एवं संस्कारधानी आर्टिस्ट आर्गनाइजेशन द्वारा गीतांजलि का आयोजन बबलू मैथ्यूज के संगीत निर्देशन में शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के सहयोग से 1 मई 26 को संध्या 6.30 बजे से शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में किया गया है। कार्यक्रम का आतिथ्य पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रेश खरे, एड. एसपी सूर्यकांत शर्मा, समाजसेवी दिनेश यादव एवं संदीप जैन वैष्णव करेंगे। इस अवसर पर बबलू मैथ्यूज, गायिका तृप्ति निगम एवं कमलेश नायक का सम्मान किया जाएगा। गीत - संगीत प्रेमियों से उपस्थिति की अपील आयोजक संस्थाओं ने की है।

स्टॉर्म लॉर्ड्स के राइडर्स ने नर्मदा घाट पर चलाया सफाई अभियान

स्वच्छता और नारी सम्मान का दिया संदेश, लोगों को किया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर शहर के प्रतिष्ठित बाइक राइडिंग क्लब टॉर्म लॉर्ड्स जबलपुर द्वारा रविवार को एक विशेष संडे राइड का आयोजन किया गया। यह राइड केवल रोमांच तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसमें सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल पेश की गई।

क्लब के सदस्य सुबह बाइक से माँ नर्मदा के पावन घुघरा घाट पहुँचे। यहाँ पहुँचने के बाद सभी राइडर्स ने मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया। करीब चार घंटे चले इस गहन सफाई अभियान के दौरान घाट और आसपास के क्षेत्र से लगभग 15 से 20 बोरी कचरा और प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्रित किया गया। क्लब का उद्देश्य पवित्र नदियों के किनारों को प्रदूषण मुक्त रखना और लोगों को इसके प्रति जागरूक करना है।

नारी का सम्मान, देश का अभिमान का नारा

इस बार की राइड स्वच्छता के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता पर भी केंद्रित रही। स्टॉर्म लॉर्ड्स के राइडर्स नारी का सम्मान, देश का अभिमान थीम पर कार्य कर रहे हैं।

क्लब का मानना है कि एक सुरक्षित और सशक्त समाज के लिए नारी का सम्मान सर्वोपरि है। इसके साथ ही राइड ग्रीन, राइड क्लीन के संदेश के जरिए पर्यावरण संरक्षण की अपील भी की गई। क्लब के सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी वे इसी प्रकार की सोशल राइड्स के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास जारी रखेंगे।

कृष्णा अवतार मॉल की प्रथम वर्षगांठ पर 5 दिवसीय भव्य उत्सव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर के प्रमुख शॉपिंग एवं मनोरंजन केंद्र कृष्णा अवतार मॉल अपनी प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 26 अप्रैल से 30 अप्रैल तक पांच दिवसीय भव्य उत्सव का आयोजन कर रहा है। इस विशेष अवसर पर मॉल प्रबंधन द्वारा शहरवासियों के लिए विविध सांस्कृतिक, मनोरंजक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों की आकर्षक श्रृंखला तैयार की गई है। उत्सव की शुरुआत 26 अप्रैल को स्टैनफील्ड स्कूल द्वारा आयोजित ओपन माइक एवं किड्स फैमिली इवेंट से हुई। वहीं आज 27 अप्रैल को रंगारंग डांस शो एवं नृत्य प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। 28 अप्रैल को बच्चों के लिए चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 29 अप्रैल को बॉलीवुड संध्या के माध्यम से संगीत और मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही 30 अप्रैल को उत्सव का भव्य समापन ग्रैंड सेलिब्रेशन के रूप में किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कलाकार आदित्य तिवारी के साथ विशेष भजन जानिंग का आयोजन होगा, जो इस पूरे उत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगा। इसी दिन मेगा लकी ड्रॉ का आयोजन भी किया जाएगा। उत्सव के दौरान ग्राहकों के लिए विशेष लकी ड्रॉ योजना चलाई जा रही है। विजेताओं को रेफ्रिजरेटर, माइक्रोवेव आदि पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

सामाजिक समरसता केवल बातों में नहीं बल्कि कर्मों में दिखाई देना चाहिए: मुख्यमंत्री

स्व. यशवंत राव केलकर की जन्मशती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इंफोर्मेशन सेंटर 'गीता भवन' में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के शिल्पकार स्वर्गीय यशवंत राव केलकर की जन्मशती के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'भारत माता की जय' का नारा सुनते ही उनका रोम-रोम पुलकित हो उठता है।

उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यप्रणाली को अद्भुत और अनुकरणीय बताते हुए कहा कि यह संगठन केवल बातों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक समरसता को व्यवहार में उतारने का कार्य करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कॉलेज के सिलेबस के साथ-साथ अपने सांस्कृतिक गौरव को भी समझें और भारत के निर्माण में आगे आकर कार्य करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. यशवंत राव केलकर को परिषद के वर्तमान स्वरूप की 'नींव का पत्थर' बताया, जिन्होंने संगठन को गढ़ने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। अपने छात्र जीवन के संस्मरण साझा करते हुए बताया कि परिषद एक परिवार की तरह है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सीख दी कि यदि हम छोटा बनकर काम करेंगे, तभी जीवन में बड़े लक्ष्य प्राप्त कर पाएंगे।

विद्यार्थी परिषद ने समाज के हर क्षेत्र को दिया नेतृत्व-विद्यार्थी आज का नागरिक है। विद्यार्थियों में जोश के साथ होश का संतुलन बनाये रखने के लिए इसमें शिक्षकों की भूमिका अतुलनीय है। इस दौरान वक्ताओं ने स्व. केलकर के जीवन दर्शन और संगठन की विशिष्ट कार्य पद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज किशोर तिवारी ने बताया कि आज विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जिसका श्रेय स्व. केलकर द्वारा विकसित की गई विशिष्ट कार्य पद्धति को जाता है। उन्होंने कहा कि स्व. केलकर 'जीवंत आदर्श' थे, जो गरीब विद्यार्थियों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते थे और स्वयं सहायता प्रदान करते थे।

वक्ताओं ने रेखांकित किया कि विद्यार्थी परिषद एक ऐसी कार्यशाला है जिसने समाज के हर क्षेत्र को नेतृत्व दिया है। इस दौरान सांसद आशीष दुबे, सुमित्रा बाल्मिक, राकेश सिंह, अजय विश्नोई, डॉ. अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, रत्नेश सोनकर, राजकुमार पटेल, अखिलेश जैन सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी तथा एबीवीपी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कॉम्बिंग गश्त में 263 वारंटी हुए गिरफ्तार

पुलिस का ऑपरेशन क्लीन, सालों से फरार अपराधी दबोचे गए

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देशन में जिले भर में विशेष कॉम्बिंग गश्त चलाई गई। दिनांक 25 अप्रैल की रात 9 बजे से अगले दिन तड़के 2 बजे तक चली इस कार्रवाई में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। इस अभियान के दौरान जिले भर से कुल 263 वारंट तामील किए गए, जिनमें 131 स्थायी वारंटी, 77 गिरफ्तारी वारंटी और 55 जमानती वारंट शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनता में सुरक्षा का भाव पैदा करना और लंबे समय से कानून से बच रहे अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है। इस गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मुसाफिरखानों में भी संदिग्धों की सघन चेकिंग की गई।

तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। भारत की जनगणना 2027 द्वितीय चरण के लिए जनगणना कार्य निदेशालय मध्य प्रदेश के दिशा निर्देशों अनुसार प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वार्ड क्रमांक 11 प्रशिक्षण सामुदायिक भवन नगरीय क्षेत्र सिहोरा में चार्ज अधिकारी जनगणना जयश्री चौहान के मार्गदर्शन में फील्ड ट्रेनर संदीप कुमार तिवारी एवं अखिलेश माझी द्वारा किया गया। इस दौरान चार्ज अधिकारी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों कि उपस्थिति में नगर के समस्त परिवारों से अपील कि गई कि सभी 30 अप्रैल तक ऑनलाइन माध्यम से स्वगणना करनें में सहयोग करें। प्रशिक्षण की कार्य व्यवस्था में सुशील वर्मा, रवि,संतोष तिवारी,गगन, पटेल,राहुल ठाकुर,संदीप, अनंत नामदेव, अनिकेत तिवारी, सुखचैन, कीर्ति बर्मन, हिमांशु में उपस्तिथ रहे।

तहसीलदार पर धमकी देकर जमीन खाली करवाने का आरोप

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। अनुविभाग के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गोरहा मिटौनी के एक ग्रामीण आदिवासी ने आरोप लगाया कि ह.नं. 71 रा.नि.म. पोड़ा, तहसील पोड़ा, जिला जबलपुर में स्थित है जिसका खसरा नं. 1946/1, 1946/2, 1948/2 रकबा क्रमशः 0.80, 0.80, 0.5 है. कुल रकबा 2.58 हे. है। जो कि उनके नाम पर दर्ज है जिसे उन्होंने पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से आदिवासी फूला बाई कोल एवं अभय कोल पिता प्रयागी कोल आदिवासी से उनके वारिसानों की सहमति लेते हुए पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 8 सितम्बर 2022 एवं कोमल कोल आदिवासी से पंजीकृत विक्रय से खरीदा था। तब से लेकर आज तक

वह लोगों उक्त भूमि पर शांति पूर्वक खेती कर रहे है, परन्तु कुछ वर्षों से ऋषभ जैन जो की पूर्व में तहसीलदार के पद पर पदस्थ थे उनके आदमी आदवासी परिवार के लोगों को निरंतर परेशान कर रहे है एवं कब्जा लेने का प्रयास कर रहे है। जिसके बाद पच्ची लाल ने जिला के मखिया को अपनी पीड़ा सुनाई और लिखित शिकायत कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार जनसुनवाई में दी और बताया की 'एक साथ 10-15 लोग इकट्ठा होकर हम लोगों के पास आते है हम लोगों ने कई बार मौखिक रूप से राजस्व अधिकारियों एवं पुलिस थाना सिहोरा में रिपोर्ट की परन्तु आज तक कोई सहायता नहीं की गई है।' शिकायत लेते हुए मामले की जाँच शुरु करदी गयी हैं।

अर्चना द्विवेदी और उर्मिला श्रीवास्तव के काव्य पटल का लोकार्पण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

वर्तिका की मासिक काव्य गोष्ठी में प्रकृति पर्यावरण, धर्म अध्यात्म के साथ समसामयिक विषयों पर आधारित कविताएं सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। अवसर था उर्मिला श्रीवास्तव एवं अर्चना द्विवेदी के काव्य पटल लोकार्पण का। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि विजय बागरी थे। अध्यक्षता राजेंद्र मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ.सुरेन्द्र लाल साहू थे। अतिथियों ने कहा कि राष्ट्र के विकास,समरसता, एवं राष्ट्रीय ज्वलंत समस्याओं पर जन जागरण एवं लेखन सशक्त माध्यम है।अपने विशिष्ट उद्बोधन में राजेश पाठक प्रवीणने कहा कि सार्थक सृजन जीवन की आंतरिक ओषधि है। संयोजक विजय नेमा ने वर्तिका के विभिन्न आयोजनों की जानकारी दी। वर्तिका के अध्यक्ष संतोष नेमा ने काव्य पटल के महत्व पर प्रकाश डाला। सरस्वती वंदना ज्योति मिश्रा ने एवं संचालन प्रतिमा अखिलेश ने किया। द्वितीय चरण में कवियों ने एक से बढ़कर एक कविताएं प्रस्तुत कीं। जिनमें मुख्यत: विजेंद्र उपाध्याय, मनोज शुक्ला, सुशील श्रीवास्तव, प्रभा खरे, डॉ. सलमा जमाल, विवेक गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह से दिया सामाजिक एकता का संदेश

अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज द्वारा परिचय एवं आदर्श विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी की पावन धरा पर रिश्तों का एक नया अध्याय लिखते हुए अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज समिति द्वारा भव्य परिचय एवं आदर्श विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। गोहलपुर स्थित अग्रवाल लॉन (लेमा गार्डन) में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का मिलन हुआ और पूरी गरिमा व रीति-रिवाज के साथ सामूहिक विवाह संपन्न कराए गए। कार्यक्रम और सम्मेलन के अध्यक्ष अमित सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आदर्श सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज के परिवारों को एक मंच प्रदान करना और फिजूलखर्ची रोककर आदर्श विवाह को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर कुल 7 जोड़ों ने वैदिक विधि-विधान से फेरे लेकर अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। समिति की ओर से सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद स्वरूप गृहस्थी का आवश्यक सामान भेंट किया गया।

बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुओं की रही उपस्थिति-इस आयोजन में न केवल स्थानीय बल्कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों से बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु शामिल हुए। परिचय सम्मेलन के माध्यम से समाज के लोगों को एक-दूसरे को जानने और समझने का अवसर भी मिला।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष अमित सोनी, सचिव प्रद्युम्न कुमार सोनी, उपाध्यक्ष पवन कुमार सोनी, कोषाध्यक्ष अभिषेक सोनी, सह-सचिव बृजेश सोनी और व्यवस्थापक कपिल सोनी का विशेष योगदान रहा। साथ ही समाज के वरिष्ठ जन प्रमोद सोनी, राकेश सोनी, मदन मोहन सोनी एवं कैलाश चंद्र सोनी ने भी मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम की व्यवस्थाएं संभालीं।

वन क्षेत्र में अवैध उत्खनन से हजारों पेड़ नष्ट, जिम्मेदारों पर कार्यवाही का इंतजार!

वन परिक्षेत्र पूर्व सामान्य लांजी के धीरी-मुरुम का मामला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

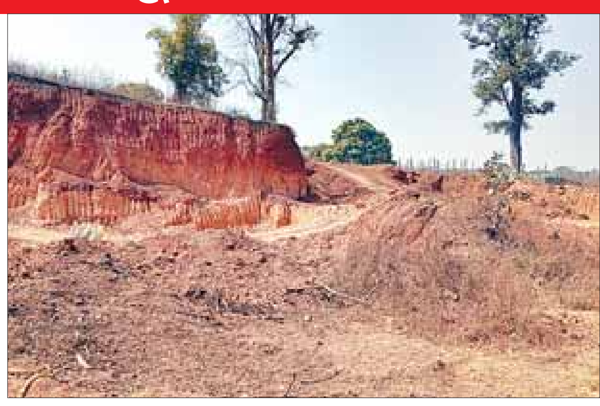

जिले के दक्षिण सामान्य उपमंडल लांजी के अंतर्गत वन परिक्षेत्र पूर्व सामान्य लांजी के ग्राम धीरी-मुरुम में सड़क निर्माण कार्य के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक जाट के संरक्षण में ठेकेदार द्वारा 5 सौ से अधिक डंपर मिट्टी और मुरूम का अवैध उत्खनन वन क्षेत्र से किया गया है। जिसमें फॉरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट का उल्लंघन किया गया है।

उक्त कार्य मेसर्स चित्रकूट कंस्ट्रक्शन, दुर्ग (छत्तीसगढ़) के ठेकेदार द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बोदा-दलखा से धीरी-मुरुम तक करीब 18.50 किमी लंबी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, उक्त मामले की तीन सदस्य जांच टिम ने जांच की है और अब अधिकारी को बचाने कि भरकस कोशिश कि जा रही हैं। जानकारी अनुसार, लांजी के वन ग्राम बोदा-दलखा से धीरी-मुरुम तक करीब 18.50 किमी लंबी सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निमार्ण किया जा रहा हैं। उक्त सड़क निर्माण में मेसर्स चित्रकूट कंस्ट्रक्शन, दुर्ग के प्रोप्राइटर मनोज सिंह और वन परिक्षेत्र पूर्व सामान्य के अधिकारियों की साठगांठ से वर्ष 2024 में ठेकेदार ने वन क्षेत्र के भीतर जेसीबी मशीन लगाकर बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन किया। इस दौरान हजारों घन फुट मिट्टी और मुरुम निकालकर लगभग 500-600 डंपर ट्रिप के माध्यम से सड़क निर्माण में उपयोग किया गया। इस खुदाई के कारण छोटे-बड़े पहाड़ी क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा और हजारों हरे-भरे वृक्ष नष्ट हो गए, जिससे पर्यावरण को भारी क्षति पहुंची है।

सड़क निर्माण के एक साल बाद अनुमति

विभागीय सूत्रों अनुसार, सड़क निर्माण कार्य में धीरी मुरूम से वर्ष 2024 में उत्खनन जोरों से किया गया और यह कार्य बिना वन विभाग की स्वीकृति के लगभग 3 किमी क्षेत्र में किया गया, जो नियमों का उल्लंघन है। लेकिन विवाद बढ़ता देख वन विभाग द्वारा एक साल बाद नवम्बर 2025 में सड़क निर्माण के लिए स्वीकृति दी गई। जब तक अवैध रूप से उत्खनन कर सड़क का निर्माण किया गया। जिसको लेकर वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

उक्त अवैध उत्खनन की शिकायत

सड़क निर्माण में मेसर्स चित्रकूट कंस्ट्रक्शन, दुर्ग के प्रोप्राइटर मनोज सिंह के द्वारा जिस तरह से अवैध उत्खनन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का काम किया गया हैं। उसी को लेकर वन संरक्षक को मार्च 2025 में शिकायत की गई, जिसमें ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई थी। उक्त सड़क की जांच के लिए उत्पादन एसडीओ शिवप्रसाद मथानी, रेंजर राजेश पांडे, रेंजर श्री नेती तीन सदस्यीय जांच टिम ने जांच की गईं हैं। जानकारी अनुसार 2026 के अप्रैल तक भी मुख्य जांच रिपोर्ट पेश नहीं किया गया है।

उक्त मामले में शिकायत होने के बाद सीसीएफ बालाघाट द्वारा तीन सदस्यीय जांच टिम गठित कर जांच की गई हैं लेकिन जांच रिपोर्ट अब तक पेश नहीं किया जाना कई सवालों को जन्म दे रहा हैं। विभागीय सूत्रों अनुसार, अब उस जांच रिपोर्ट में राजनेताओं के माध्यम से अधिकारी को बचाने का दबाव बनाया जा रहा हैं। यह भी बताया गया हैं ग्वालियर से बालाघाट के वन विभाग के उच्च अधिकारियों को कॉल किए जा रहे हैं और कहा जा रहा हैं भाई साहब! उक्त अधिकारी को बचाते हुए जांच रिपोर्ट बनाए।

इनका कहना है

बोदा-दलखा से धीरी-मुरुम तक सड़क निर्माण कार्य की जांच भी पिछले साल हुई हैं और हमने कुछ वाहनों पर कार्यवाही करते हुए राजसात की कार्यवाही भी की गई है। पीओआर कटी हैं जितना उत्खनन हुआ हैं उसकी नाप की गई और विधिवत कार्यवाही हुई हैं।

अभिषेक जाट, वन परिक्षेत्र अधिकारी लांजी

अवैध खनिज परिवहन करते दो हाइवा डंपर जब्त

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए खनिज विभाग द्वारा आज 26 अप्रैल को तिरोड़ी एवं कटंगी तहसील क्षेत्र में सघन छापामार कार्रवाई की गई। इस दौरान खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर दो हाइवा डंपरों को जप्त किया गया है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि पहली कार्रवाई तहसील कटंगी के बाईपास रोड पर की गई, जहां वाहन क्रमांक-रू॥-40-ष्ठ्ठ-4193 को अवैध रूप से गिट्टी परिवहन करते हुए पकड़ा गया। उक्त वाहन को जप्त कर थाना कटंगी में खड़ा कराया गया है। वाहन चालक की पहचान मिथलेश उईके, निवासी ग्राम चंडी पोस्ट अजनिया, तहसील छपारा जिला सिवनी के रूप में हुई है। वहीं दूसरी कार्रवाई में वाहन क्रमांक क्क-70- ॥ज्ञ-4064 को ग्राम कोसुंबा क्षेत्र में अवैध गिट्टी परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। वाहन चालक अजीजूर रहमान पिता अताऊर रहमान, निवासी बोरी कला थाना बरघाट जिला सिवनी को मौके पर कार्रवाई के दौरान चिन्हित किया गया है। खनिज विभाग द्वारा जप्त दोनों वाहनों के विरुद्ध मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रतिबंध के बावजूद नलकूप खनन का मामला, थानेगांव में मशीन की गई जब्त

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। वारासिवनी तहसील क्षेत्र के ग्राम थानेगांव में प्रतिबंध के बावजूद नलकूप खनन किए जाने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीप पिता उदय लाल ठाकरे द्वारा अपने खेत में नलकूप खनन कराया जा रहा था, जबकि सम्पूर्ण बालाघाट जिले में इस पर रोक लागू है। मामले की जानकारी मिलने पर तहसीलदार सुरेश उपाध्याय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। जांच में प्रतिबंध के बावजूद खनन कार्य जारी पाए जाने पर नलकूप खनन मशीन को तत्काल जब्त कर लिया गया।

संदिग्ध हालात में सीआरपीएफ जवान की मौत, राजकीय सम्मान के साथ बिहार रवाना पार्थिव शरीर

बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र स्थित कोबरा कैंपस बड़गांव से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 7वीं बटालियन में तैनात जवान श्रीराम गोंड (38) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वे बिहार के बक्सर जिले के पांडेपट्टी गांव के निवासी थे और नक्सल उन्मूलन अभियान में तैनात थे। जानकारी के मुताबिक, 25 अप्रैल की दोपहर ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और उन्हें चक्कर आकर बेहोशी छा गई। साथी जवानों ने तत्काल सीआरपीएफ कैंपस में प्राथमिक उपचार दिया और गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आशंका जताई जा रही है कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक तौर पर हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) को मौत का कारण माना जा रहा है, हालांकि इसे लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। रविवार दोपहर करीब 12 बजे जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की। इसके बाद अधिकारियों की मौजूदगी में जवान को गार्ड ऑफ ऑनर देकर राजकीय सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव बिहार के लिए रवाना किया गया।

खनिजों के अवैध उत्खनन-परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम में लगातार कार्यवाही जारी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में खनि अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम हेतु सतत् भ्रमण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में खनिज अमले की वाहन जॉच में जिला मुख्यालय से लगे ग्राम लालपुर में 01 ट्रेक्टर इंजन क्रमांक ई 2424224 मय ट्राली को खनिज रेत के अवैध उत्खनन. परिवहन. भंडारण में लिप्त पाए जाने से जप्त किया गया। वाहन पर म.प्र. खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है।

मैंगनीज खदान में गहरी खुदाई, गांव में सूख गए कुएं

ग्रामीणों ने ग्रीष्मकालीन समय पर खदान को बंद करवाने की उठाई आवाज

कटंगी(स्वतंत्र मत)

जिले की कटंगी तहसील क्षेत्र के ग्राम अर्जुनी में ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे है। तकरीबन 2 हजार की आबादी वाला यह गांव आने वाले दिनों में विकराल जल संकट का सामना कर सकता है। अर्जुनी गांव की यह स्थिति गांव की सीमा से लगे ग्राम जाम में संचालित मेसर्स नम्रता उपाध्याय की अंडरग्राउंड मैंगनीज खदान से बेतहाशा यानी गहरी खुदाई कर मैंगनीज का खनन किए जाने की कथित वजह से निर्मित हुई है। खदान में गहरी खुदाई का असर गांव में साफतौर पर दिखाई देने लगा है। खदान से अत्यधिक खनन के कारण गांव का भूजल स्तर तेजी से नीचे गिर रहा है। नतीजा यह हुआ कि गांव के कई कुएं पूरी तरह से सूख गए हैं। हैड़पंप पानी की जगह हवा उगल रहे है और घरेलू उपयोग वाले बोरवेलों ने भी दम तोड़ दिया है।

ग्रामीणों ने प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाते हुए ग्रीष्मकालीन समय में खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने की मांग की है। गांव के जल संकट को लेकर रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण खदान पहुंचे ताकि चर्चा कर समस्या का निराकरण किया जा सकें। खदान के एक जिम्मेदार कर्मचारी से ग्रामीणों ने चर्चा करते हुए गांव के जल संकट का निराकरण करने के लिए कहां। कर्मचारी ने खदान मालिक को ग्रामीणों की समस्या और मांग के बारे में जानकारी देने का भरोसा दिया। जिसके बाद ग्रामीण अपने घरों के लिए वापस लौट गए। दरअसल, अर्जुनी गांव में शनिवार को एक विवाह समारोह के दौरान ग्रामीणों को जल संकट का इस कदर आभास हुआ कि उन्हें रात्रि में खदान संचालक से चर्चा करनी पड़ी। मैंगनीज खदान संचालक ने रविवार को विकल्प के तौर पर एक टैंकर से गांव में पानी की आपूर्ति शुरू की है लेकिन ग्रामीण स्थाई समाधान की मांग कर रहे है।

व्यर्थ में बहाया जा रहा पानी

अर्जुनी गांव के ठीक बगल में ग्राम जाम की सीमा में खसरा नंबर 747 में 20 एकड़ की भूमि मेसर्स नम्रता उपाध्याय को वर्ष 2002 से वर्ष 2052 तक की 50 वर्ष की लीज पर दी गई है। पहले यहां ओपन और अब अंडरग्राउंड खदान संचालित कर मैंगनीज निकाला जा रहा है। जमीन के नीचे से मैंगनीज निकालने के लिए गहरी खुदाई की गई है। जिससे अर्जुनी गांव का भूजल स्तर बीते 2 से 3 वर्षों में तेजी से रसातल की ओर जा रहा है। उधर, संचालक खदान में बड़ी-बड़ी मोटर लगाकर पानी को व्यर्थ ही बहा रहा है।

नल जल से वंचित नहीं रहेगा अब कोई घर परिवार जल जीवन मिशन पहुंचाएगा नल से जल सबके द्वार, यह ध्येय वाक्य- जल जीवन मिशन योजना का है। ग्राम पंचायत अर्जुनी में इस योजना के तहत 1 करोड़ 3 लाख 81 हजार रुपए खर्च हुए है। सूचना फलक के अनुसार मेसर्स पिपले कंसलटेंट छिंदवाड़ा नाम की एंजेसी से पंचायत में कार्य किया है। गांव में 50 हजार लीटर की क्षमता वाली पानी टंकी, 20 हजार लीटर की क्षमता वाला सम्पवेल बना है। 197 घरों में नल कलेक्शन लगे है। जबकि राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के पोर्टल पर नल कनेक्शन का आंकड़ा 383 है। आंकड़ों में झोल और मोटी धनराशि खर्च करने के बाद भी ग्रामीणों को पानी नहीं मिल रहा है।

पंचायत ने शुरू की कुओं की सफाई

गांव में जहां घरों के कुओं का पानी सूख चुका है वहीं सरकारी कुओं का भी बहुत बुरा हाल है। बाजार चौक में निर्मित कुएं का पानी पूरी तरह से सूख चुका है। ग्राम पंचायत आगामी वर्षा ऋतु की तैयारी करते हुए कुएं की सफाई करवा रही है। वार्ड क्रमांक 03 में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विगत महीनों कुप की सफाई की गई थी। उस कुएं में भी आज पानी की एक बूंद नहीं है। जिससे ग्रामीण काफी हताश हो गए है।

जिला जेल में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जेल अधीक्षक डी0 के0 सारस ने बताया कि रविवार दिनांक 26 अप्रैल को माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर एवं खंड पीठ ग्वालियर के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उमरिया के अध्यक्ष माननीय न्यायाधीश श्री प्रियदर्शन शर्मा एवं सचिव- न्यायाधीश श्री मोहन डावर के संयुक्त निर्देश पर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्री दीपक अग्रवाल एवं श्री आशीष धुर्वे, न्यायिक दण्डाधिकारी की उपस्थिति में जिला जेल उमरिया में जेल तोक अदालत का आयोजन किया गया। सभी सम्मानीय न्यायाधीश की उपस्थिति में जेल परिसर में वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन कार्यक्रम में माननीय मुख्य न्यायाधीश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं संरक्षक प्रमुख मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा केंद्रीय जेल ग्वालियर से विशेष जेल लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। उनके द्वारा जेल लोक अदालत का महत्व एवं प्रकरणों के निराकरण के बारे में जानकारी दी गई। बंदियों को जेल में अनुशासन में रहने एवं जेल में संचालित प्रशिक्षण का लाभ लेने के लिए प्रेरित करते हुये उनके आपराधिक प्रकरणों की वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया। इस अवसर पर 02 प्रकरण चिन्हित कर माननीय न्यायालय द्वारा समीक्षा कर प्रकरण पर न्यायसंगत कार्यवाही की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उमरिया के कार्यालय सहायक, प्रस्तुतकार, पैनल अधिवक्ता, आदेश तामीलकर्ता एवं पैरालीगल वालेंटिपर केके शुक्ला तथा न्यायालय स्टॉफ जिसमे फिरोज मंसूरी, अशुतोष पटेल,महेश तिवारी उपस्थित रहे। जेल प्रशासन द्वारा इस विशेष कार्यक्रम की समुचित व्यवस्था जेल अधीक्षक डी. के. सारस, जेल चिकित्सक डॉ. एस. के. जैन तथा जेलर ध् उप अधीक्षक माखन सिंह मार्को एवं मेलनर्स कनिका रामपाल एवं ड्यूटीस्त प्रहरी एवं रमन विश्वकर्मा, मो0 शारिब, दुरपाल सिंह मरावी तथा डयूटीरत मुख्य प्रहरी द्वारा बंदियों को अनुशासित रखकर सभी बंदियों को लाभांवित कराया गया।

गांधी चौक मे कांग्रेस सेवा दल ने किया ध्वज वंदन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

सेवा दल उमरिया गांधी चौक मे अप्रैल माह के अंतिम दिन रविवार 26 अप्रैल को पूर्व विधायक अजय सिंह के मुख्य आतिथ्य में ध्वज वंदन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के निर्देशन में मप्र कांग्रेस सेवा दल प्रभारी पीएन मिश्रा एवं प्रदेशाध्यक्ष , जिला अध्यक्ष के मागदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवस रपर त्रिभुवन प्रताप सिंह, मो आजाद, गौरीशंकर प्रजापति, वरिष्ठ नेता पीएम राव, ओम प्रकाश सोनी, कर्ण सिंह, राजेश सिंह, चंदू राठौर, राजेन्द्र महोबिया, मंगल सिंह, किशोर सिंह, वीर मो0, शंकर सिंह, रघुनंदन सिंह, शिव कुमार सिंह, संदीप यादव, प्रहलाद यादव, मनोज बर्मन, मुराली बर्मन, उपस्थित रहे।

कलेक्टर बंगला के पीछे निगम के जंगल में बस गई बस्ती..!

सागौन के सैकड़ों पेड़ काटकर लगातार हो रहा अतिक्रमण.!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर बंगला के पीछे वन विकास निगम के बेशकीमती सागौन के जंगल है और बगल में धौड़ा कॉलोनी बसी हुई है जो धीरे धीरे करके जंगल को काटकर अतिक्रमण कर दर्जनों मकान बन चुके हैं और बनते ही जा रहे हैं। प्रशासन और विभाग आंख बंद कर चुका है और उनके नाक के नीचे ही जब जिला मुख्यालय का ये हाल है तो अन्य जगह का क्या हाल होगा उसकी कल्पना की जा सकती है.! प्रशासन और विभाग को इसकी जानकारी भी कई बार दी गई लेकिन अब तक न तो अतिक्रमण को रोका गया न ही हटाया गया जिसका जिम्मेदार विभाग हैं जो कार्यवाही करने में असमर्थ नजर आ रहा है.! आज अतिक्रमण कल वनाधिकार या फिर धारणाधिकार का पट्टा भी लेने के लिए ये सभी आगे आएंगे और उस भूमि पर कई वर्षों से रहने का प्रमाण भी बन जायेगा और ऐसे ही धीरे धीरे जंगल साफ होंगे और फिर विभाग और अतिक्रमणकारियो का टकराव बढ़ेगा। जिला मुख्यालय में वैसे भी चारो ओर अतिक्रमण की बाढ़ सी नजर आ रही है यहाँ तक कि अब लोग नदी नालों तक को नहीं छोड़ रहे हैं और उमरिया में चाहे पीटीएस के पीछे हो या जेल के भूमाफिया सक्रिय हैं जो खाली सरकारी जमीनों पर कब्जा कर आम जन को बेच रहे हैं.! कलेक्टर बंगला के बगल से ही जंगल मे जाने का रास्ता भी बन चुका है और जंगल के अंदर चार पहिया वाहन भी आराम से अंदर जाते हुए दिख जाते है लेकिन जिम्मेदारो को दिखाई नहीं देता। पहली पन्नी डालकर मड़ैया बनाई जाती है और फिर बाड़ी और फिर धीरे धीरे कब ये मड़ैया ईटो के घर में तब्दील होकर पक्के मकान बन जाते है।जब इस संबंध में वन विकास निगम के डीएम अमित पटौदी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अतिक्रमण किबजानकारी प्राप्त हुई है देखवाता हूं।

ताला पनपथा मार्ग पर थमे पहिये, घंटों बाद खुला जाम; हाइवा खराब होने से 100 से ज्यादा वाहन फंसे

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के ताला पनपथा सड़क मार्ग पर रविवार सुबह उस वक्त हालात बिगड़ गए, जब पतौर गांव के आगे एक हाइवा बीच सड़क पर अचानक खराब हो गया। यह मार्ग पहले से ही सिंगल लेन है और किनारों की पटरी भी अधूरी पड़ी है, ऐसे में भारी वाहन के खराब होते ही दोनों ओर लंबा जाम लग गया और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। घटना के बाद देखते ही देखते सड़क के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। करीब 100 से अधिक छोटे-बड़े वाहन जाम में फंस गए। मौके पर तत्काल कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थिति और गंभीर होती चली गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि समय रहते ट्रैफिक डायवर्ट किया जाता तो हालात इतने खराब नहीं होते।जाम में फंसे लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी भीषण गर्मी ने दी। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार था, जिससे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं खासतौर पर परेशान दिखे। कई लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए, जबकि कुछ लोग गर्मी से बचने के लिए सड़क किनारे जंगल की ओर जाकर पेड़ों की छांव में बैठने को मजबूर हो गए। यह इलाका वन क्षेत्र से सटा हुआ है, ऐसे में लोगों का जंगल की ओर जाना जोखिम भरा भी साबित हो सकता था। जंगली जानवरों की आशंका के बावजूद लोग राहत के लिए वहां जाने को मजबूर दिखे। हैरानी की बात यह रही कि फॉरेस्ट चौकी नजदीक होने के बावजूद मौके पर न तो वन विभाग का अमला सक्रिय नजर आया और न ही पुलिस की कोई त्वरित व्यवस्था दिखी। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें लंबा जाम और लोगों की परेशानी साफ देखी जा सकती है। वीडियो में वाहन चालकों और यात्रियों की बेबसी भी सामने आई। हालांकि, बाद में खराब हाइवा को हटाने के बाद धीरे-धीरे यातायात बहाल किया गया। इस संबंध में मानपुर थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन के ब्रेकडाउन के कारण जाम की स्थिति बनी थी, जिसे अब पूरी तरह साफ कर दिया गया है और मार्ग पर आवागमन सामान्य हो चुका है।

आदेश से रसोइयों में आक्रोश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासन के एक आदेश से इस समय मध्यप्रदेश के जिलों में बवाल मचा हुआ है जानकारी मिल रही है कि स्कूलों में कार्यरत मध्यांन भोजन के रसोइयों को संख्या के अनुसार रखने का आदेश शासन द्वारा जारी किया गया है बताया जा रहा है कि 100 से ऊपर संख्या होने पर तीन रसोइयों को रखने के आदेश जारी हुए हैं इस आदेश की वजह से रसोइयों में नाराजगी बढ़ गई है रसोइयों का कहना है कि कई वर्षों से मध्यान भोजन कार्यक्रम अंतर्गत कम कर रहे हैं संख्या के अनुपात से रखने के आदेश बिल्कुल गलत है इस आदेश का रसोइया विरोध कर रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में पीएम श्री रानी दुर्गावती महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन पखवाडा एवं बाल विवाह रोकथाम विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत महिलाओं को लोकसभा विधानसभा एवं राज्यसभा में मिलने वाले 33 प्रतिशत आरक्षण की जानकारी दी तथा शासन की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया।

हिंदी सेवा समिति की गोष्ठी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति मंडला एवं तुलसी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में देश के महान साहित्यकारों जिनकी रचनाएं समय-समय पर पाठ्य पुस्तकों में शामिल की गई रचनाओं पर आधारित ऑनलाइन मासिक गोष्ठी का आयोजन सरोज दवे वरिष्ठ साहित्यकार भोपाल के मुख्य आतिथ्य, ऊषा सक्सेना मुंबई के विशिष्ट आतिथ्य एवं डॉ संध्या शुक्ल मृदुल जिला संयोजक मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति व प्रदेशाध्यक्ष अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

गर्ल्स कालेज में व्याख्यान माला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे के संरक्षण तथा नोडल अधिकारी सुश्री पूजा टेमरे व डॉ अंजली पंड्या के संयोजन में नारी सशक्तिकरण जागरुकता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए महिलाओं के विधिक अधिकारों पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया, जिसमें कवयित्री डॉ संध्या शुक्ल मृदुल ने महिला सशक्ति करण के विविध आयामों पर प्रकाश डाला और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संचार किया प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे ने महिलाओं के विविध अधिकारों पर व्याख्यान देते हुए बाल-विवाह,दहेज,घरेलू हिंसा व लैंगिक भेदभाव व सेक्सुअल उत्पीड़न रोकने संबंधी बनाये गए विविध कानूनों का सविस्तार खुलासा कर महिलाओं के सदैव जागरुक रहने की बात कही सुश्री पूजा टेमरे ने संचालन किया डॉ अंजु सिंह ने आभार ज्ञापित किया नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

वेयरहाउस का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नामदेव धोटे ने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान वेयरहाऊस की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्रं कुमार सिंह सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, निर्वाचन अधीक्षक अरूण, सीके तिवारी उपस्थित रहे।

अधिकारी ने किया निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुविभागीय अधिकारी सचिन जैन द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर देवगांव रयगांव एवं मुनू का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर श्री जैन ने टीकाकरण कार्यक्रम परिवार नियोजनए एनीमिया रोकथाम अभियान के अंतर्गत आयु वर्ग अनुसार पिंक टैबलेट के वितरण की स्थिति की जानकारी ली साथ ही संस्थागत प्रसव एएनसी एंटी नेटल केयर एवं पीएनसी सेवाओं के क्रियान्वयन का अवलोकन किया।

साफ सफाई कर दिया संदेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के तहत ग्राम सतपहरी माल में तालाब की साफ सफाई का कार्य किया गया इस पहल का उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण करते हुए ग्रामीणों में जल के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था मां रेवा कल्याण समिति मेहरासिवनी एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सतपहरी माल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

बेटियों का विवाह अब चिंता नहीं उत्सव है: मंत्री उईके

संगम घाट पर हुआ मुख्यमंत्री कन्या विवाह

200 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले के महाराजपुर स्थित पावन संगम घाट परिसर में रविवार को एक भव्य और भावनात्मक सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 200 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे माँ नर्मदा के तट पर आयोजित इस समारोह ने सामाजिक समरसता, सामूहिकता और सरकार की जनकल्याण कारी सोच का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया इस आयोजन में मंडला नगर निकाय, बम्हनी नगर निकाय, मंडला जनपद पंचायत और मोहगांव जनपद पंचायत क्षेत्र के वर-वधुओं ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्सवमय रहा जहाँ परंपरा संस्कृति और आधुनिक सोच का सुंदर संगम देखने को मिला जनजातीय परंपराओं के साथ-साथ हिंदू रीति-रिवाजों से विवाह संपन्न हुए वहीं दो मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी मुस्लिम रीति से पढ़ाया गया जिससे सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश मजबूत हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सम्पतिया उईके शामिल हुईं उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि पहले गरीब और निर्धन परिवारों में बेटी के जन्म के साथ ही उसके विवाह की चिंता घर-परिवार को सताने लगती थी। लेकिन सरकार ने इस पीड़ा को समझते हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना की शुरुआत की जिससे अब बेटियों का विवाह चिंता नहीं बल्कि एक उत्सव बन गया है उन्होंने आगे कहा कि नरेन्द्र मोदी और मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार लगातार महिलाओं और बेटियों के सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा देती है। मंत्री उईके ने माँ नर्मदा से प्रार्थना की कि सभी नवविवाहित जोड़ों का जीवन सुख समृद्धि और प्रेम से परिपूर्ण हो कार्यक्रम में संसदीय क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई उन्होंने कहा कि ऐसे सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक समरसता और एकता के प्रतीक होते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से समाज के सभी वर्ग एक साथ मिलकर खुशी के इस अवसर को साझा करते हैं उन्होंने इसे सरकार की संवेदनशील सोच और जनहितकारी नीतियों का परिणाम बताया जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने भी नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आयोजन उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन है और सभी को मिलकर इनके सुखद भविष्य की कामना करनी चाहिए इस सामूहिक विवाह समारोह की एक विशेष बात यह रही कि इसमें समाज के विभिन्न वर्गों को समान अवसर मिला कुल 200 जोड़ों में से 84 जोड़े जनजातीय समुदाय से थे। इसके अलावा एक कल्याणी महिला एक दिव्यांग युगल तथा एक अनाथ बेटी का विवाह भी इस आयोजन में संपन्न कराया गया यह पहल समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है मंडला और मोहगांव के ग्रामीण क्षेत्रों से आए एक-एक मुस्लिम जोड़े का निकाह भी पूरी धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। यह दृश्य न केवल धार्मिक सहिष्णुता का प्रतीक था बल्कि यह संदेश भी देता है कि विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है कार्यक्रम के दौरान मंत्री सम्पतिया उईके और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने विशेष रूप से कुछ वधुओं को 49 हजार रुपये का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया। इनमें ग्राम केहरपुर की दिव्यांग वधु, दादा धनीराम वार्ड की कल्याणी वधु, केहरपुर की अनाथ वधु तथा रैगांव की मुस्लिम वधु शामिल थीं। इसके अलावा सभी वधुओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 49 हजार रुपये की राशि उनके खातों में हस्तांतरित की गई इनमें पूर्व विधायक देवसिंह सैयाम और प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, जनपद अध्यक्ष मंडला संतोष सोनू भलावी, नगर पंचायत बम्हनी अध्यक्ष मीना हरदहा और जनपद अध्यक्ष मोहगांव गतसिंह भवेदी जिला पंचायत के सीईओ शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम सोनल सिडाम, सहायक संचालक जनजातीय कार्य रंजीत गुप्ता, तहसीलदार हिमांशु भलावी, नायब तहसीलदार अजय श्रीवास्तव और रामसिंह उलाडी, सीईओ जनपद मंडला प्रतिमा शुक्ला, सीएमओ गजानन नाफड़े, सहायक परियोजना अधिकारी कपिल तिवारी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी पीयूष पांडे और परियोजना अधिकारी अनूप नामदेव सहित कई अधिकारी मौजूद रहे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर इस आयोजन को सुव्यवस्थित और यादगार बनाने में योगदान दिया कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, व्यवस्था और पारंपरिक गरिमा का विशेष ध्यान रखा गया।

स्वयंसेवक संघ की प्रमुख जन गोष्ठी संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी कार्यक्रम शनिवार को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन में जिले भर से आए 300 से अधिक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को प्रभावशाली बना दिया यह गोष्ठी खैरी स्थित रानी दुर्गावती महाविद्यालय के सभागार में आयोजित की गई जहां राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई कार्यक्रम के दौरान संघ की मूल विचारधारा सेवा और संस्कार को केंद्र में रखते हुए समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद स्थापित करने का प्रयास किया गया उपस्थित लोगों ने पत्रक के माध्यम से अपने प्रश्न रखे जिनका जवाब मुख्य वक्ता और मध्य क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी ने विस्तार पूर्वक दिया उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और इसी उद्देश्य के साथ संघ लगातार कार्य कर रहा है गोष्ठी में सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वत्त्व का बोध, नागरिक कर्तव्य और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि संघ का लक्ष्य एक ऐसा सशक्त, अनुशासित और संगठित भारत बनाना है, जो विश्व को दिशा देने में सक्षम हो कार्यक्रम में मंच पर मध्य क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी के साथ जिला संघ चालक हीरानंद चंद्रवंशी भी उपस्थित रहे।

डायबिटीज मरीजों को मिलेगा परामर्श

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ डीजे मोहंती ने जानकारी दी कि जिला अस्पताल मंडला में डायबिटीज से प्रभावित मरीजों के लिए विशेष साप्ताहिक क्लिनिक प्रारंभ किया गया है। यह क्लिनिक प्रत्येक शुक्रवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक अस्पताल के 10 नंबर ओपीडी में संचालित होगा। इस क्लिनिक मेंडायबिटीज से प्रभावित मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार परामर्श मधुमेह शिक्षा तथा इंसुलिन की मासिक नि:शुल्क आपूर्ति प्रदान की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य मरीजों को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना तथा उनके इलाज से जुड़े आर्थिक बोझ को कम करना है। एनसीडी जिला नोडल अधिकारी डॉ मोहसिन मंसूरी ने बताया कि डायबिटीज एक गंभीर स्थिति है जिसमें शरीर में इंसुलिन का उत्पादन नहीं हो पाता। नियमित इंसुलिन थेरेपी के अभाव में मरीजों को कई जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है।

मंत्री ने किया साउथ ब्लॉक का भूमिपूजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले की शैक्षणिक अधोसंरचना को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके द्वारा ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल के नवीन साउथ ब्लॉक का विधि-विधान से भूमि पूजन किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाओं का होना क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अनिवार्य शर्त है। स्कूल में इस नए ब्लॉक के निर्माण से छात्रों को आधुनिक वातावरण और बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकेंगी जिससे उनके भविष्य की नींव और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की इस नई पहल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, जयदत्त झा, संजय तिवारी, मनोज फागवानी, रानू राजपूत, बीआरसी अनादि वर्मा, नायब तहसीलदार रामसिंह उलाड़ी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थिति रहे।

आदि शंकराचार्य प्राकट्योत्सव पर कार्यक्रम

मण्डला (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में आदि शंकराचार्य के पावन प्राकट्योत्सव प्राकट्य पंचमी के अवसर पर जिला स्तरीय भव्य व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय डाइट सभागार में प्रातः 11 बजे से सायं 3 बजे तक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले से आए विद्वानों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी सच्चिदानंद महाराज सुरंगदेव आश्रम रहे तथा अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य संदीप सिंह ने की मुख्य वक्ता के रूप में महेंद्र सिंह वैदिक गुरुकुल एवं गैस आरक्षण

समिति कार्यक्रम संयोजक उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में ब्रह्मचारी विक्रांत सिंह एवं जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी मंचासीन रहे कार्यक्रम का शुभारंभ आदि शंकराचार्य एवं माँ सरस्वती के तैल्यचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन संगठन गीत एवं मंत्र के साथ हुआ। प्रस्तावना रखते हुए राजेंद्र चौधरी ने जन अभियान परिषद के सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी व्याख्यान में आदि शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया गया कि उनका जन्म केरल के कालड़ी ग्राम में हुआ था। उन्होंने अल्पायु में सन्यास ग्रहण कर संपूर्ण भारत का भ्रमण किया और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का कार्य किया। अद्वैत वेदांत के माध्यम से सर्वं खल्विदं ब्रह्म का संदेश देते हुए उन्होंने देश के चारों दिशाओं में चार प्रमुख मठ स्थापित कर सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ किया मुख्य अतिथि स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि आदि शंकराचार्य भारतीय संस्कृति के महान पुनर्जागरणकर्ता थे उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, छुआछूत और पाखंड का विरोध करते हुए समरस समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया कार्यक्रम का समापन नर्मदाष्टक के सामूहिक पाठ के साथ हुआ जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कलेक्टर ने की योजनाओं की समीक्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने जिला पंचायत सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं सीधे जनता से जुड़ी हुई है। अधिकांश कार्य हितग्राही मूलक हैं इसलिए इन योजनाओं की पहुंच ग्रामीण घरों तक है इसलिए जिला पंचायत के अमले की जिम्मेदारी बहुत अधिक है। आमजन का जुड़ाव भी ग्रामीण विकास की योजनाओं से रहता है बैठक में मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मध्याह्न भोजन कार्यक्रम, वाटरशेड, पंद्रहवें वित्त, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और एनआरएलएम के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। सभी योजनाओं के 2025-26 के लिए लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति और स्टेट रैंक की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि इस वित्त वर्ष में सभी योजनाओं में फर्स्ट रैंक पर आने का लक्ष्य लेकर कार्य करें बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, एसीईओ जिला पंचायत विनोद मरावी, ईई आरईएस एक एवं दो, परियोजना अधिकारी मनरेगा, परियोजना अधिकारी एसबीएम, परियोजना अधिकारी प्रधानमंत्री आवास, परियोजना अधिकारी मध्याह्न भोजन कार्यक्रम, परियोजना प्रबंधक एनआरएल एम,सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत सहित संबंधित मौजूद रहे।

जनगणना 2027 का तृतीय चरण प्रशिक्षण संपन्न

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

भारत की जनगणना 2027 के तृतीय चरण का प्रशिक्षण का तीसरा दिवस 25 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ। लगातार तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में फील्ड ट्रेनर शंकर दयाल वाजपेई एवं रंजीत गौतम के द्वारा जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण की बारीकियों से सभी को अवगत कराया गया। तीसरे दिवस नगर के विभिन्न वार्डों से जनगणना के प्रारंभिक अभ्यास के लिए पर्यवेक्षकों एवं प्रगणक को भेजा गया जिसमें चार्ज गणना अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस द्वारा वार्ड में उपस्थित होकर स्वयं का स्व गढ़ना किए जाने के उपरांत आम नागरिकों को स्व गणना किए जाने की अपील की गई एवं निकाय अंतर्गत कुल 33 गणना ब्लॉकों में पर्यवेक्षकों एवं प्रकरणको के द्वारा जनगणना 2027 अंतर्गत प्रथम चरण का कार्य 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण का कार्य किए जाने की जानकारी दी गई।

किसानों के बीच पहुंची मंत्री सम्पतिया

किसानो का एक एक दाना खरीदा जाएगा

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

गेहूं खरीदी को लेकर आक्रोशित किसानों के बीच पहुंचकर मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने उनकी समस्या सुनी। कल नैनपुर में उपार्जन से संबंधित समस्याओं को लेकर किसानो द्वारा लामबंद होकर सड़को में प्रदर्शन किया गया था। आंदोलन के बाद पी एच ई मंत्री और मंडला विधायक श्रीमति संपतिया उईके ने भारत कृषक समाज के प्रतिनिधि मंडल से मंडी नैनपुर में मुलाकात की। किसानों की प्रमुख समस्या गेहूं की चमक को लेकर उपज के रिजेक्ट होने को लेकर थी। साथ ही स्मैबपर खरीदी शुरू नही होने से किसान आक्रोशित थे। जिसको संज्ञान में लेकर मंत्री ने आश्वासन दिया कि किसानों का एक एक दाना खरीदा जायेगा और किसी भी गेहूं को गुणवत्ता विहीन समझ कर रिजेक्ट नहीं किया जायेगा। मंत्री की बातों से किसानों को थोड़ी राहत मिली है ।।मंडी में चर्चा के दौरान एसडीएम नैनपुर आशुतोष महादेव ठाकुर और सर्वेयर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।।मंत्री श्रीमती संपतिया जी ने अधिकारी कर्मचारी और प्रशासनिक अमले से कहा की वो नियमों के साथ व्यावहारिक रूप से भी सहज सरल रहे। किसानों के साथ सरल व्यवहार करें ।

लू से बचाव पर एडवाइजरी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए लू तापघात से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम में विशेष सावधानी बरतें और आवश्यक उपाय अपनाकर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गर्मी के दिनों में अधिक समय तक धूप में रहने से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। लू लगने पर व्यक्ति को तेज सिरदर्द चक्कर आना प्यास अधिक लगना शरीर में पानी की कमी आंखों में जलन बुखार त्वचा लाल होना उल्टी सांस फूलना बेचौनी तथा बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

संपादकीय

मतदान पर अनुमान

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में क्रमशः 92.72 फीसदी और 85.14 फीसदी मतदान के साथ नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। आजकल 60-70 फीसदी मतदान हो जाए, तो राजनीतिक दल और नेतागण राहत की सांस लेते हैं। बंगाल के इस बार के मतदान पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने खुलासा किया है कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक मतदान बंगाल में हुआ है, तो 1967 के बाद पहली बार तमिलनाडु में इतना अधिक मतदान किया गया है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मील-पत्थर गाड़ दिए हैं। ये मतदान इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बंगाल में कुल 91 लाख से अधिक और तमिलनाडु में 57 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम, एसआईआर के जरिए, काट दिए गए थे। अब भी लाखों के मताधिकार अधर में लटके हैं। एसआईआर का खौफ और भय था, ऐसी आशंकाएं भी जताई जा रही थीं कि यदि वोट नहीं देंगे, तो अंततः नागरिकता भी जा सकती है! बहरहाल बंपर मतदान की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी का 'एग्जिट पोल' दावा कर रहा है कि भाजपा प्रथम चरण की 152 सीटों में से 100 सीटें पार कर चुकी है। हालांकि भाजपा ने 125 सीटों पर प्रचंड जीत का दावा किया है। बंपर मतदान को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी जीत मान रही हैं। इसे 4 मई तक छोड़ देना चाहिए, जिस दिन जनादेश सार्वजनिक होंगे। कुछ पेशेवर चुनावी पंडित 'शर्तिया विश्लेषण' करने में जुटे हैं कि भाजपा कुल मिला कर 150-160 सीटें जीत रही है, नतीजतन ममता की 15 साल पुरानी सत्ता ढह रही है और भाजपा की सरकार बन रही है। यह दावा प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक जनसभा में किया था कि इस बार कई जिलों में तृणमूल कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। यह भी चुनावी और सियासी दावा साबित हो सकता है। यदि ममता बनर्जी 'बंगाली अस्मिता' की प्रतीक न होतीं, तो केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक मंच से यह घोषणा न करनी पड़ती कि भाजपा मुख्यमंत्री बंगाली होगा, बंगाल में जन्मा और पढ़ा-लिखा होगा तथा बंगला भाषा बोलता होगा। भाजपा कार्यकर्ताओं को 'मछली' लेकर जुलूस न निकालने पड़ते और पार्टी के केंद्रीय मंत्री स्तर के नेताओं को, मंगलवार के दिन, 'मछली-चावल' खाते हुए इंटरव्यू न देने पड़ते। मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा को बंगाल में ही सफाई देनी पड़ रही है। किसी अन्य राज्य में अपवाद हो सकता है, अलबत्ता भावी मुख्यमंत्री को लेकर कोई भी घोषणा नहीं करनी पड़ती। बंगाल और भाजपा के दरमियान चारित्रिक और सांस्कृतिक फासले आज भी हैं। बहरहाल ममता बनर्जी चुनाव हारती हैं, तो एसआईआर के कारण नहीं, बल्कि महिला मतदाताओं के कम वोट के कारण हारेंगी। बेशक मतदान का दिन कई 'मुक्त' के साथ बीता है, लेकिन बंगाल 'हिंसा-मुक्त' नहीं हो पाया। मुर्शिदाबाद इलाके में निवर्तमान विधायक हुमायूं कबीर के वाहन पर पथराव हुआ। उनके साथ हाथापाई भी हुई। इसी तरह कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेन्दु सरकार को लोगों ने भगा-भगा कर पीटा। एक पुलिसिया अंगरक्षक इतनी भीड़ के मुक्के-थप्पड़ों को कैसे रोक सकता था। भाजपा प्रत्याशी ने गली-गली, खेतों से भाग कर जान बचाई। कहां थी 2.40 लाख सुरक्षा बलों के जवानों की सुरक्षा! 2024 में पूरे देश में लोकसभा चुनाव के दौरान कुल 3.4 लाख जवान तैनात किए गए थे। इस बार बंगाल में ही 2.40 लाख जवान और फिर भी पत्थर, बम, लाठी और पिटाई सब कुछ हुआ। गनीमत है कि अभी तक मौत के आंकड़े सुनाई नहीं दिए। बहरहाल तमिलनाडु में भी राजनीतिक संघर्ष खूब तपा हुआ है।

ममता बनर्जी का अदालतों से फटकार खाने का रिकार्ड

योगेंद्र योगी

सुप्रीम कोर्ट ने 23 मार्च को कोलकाता मेट्रो रेल परियोजना के एक गलियारे के निर्माण में रोड़े अटकाने को लेकर ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने बंगाल सरकार की याचिका खारिज करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट को परियोजना की निगरानी करने का निर्देश दिया था।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने एक अनूठा रिकार्ड बनाया है। यह रिकार्ड है, अदालतों से फटकार खाने का। देश में शायद ही किसी राज्य की ऐसी सरकार होगी, जिसने अदालतों से ममता सरकार की जितनी डांट खाई होगी। आश्चर्य की बात यह है कि दर्जनों मामलों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से लताड़ खाने के बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तेवरों में कोई अंतर नहीं आया है। देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से टकराने का ममता का रवैया ऐसा है मानों पश्चिम बंगाल भारत का नहीं बल्कि पाकिस्तान का हिस्सा हो।

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में उपद्रवियों द्वारा तीन महिलाएं सहित सात न्यायिक अधिकारियों को अवैध रूप से बंधक बनाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि यह घटना न केवल न्यायिक अधिकारियों को डराने-धमकाने का एक घिनौना प्रयास है, बल्कि यह इस न्यायालय के अधिकार को भी चुनौती देती है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, मालदा जिला मजिस्ट्रेट और एसएसपी को कारण बताने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले की सीबीआई/एनआईए जांच का आदेश दिया। आश्चर्य की बात यह है कि मुख्यमंत्री ममता ने अफसरों की गलती नही मानने के बजाए जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए आरोपों का सारा ठीकरा चुनाव आयोग के सिर फोड़ने का प्रयास किया। इससे पहले बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की आपत्तियों पर फटकार लगाई थी।

केंद्र की भाजपा सरकार किसी सरकारी योजना का चुनावी फायदा नही उठा ले, इसी मंशा से ममता सरकार ने कोलकाता मेट्रो प्रोजेक्ट में रोड़े अटकाने में कसर बाकी नहीं रखी, आखिरकार सुप्रीम कोर्ट की झाड़ खाने के बाद ममता सरकार परियोजना से बाधाओं को हटाने के लिए मजबूर हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने 23 मार्च को कोलकाता मेट्रो रेल परियोजना के एक गलियारे के निर्माण में रोड़े अटकाने को लेकर ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने बंगाल सरकार की याचिका खारिज करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट को परियोजना की निगरानी करने का निर्देश दिया था। पीठ ने यह भी कहा, हाई कोर्ट ने राज्य सरकार प्रति काफी उदारता दिखाई है। शीर्ष अदालत ने गहरी नाराजगी जताते हुए यहां तक कह दिया कि यह ऐसा मामला था, जिसमें आपके मुख्य सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमाम संवैधानिक हदें लांघते हुए ऐसा काम किया, जिसे आजाद भारत के इतिहास में कोई मुख्यमंत्री करने का दुस्साहस नहीं कर सका। ईडी ने राजनीतिक रणनीति बनाने वाली मशहूर फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बीच में ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वहां मौजूद एक फाइल अपने साथ ले गईं। इस मुद्दे ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सख्त टिप्पणी की। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कहा कि किसी मुख्यमंत्री को जबरन उस जगह में घुसते देखना सुखद नहीं है, जहां केंद्रीय जांच एजेंसी जांच कर रही है। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी की जांच में दखल नहीं दिया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि जब राज्य सरकार को सिलेक्शन में गड़बड़ी का पता चल चुका था, तो शिक्षकों की अतिरिक्त पद पर नियुक्ति क्यों की गई। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की पीठ ने बंगाल सरकार से पूछा-अतिरिक्त पद बनाने का उद्देश्य क्या था। गड़बड़ी का पता लगने के बावजूद आपने दागी उम्मीदवारों को बाहर क्यों नहीं किया। दाल में कुछ काला है या सब कुछ काला है। पश्चिम बंगाल के स्कूल सेवा आयोग में शिक्षकों की भर्ती में गड़बड़ी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी और एसएससी के कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। पेशे से मॉडल अर्पिता के घर से 49 करोड़ कैश और करोड़ों की ज्वेलरी मिली थी।

साल 2024 में संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और जमीन हथियाने व राशन घोटाले से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार किसी शख्स को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है। शीर्ष अदालत ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की अर्जी को खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि आरोपित शाहजहां शेख काफी प्रभावी व्यक्ति हैं और उसका सत्ताधारी दल से संबंध है। राज्य की पुलिस ने उसे बचाने के लिए लुका-छिपी का खेल खेला।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के रेप और मर्डर केस को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को जमकर फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर से लेकर पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को दूसरे कॉलेज में नियुक्त किए जाने तक अपनी नाराजगी जताई। इसके साथ ही सीबीआई और बंगाल सरकार से जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा था। कोर्ट ने ये भी पूछा कि क्या प्रिंसिपल ने हत्या को आत्महत्या बताया? सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कई गंभीर सवाल किए थे।

11 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने फ़िल्म 卐भविष्येर भूत卐 पर प्रतिबंध के मामले में ममता सरकार को फटकार लगाते हुए 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार को कहा कि वे 20 लाख रुपये बांग्ला फिल्म निर्देशक अनिक दत्त और सिनेमा हॉल के मालिकों को दें। दरसअल पश्चिम बंगाल में भविष्येर भूत पर बिना वजह प्रतिबंध को लगाए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। गौरतलब है कि इस फिल्म में कथित तौर पर राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक पार्टियों पर कटाक्ष किया गया था। इसी वजह से फिल्म रिलीज होने के एक दिन बाद इसे राज्य भर के सभी सिनेमा हॉल से हटा दिया गया था।

अदालतों की इन तमाम नजीरों से साबित होता है कि ममता बनर्जी मनमाने तरीके से शासन चलाने की आदी हैं। देश में दूसरे राज्यों में भी गैरभाजपा दलों की सरकारें हैं, किन्तु उनका रवैया पश्चिम बंगाल सरकार जैसा नहीं है, जिन्हें बार-बार संवैधानिक संस्थाओं से टकराव को लेकर अदालतों की फटकार खानी पड़ती हो। हालांकि विपक्षी दलों की सरकारों की राज्यपाल और दूसरे मुद्दों पर केंद्र सरकार से तनातनी रही है, किन्तु बात-बात पर अदालतों तक जाने की नौबत नहीं आई। देश और राज्यों के लोकतंत्र का तकाजा यही है कि ममता बनर्जी को अदालतों के निर्णय और निर्देशों से सीखने की जरूरत है।

ज्ञानेश कुमार फिर 'घेरे' में

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत के संविधान में सुभाषित जिस सिद्धान्त के आधार पर चुनाव आयोग का गठन किया गया उसमें इस संस्था की स्वतन्त्रता व निष्पक्षता निर्द्वन्द इस प्रकार रखी गई कि भारत के चुनावों में भाग लेने वाले हर राजनैतिक दल के साथ एक समान व्यवहार हो और सभी के लिए अनुशासन व राजनैतिक नैतिकता का पैमाना बराबर हो। ये मानक लागू करते समय चुनाव आयोग को इस बात से कोई मतलब नहीं होना चाहिए कि कौन सा दल सत्ता में है और कौन सा विपक्ष में। उसके लिए चुनावों में भाग लेकर लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला हर राजनैतिक दल लोक प्रतिनिधि होता है और वह उसे इसी नजर से देखता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने इसी वजह से चुनाव आयोग को सरकार का अंग नहीं बनाया और इसे संविधान से शक्तियां लेकर अपना कार्य संचालन करने के लिए अधिकृत किया।

यह बेवजह नहीं है कि जब किसी राज्य में चुनाव घोषित हो जाते हैं तो पूरी प्रशासन प्रणाली चुनाव आयोग के नियन्त्रण में आ जाती है और वहां की सत्तारूढ़ सरकार केवल एक राजनैतिक दल की नुमाइन्दगी करने लगती है। चुनावों में मुख्यमन्त्री से लेकर किसी मन्त्री के चुनाव का खर्चा उसकी पार्टी ही उठाती है, बेशक उनकी सुरक्षा की व्यवस्था सरकारी खर्चे से ही होती है क्योंकि वे संवैधानिक पदों पर होते हैं। ठीक यही व्यवस्था लोकसभा चुनाव होने पर पूरे राष्ट्र में लागू होती है। अतः लोकतन्त्र में यह बहुत आवश्यक होता है कि चुनाव आयोग किसी भी प्रकार के शक के दायरे से ऊपर रहे और उस पर एक आदमी से लेकर प्रधानमन्त्री तक का अटूट विश्वास हो। मगर सितम यह है कि जब से श्री ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं तभी से लगातार वह विवादों में घिरे हुए हैं और देश के विपक्षी दल उन पर पक्षपात करने व संवैधानिक संस्था के मुखिया होने के नाते उसके अनुरूप आचरण न करने के आरोप लगा रहे हैं। यह स्थिति वास्तव में चिन्ताजनक है क्योंकि किसी भी स्वतन्त्र संवैधानिक संस्था के मुखिया से अपेक्षा की जाती है कि उसका आचरण शक के घेरे से बाहर इस प्रकार होगा कि वह सद्व्यवहार का जीता-जागता प्रमाण हो जिसे उर्दू में 'सादिके-अमीन' कहा जाता है। चुनाव आयोग और विपक्षी दलों के बीच सरकार कहीं नहीं आती है क्योंकि आयोग की कार्यप्रणाली से उसका दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं होता है। इसलिए लोकतन्त्र में चुनाव आयुक्तों को पद से हटाने की जिम्मेदारी सीधे संसद को ही दी गई है। बेशक संसद द्वारा बनाये गये नये कानून के अनुसार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सरकार ही लोकसभा में विपक्ष के नेता की उपस्थिति के बीच करती है परन्तु नियुक्ति समिति में सरकार का ही बहुमत होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को पहले भी सरकार ही नियुक्त करती थी हालांकि नियुक्ति राष्ट्रपति की कलम से ही की जाती है परन्तु मुख्य चुनाव आयुक्त को पद मुक्त करने का विधान पहले भी उनके खिलाफ संसद में महाभियोग लाना ही था। हमने देखा है कि किस प्रकार पिछले महीने लोकसभा व राज्यसभा में श्री ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लाये गये महाभियोग के नोटिसों को इन दोनों सदनों के अध्यक्षों ने अस्वीकार कर दिया था। तब ये नोटिस राज्यसभा व लोकसभा के सांसदों द्वारा दिये गये थे और इन पर कुल 190 से ज्यादा सांसदों के हस्ताक्षर थे। ये नोटिस इसलिए दिये गये थे कि श्री ज्ञानेश कुमार अपने पद के अनुरूप न तो आचरण कर रहे थे और न विपक्षी दलों के प्रति निष्पक्षता बरत रहे थे। विपक्षी पार्टियों का आरोप था कि वे सत्तारूढ़ दल भाजपा के पक्ष में रहते हैं और उनके खिलाफ। ये नोटिस स्वीकृत नहीं हुए थे मगर विपक्षी दलों ने तभी कहा था कि वे राज्यसभा के सभापति व लोकसभा के अध्यक्ष के इस सन्दर्भ में किये गये फैसले से पूरी तरह असहमति रखते हैं क्योंकि उन्होंने नोटिसों का संज्ञान संवैधानिक प्रवधानों के अनुरूप नहीं लिया है, अतः वे इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय तक में ले जा सकते हैं।

विपक्षी दल सर्वोच्च न्यायालय तो नहीं गये मगर पांच राज्यों में चुनाव घोषित होने के बाद श्री ज्ञानेश कुमार व चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर उन्होंने राज्यसभा में श्री कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाने का नया नोटिस इसके महासचिव को सौंप दिया है। इस नोटिस में श्री कुमार के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप लगाये गये हैं और कहा गया है कि उन्हें पद से हटाने की कार्रवाई राज्यसभा में शुरू की जाये। इस बार महाभियोग शुरू कराने की कमान कांग्रेस पार्टी के नेता श्री जयराम रमेश ने संभाली है जबकि पिछली बार कमान तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के हाथ में थी। बेशक प. बंगाल के चुनाव में कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस एक दूसरे के आमने-सामने हैं मगर इस मुद्दे पर उनमें एका है। नोटिस पर राज्यसभा के 73 सांसदों के हस्ताक्षर हैं जो विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्य हैं। नोटिस देने के लिए 50 सांसदों के हस्ताक्षर ही काफी होते हैं। इस बार के नोटिस में आरोपों को बहुत स्पष्ट रूप से लिखा गया है और कहा गया है कि श्री ज्ञानेश कुमार प्रधानमन्त्री और गृहमन्त्री के इशारों पर चल रहे हैं। उन्होंने विधानसभा चुनावों में आदर्श आचार संहिता लागू करने के मामले में भेदभाव किया। मोटे तौर पर इसका मतलब निकाला जा सकता है कि वह चेहरा देख कर चपत लगाते हैं। उनका आचरण पद की प्रतिष्ठा व गरिमा के अनुकूल नहीं है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के साथ एक बैठक में सद् व्यवहार नहीं किया और उल्टे पार्टी का नाम लेकर इसे भली- बुरी सार्वजनिक रूप से सुनाई। इस प्रकार कुल नौ आरोप हैं। देखना केवल यह है कि अब इस नोटिस का हश्र क्या होता है। वैसे कानून कहता है कि आरोपों की जांच के लिए पहले राज्यसभा के सभापति को एक खोजी-जांच समिति गठित करनी चाहिए और फिर उसकी रिपोर्ट पर अपनी कोई राय बनानी चाहिए। इस बारे तो आरोप बहुत विशिष्ट भी हैं।

लापरवाही को छिपाना

संतोष उत्सुक

लापरवाही के नुकसान ही माने जाते हैं। समझदार लोग भी ऐसा ही बताते हैं। बचपन के विशेषज्ञ भी अस्त व्यस्त अभिभावकों को, सलाह देते रहते हैं कि बच्चों की परवरिश में कोताही न बरतें और बच्चों को बताते रहें कि ज़िंदगी में किसी भी तरह की लापरवाही न करें। वह बात अलग है कि विशेषज्ञ और अभिभावक खुद भी कई मामलों में लापरवाही बरतते हैं और कहते रहते है कि जीवन में ऐसा हो जाता है।

हमारे यहां लापरवाही एक विकसित परम्परा है। कोई दुर्घटना, नुकसान होता है तो जांच शुरू होने से पहले लापरवाही छिपाने की कोशिश शुरू हो जाती है। इसे बहुत ज़रूरी कर्तव्य की तरह निभाया जाता है। चश्मदीद गवाहों को धमकाने और अपराधी बनाने की सुगबुगाहट के साथ ही लापरवाही छिपाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। उन्हें पूरी सजगता से धमकी देनी ज़रूरी होती है ताकि सच सामने न आ सके। अगर ऐसा न किया जाए तो आम आदमी तो क्या कोई भी संपन्न व्यक्ति फंस सकता है वह बात दीगर है कि सुरक्षा व्यवस्था द्वारा की गई लापरवाही उन्हें फंसने नहीं देती । आदमी किसी और की जान बचाने तक में लापरवाह हो सकता है लेकिन अपने मामले में गलती से भी हुई लापरवाही छिपाने की कोशिश करता है।

जांच के दौरान लापरवाही, चतुराई से छिपा देना एक कला है। इसे उचित तरीके से जांच करना भी कहते हैं। यह मेहनत भरा काम है। लापरवाही छिपी रहे सामने न आए, इस सम्बन्ध में एक पुराने गाने को चार सौ बीस बार आधार बनाया जाता है, परदे में रहने दो पर्दा न उठाओ, पर्दा जो उठ गया तो भेद खुल जाएगा और कईयों को फंसा देगा, जो सुलझे बैठे हैं उन्हें उलझा देगा। लापरवाही छिपाने के बहुत से फायदे हैं। लापरवाही छिपाते हुए हर बात उलझा सकते हैं। बयान और रिपोर्टों को अलग अलग कर सकते हैं। महत्त्वपूर्ण संकेत फाइलें बनाने से पहले ही दफ़न कर सकते हैं। रिपोर्ट्स को बार बार अधूरी बताकर फिर से लिखित जानकारियां बार बार मांग कर, उनकी लापरवाही पर शक बढ़ाया जा सकता है।

सीधे सवालों के, लापरवाही में लिपटे गोल मोल जवाब देने से, ज्यादा समय और पुख्ता मदद मिलती है ताकि बेचारा नतीजा दूर कहीं झुरमुट में फंसा रहे और गलत व्यक्ति को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास सफल हो जाए। यही लापरवाही की सजगता भरी सफलता मानी जाती है। इसका अनुभव बचाव व्यवस्था की बुनियादी खामियों के विशेषज्ञ व्यक्तियों को पहले से होता है। उन्हें लापरवाही से गढ़े आरोपों से निबटना खूब आता है तभी तो जांच एजेंसियों के बीच तालमेल नहीं हो पाता। उनमें लापरवाही संभालने का गहन चारित्रिक अनुभव होता है तभी तो लापरवाही छिपाने का महत्त्वपूर्ण काम उन्हें सौंपा जाता है।

अनुभवी लोगों को ऐसे फंसा भी नहीं सकते। उन्हें भविष्य में भी पूरी ज़िम्मेदारी के साथ कर्तव्य निभाते हुए, लापरवाही करने में सक्रिय भूमिका अदा करनी होती है। किसी भी स्तर पर प्रशिक्षण देने की ज़रूरत, उन्हें नहीं होती। लापरवाही छिपाने का सबसे व्यावहारिक फायदा यह रहता है कि जांच संपन्न हो जाती है लेकिन कार्रवाई नहीं हो पाती। इधर पूरी गोपनीय सतर्कता से लापरवाही छिपाई जा रही होती है और उधर सार्वजनिक रूप से कहा जा रहा होता है कि भविष्य में किसी भी किस्म की लापरवाही बिलकुल बर्दाशत नहीं की जाएगी।

आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट : केजरीवाल कब छोड़ेंगे पार्टी सुप्रीमो की कुर्सी?

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

संतोष कुमार पाठक

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि रायसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

राघव चड्ढा की जिस काबलियत को देखकर एक जमाने में कुमार विश्वास, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें इंटर्न के तौर पर पार्टी के साथ जोड़ा था। उसी काबलियत का इस्तेमाल करते हुए बड़ी ही चालाकी से राघव चड्ढा ने आप के 10 रायसभा सांसदों में से 7 का जुगाड़ (खुद को मिलाकर) करते ही बीजेपी का दामन थाम लिया।टूट के लिए कानूनी रूप से जरूरी दो-तिहाई सांसदों का जुगाड़ कर एक बार फिर से राघव चड्ढा ने अपनी काबलियत तो साबित कर दी लेकिन इस बार वे अपने ही राजनीतिक गुरु केजरीवाल पर भारी पड़ गए।

पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस पार्टी को खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से भटक गई है। वहीं केजरीवाल ने अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक, बीजेपी पर पंजाबियों के साथ धोखा देने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी और उनके पूरे सिस्टम ने इन्हें गद्दार, यहां तक कि देशद्रोही तक साबित करने का अभियान छेड़ दिया है।

जबकि होना तो यह चाहिए था कि इतनी बड़ी टूट के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, खासकर आंदोलन के समय के नेताओं को बैठकर आत्ममंथन करना चाहिए। वर्ष 2013 से पहले और उसके बाद आए तमाम नेताओं पर नजर डालते हुए, यह सोचना चाहिए कि अब तक कितने गए, कब गए, क्यों गए और किसकी वजह से गए? लेकिन इसकी बजाय केजरीवाल पार्टी छोड़कर जाने वाले हर नेता को गद्दार साबित करने में जुट जाते हैं ताकि पार्टी के अंदर कोई भी उनके रवैए पर सवाल न उठा पाए।

आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी आंदोलन से हुआ था इसलिए इस पार्टी का खत्म होना दशकों तक इस देश को आंदोलन के नाम से डराता रहेगा। इसके लिए सिर्फ ऑपरेशन लोटस और बीजेपी को जिम्मेदार बता देने से काम नहीं चलेगा।

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को तुरंत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाकर कुछ कड़े फैसले लेने की पहल करनी चाहिए। दिल्ली में मिली हार के बाद अब यह सवाल तो बेमानी हो गया है कि एक व्यक्ति, एक पद के नियम के बावजूद अरविंद केजरीवाल वर्षों तक दो-दो पदों पर कैसे बने रहे? लेकिन अब यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिर पिछले साढ़े 13 वर्षों से एक ही व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक क्यों बने हुए हैं? क्या संजय सिंह, मनीष सिसोदिया या पार्टी के किसी भी अन्य नेता में पार्टी की कमान संभालने की क्षमता नहीं है? नेताओं को पार्टी से निकालने का मामला हो या रायसभा उम्मीदवार तय करने का मामला हो, यह सब कुछ एक ही व्यक्ति की इछा पर कब तक छोड़ा जाएगा? आखिर पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी क्यों बनाई गई है और इसका काम क्या है? पहले दिल्ली में सत्ता सुख भोगों और जब यहां पर जनता सत्ता से बाहर कर दें तो पंजाब जाकर जम जाओ, ये किस तरह का रवैया है? चाहे वो केजरीवाल हो या मनीष सिसोदिया या फिर बिभव कुमार या फिर कोई अन्य नेता या कर्मचारी, दिल्ली की हार के बाद क्या ये लोग 3-4 साल भी दिल्ली में या देश के अन्य रायों में संघर्ष नहीं कर सकते जो ये लोग सत्ता वाले राय पंजाब को घर बनाने निकल पड़ते है? अगर इन सवालों के जवाब नहीं तलाशे गए तो यकीन मानिए कि आने वाले दिनों में आप का पूरा संगठन भी बीजेपी में विलय होता हुआ नज़र आएगा।

अगर यह सब सिर्फ एक या दो व्यक्ति की जिद के कारण हो रहा है तो पार्टी के सभी नेताओं को मिलकर उन्हें किनारे लगाकर किसी और सक्षम नेता को जिम्मेदारी देनी चाहिए। पार्टी को अपने पुराने नेताओं की भी घर वापसी का अभियान बड़े पैमाने पर चलाना चाहिए और सबसे बड़ी बात आप के नेताओं को यह समझना चाहिए कि रायसभा की सांसदी का टिकट धन्नासेठों के लिए नहीं पार्टी के समर्पित कार्यकताओं के लिए होता है।

राजनीतिक हालात जिस तेजी से बदल रहे हैं, अगर उससे भी यादा तेजी से आप ने बदलाव नहीं किए तो आने वाले दिनों में पार्टी के नाम और निशान दोनों पर ही बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, बिभव कुमार, भगवंत मान और आतिशी इस बड़े बदलाव के लिए तैयार हैं?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

हमले को ट्रंप ने ईरान युद्ध से जोड़ा, कहा- ये घटना मुझे जीतने से नहीं रोक सकती

नई दिल्ली

फायरिंग को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान आया है। वो यह कह रहे हैं कि यह घटना मुझे ईरान युद्ध रोकने से नहीं रोक सकती। यह घटना मुझे रोक नहीं पाएगी। ईरान युद्ध जीतने से नहीं रोक पाएगी मुझे यह घटना। कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर चल रही थी। वहां पर जैसे ही ये गोली की आवाजें हुई एक तो पूरे डोनल्ड ट्रंप उनके कैबिनेट उनकी पत्नी मिलानिया ट्रंप को लेकर जिसमें जितने भी लोग वहां पर मौजूद थे। पीट हेगसेथ से लेकर कैश पटेल सबको वहां से निकाला गया। अमेरिका के अंदर एक अटैक होता है और डॉनल्ड ट्रंप इसको ईरान युद्ध से जोड़ रहे हैं। वो कह रहे हैं कि यह घटना मुझे ईरान युद्ध रोकने से नहीं जीतने से नहीं रोक सकती।

अधिकारियों ने बताया कि 31 वर्षीय हमलावर कैलिफोर्निया से था, जिसे सीक्रेट सर्विस ने पकड़ लिया है। घटना के बाद ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में संवाददाताओं को संबोधित किया और बताया कि संदिग्ध के पास कई हथियार थे। एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण उनकी जान बच गई। ट्रंप ने कहा कि सीक्रेट सर्विस के अधिकारी को बहुत करीब से एक घातक हथियार से निशाना बनाया गया था। उन्हें गोली लगी लेकिन जैकेट ने अपना काम कर दिया।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें संदिग्ध को सुरक्षा अवरोधक के पास भागते हुए और सीक्रेट सर्विस के एजेंट को उसकी ओर दौड़ते हुए देखा जा सकता है।

घटना के बाद वॉशिंगटन हिल्टन के बैंक्वेट हॉल में सीक्रेट सर्विस और अन्य एजेंसियों के अधिकारी बड़ी संख्या में पंहुचे, जहां सैकड़ों अतिथि स्प्रिंग पी और बुराटा सलाद का आनंद ले रहे थे। उन्हें अचानक टेबलों के नीचे छिपने को मजबूर होना पड़ा। जैसे ही लोगों को स्थिति का एहसास हुआ, बॉलरूम में दहशत फैल गई। सैकड़ों पत्रकार सूचनाएं साझा करने के लिए फोन पर जुट गए। किसी को चिल्लाते हुए सुना गया हट जाइए, सर! जबकि कुछ लोग निर्देश दे रहे थे कि झुक जाइए।' एक कोने से गॉड ब्लेस अमेरिका की आवाजें भी सुनाई दीं। इसी बीच ट्रंप को मंच से सुरक्षित बाहर ले जाया गया। इस दौरान वह क्षण भर के लिए, संभवतः ठोकर लगने से, लड़खड़ाए और सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उन्हें तुरंत संभाल लिया। एक कानून-प्रवर्तन अधिकारी ने गोलीबारी की पुष्टि की। हालांकि विस्तृत जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं हो सकी। सीक्रेट सर्विस की सुरक्षा में रहने वाले सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एक अधिकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि एक कानून-प्रवर्तन कर्मी को बुलेट-प्रूफ जैकेट पर गोली लगी, लेकिन उसके सुरक्षित रहने की उम्मीद है।

45 साल पहले उसी हिल्टन होटल में रोनाल्ड रीगन को मारी गई थी गोली, जहां आज ट्रंप पर हुआ हमला

नई दिल्ली

शनिवार रात वाशिंगटन डीसी के वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन का वार्षिक डिनर चल रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पत्रकारों को संबोधित करने वाले थे, लेकिन अचानक गोलीबारी की तेज आवाजें गूंजीं। इसने पूरे कार्यक्रम की चमक-दमक को चकनाचूर कर दिया।

मेहमान फर्श पर लेट गए और सुरक्षा कर्मियों ने राष्ट्रपति को तुरंत घेर लिया। यह वही वाशिंगटन हिल्टन होटल है जहां 45 साल पहले राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर हत्या का प्रयास हुआ था।

कुछ ही पलों में सीक्रेट सर्विस एजेंट्स हथियार निकालकर मंच पर पहुंच गए। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप को घेर लिया और उन्हें मंच से तेजी से हटाकर पीछे के पर्दे से बाहर निकाला। भीड़ सदमे में फर्श पर दुबकी रही।

ट्रंप ने बाद में बताया कि शुरू में उन्हें लगा था कि ट्रे गिर गई है, लेकिन जल्दी ही समझ आ गया कि गोली चल रही है। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद कर रहा था कि ट्रे है, लेकिन वैसा नहीं था। 30 मार्च 1981 को यानी 45 साल पहले वॉशिंगटन हिल्टन होटल के बाहर जॉन हिंकले जूनियर ने राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को गोली मारकर घायल कर दिया था। 22 कैलिबर की एक गोली उनकी लिमोजीन से टकराकर वापस आई, उनके सीने में लगी, जिससे उनकी एक पसली टूट गई और फेफड़े में छेद हो गया। जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में सर्जरी के बाद रीगन की जान बच गई।

पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जानलेवा हमला हुआ था और वह बच गए थे। फिर से उसी जगह गोलीबारी जैसी घटना ने सभी को चौंका दिया। कार्यक्रम में कई बड़े अधिकारी मौजूद थे, जिनमें स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर भी शामिल थे। उन्हें भी सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत बाहर निकाला। इसके अलावा सीएमएस प्रशासक मेहमत ओज ने बाहर निकलते समय पत्रकारों से कहा कि ऊपर गोली चली है। घटना के बाद पूरे हॉल को खाली कराया गया। सैकड़ों मेहमान होटल लॉबी और बाहर खुले क्षेत्र में पहुंचे। लोग एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए, कई फोन कर रहे थे और कुछ अपने परिवार व दफ्तरों को मैसेज भेज रहे थे।

रात करीब 8ः40 बजे ट्रंप का काफिला होटल से तेज रफ्तार में निकला और सीधे व्हाइट हाउस पहुंचा। वहां जल्दबाजी में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

बलूच महिलाओं को निशाना बना रही पाकिस्तानी सेना, जबरिया गायब होने की घटनाओं में आई तेजी

नई दिल्ली। बलूचिस्तान में जबरदस्ती गायब किए जाने की घटनाओं को लेकर मानवाधिकारों से जुड़ी गंभीर चिंताएं लगातार बनी हुई हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, परिवारों और मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि खुजदार और केच जिलों में अलग-अलग सुरक्षा अभियानों के दौरान दो और बलूच महिलाओं को कथित तौर पर उठा लिया गया है। इस ऑपरेशन के दौरान कथित तौर पर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई और ओरनाच के दोस्त मोहम्मद की बेटी, समीना नाम की एक महिला को हिरासत में ले लिया गया। उसके चचेरे भाई कंबर को भी हिरासत में लिया गया। बताया जा रहा है कि इन दोनों को किसी अज्ञात जगह पर ले जाया गया है और उनके कानूनी दर्जे या ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। बलूचिस्तान की मानवाधिकार परिषद ने इस घटना की पुष्टि की और महिलाओं से जुड़े मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। परिषद ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों को असल में जबरन गायब कर दिया गया है, क्योंकि उन्हें किसी भी अदालत के सामने पेश नहीं किया गया है।

एक अन्य मामले में 22 साल की गुल बानुक को कथित तौर पर 14 अप्रैल को केच जिले के सिंगाबाद इलाके में देर रात की गई एक छापेमारी के दौरान हिरासत में लिया गया था। बलूच यकजेहती कमेटी के अनुसार, वह अभी भी कहां है इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। बीवाईसी की नेता डॉ. सबीहा बलूच ने इन गिरफ्तारियों की आलोचना की और इस बात पर सवाल उठाया कि इनमें सही कानूनी प्रक्रिया और पारदर्शिता की कमी क्यों है। उन्होंने तर्क दिया कि महिलाओं को निशाना बनाना एक ऐसी रणनीति लगती है जिसका मकसद परिवारों पर दबाव डालना और विरोध की आवाज को दबाना है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि गिरफ्तार किए गए लोगों को अक्सर किसी से मिलने-जुलने नहीं दिया जाता और बाद में उन्हें संदिग्ध परिस्थितियों में पेश किया जाता है, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने भी बताया है। ये घटनाएं इसी तरह की कई अन्य घटनाओं के बाद सामने आई हैं। पहले के मामलों में क्वेटा की नर्सिंग छात्रा खदीजा बलूच की कथित हिरासत और कराची से कथित तौर पर उठाई गई हसीना बलूच का मामला शामिल है। मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि अकेले अप्रैल महीने में ही कम से कम पांच बलूच महिलाएं लापता हो गई हैं, जबकि हाल के महीनों में लगभग 15 महिलाओं के लापता होने की रिपोर्ट है। यह जानकारी द बलूचिस्तान पोस्ट ने दी है।

युवाओं को नशीले पदार्थों के प्रति आगाह करने के लिए हैदराबाद में हुई ओरल कैंसर मैराथन

हैदराबाद, (वार्ता)

युवाओं को गुटखा, पान मसाला, खैनी और नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले जानलेवा रोगों के प्रति आगाह करने के लिए रविवार को यहां ओरल कैंसर मैराथन का आयोजन हुआ। तेलंगाना के सूचना एवं प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने रायदुर्गम के सत्व नॉलेज पार्क में %ग्लोबल ओरल कैंसर ट्रस्ट% द्वारा आयोजित %ओरल कैंसर मैराथन% की 10 किलोमीटर की दौड़ को हरी झंडी दिखाई और एक स्वस्थ समाज बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को योग और नियमित व्यायाम जैसी सकारात्मक आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्रीधर बाबू ने कहा कि कहा कि गुटखा, पान मसाला, खैनी और नशीले पदार्थों का सेवन जानलेवा हो सकता है। श्रीधर बाबू ने युवाओं से ऐसी आदतों से दूर रहने और एक स्वस्थ भविष्य बनाने पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने हानिकारक नशों से जुड़ी मौतों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए, श्रीधर बाबू ने बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि तंबाकू के सेवन से कैंसर का खतरा काफी बढ़ जाता है और जनता से ऐसे पदार्थों से दूर रहने की अपील की। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त रमेश ने पांच किमी की दौड़ को हरी झंडी दिखाई, जबकि पिछड़ा वर्ग (बीसी) आयोग के पूर्व अध्यक्ष वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने दो किमी की दौड़ का शुभारंभ किया। ग्लोबल ओरल कैंसर ट्रस्ट के अध्यक्ष के. दिलीप कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मुंह के कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाना है और उन्होंने बताया कि शुरुआती पहचान से इसका प्रभावी इलाज संभव है। इस कार्यक्रम में तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के डॉक्टरों, आईटी पेशेवरों और प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हरिद्वार में सार्वजनिक स्थान पर विवाद को लेकर पांच महिलाएं गिरफ्तार

हरिद्वार, (वार्ता)। उत्तराखंड में हरिद्वार के कोतवाली नगर क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर लोगों को आकर्षित करने को लेकर दो पक्षों की महिलाओं के बीच हुए विवाद के बाद पुलिस ने रविवार को पांच महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत की गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली नगर पुलिस की टीम शिवमूर्ति चौक-रेलवे गेट क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस ने देखा कि दो पक्षों की महिलाएं आपस में गाली-गलौच और मारपीट कर रही थीं। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया।

चारधाम यात्रा में पौड़ी पुलिस के सुरक्षा के कड़े इंतजाम

पौड़ी, (वार्ता)

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पोड़ी पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ कर दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस द्वारा यात्रा मार्गों, प्रमुख पड़ाव स्थलों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे यात्रा सुगम और सुरक्षित बनी रहे। पुलिस प्रशासन ने रविवार को विशेष रूप से श्रीनगर के गोवा बीच एवं देवप्रयाग संगम जैसे नदी तटीय क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जलस्तर में उतार-चढ़ाव, तेज धारा और फिसलन के कारण इन स्थानों पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में खतरनाक स्थानों पर बैरिकेडिंग कर चेतावनी संकेत लगाए गए हैं। इन क्षेत्रों में पुलिस बल द्वारा लगातार गश्त की जा रही है और श्रद्धालुओं को प्रतिबंधित स्थानों पर जाने से रोका जा रहा है। साथ ही उन्हें केवल सुरक्षित एवं निर्धारित स्थानों पर ही स्नान करने की सलाह दी जा रही है।

यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जल पुलिस एवं आपदा राहत टीमों को भी तैनात किया गया है। आधुनिक उपकरणों से लैस ये टीमें हर समय मुस्तैद हैं और त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए तैयार रखी गई हैं।

अनुशासन व टीमवर्क का उत्कृष्ट भाव सबसे बड़ी ताकतः योगी

लखनऊ, (वार्ता)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरक्षी प्रशिक्षण के दौरान बेटियों ने जिस मजबूती, तत्परता, समर्पण व अनुशासन का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। अनुशासन व टीमवर्क का उत्कृष्ट भाव सबसे बड़ी ताकत है। इन सबको समाहित करते हुए देश के लिए सर्वोत्कृष्ट योगदान देने की भावना वर्दीधारी बल का सबसे महत्वपूर्ण अंग होती है। प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद के जीवन में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आती है।

योगी रविवार को 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अंतर्गत वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। रिजर्व पुलिस लाइन में हुए आयोजन में मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी भी ली। उन्होने प्रशिक्षण पूर्ण कर दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनने वाली महिला आरक्षियों को बधाई दी और कहा कि सभी ने लगन व अनुशासन के साथ कठोर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अब आप सबको जनपदों की फील्ड ड्यूटी में जाना है। याद रखिए, कानून अपराधी के लिए जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी आरक्षी प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान, कौशल व मूल्यों का उपयोग करते हुए निष्ठा, ईमानदारी व कर्तव्य

परायणता से यूपी पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। उन्होने कहा, आज प्रदेश के 10 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, 73 जनपदों की पुलिस लाइंस, 29 पीएसी बटालियनों, 112 रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटरों में एक साथ आरक्षी दीक्षांत परेड आयोजित की जा रही है। 15 जून 2025 को लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 60,244 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। 21 जुलाई से इनका प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। इस दौरान मैं भी विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में गया और देखा कि प्रशिक्षण व सुविधाएं पहले से बेहतर हुई हैं।

योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी पुलिस के सामने चुनौती व संकट था, लेकिन हमने इसे देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित किया। हमने 2.18 लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती और 1 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों का प्रमोशन किया। 2017 में पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता महज 3 हजार थी, लेकिन हमने 60244 पुलिस आरक्षियों का प्रशिक्षण यूपी के केंद्रों में ही एक साथ संपन्न किया है, जो 9 वर्ष में अर्जित की गई प्रगति को दर्शाता है।

उन्होने कहा कि 2017 के पहले पुलिस के बैरक टूटे-फूटे, खपड़ैल व टीनशेड के होते थे, लेकिन अब 55 जनपदों में पुलिस कार्मिकों के बैरक व आवासीय सुविधा के हाईराइज भवन दिखाई देते हैं। प्रशिक्षण केंद्र उत्कृष्ट हो रहे हैं। हर प्रशिक्षु को आधारभूत प्रशिक्षण देने के साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया गया। यूपी पुलिस ट्रेनिंग पोर्टल भी लांच किया गया। शारीरिक प्रशिक्षण को वैज्ञानिक व आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट पीटी प्रोग्राम लागू किया गया। आउटडोर प्रशिक्षण में पुरानी 303 नॉट राइफल के स्थान पर आधुनिक इंसास व एसएलआर राइफल द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

योगी ने इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मिशन कर्मयोगी के तहत कर्मयोगी पोर्टल पर 5 विशेष मॉडयूल तैयार किए गए। 32 विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। हाल में संचालित साधना सप्ताह में शासकीय कर्मचारियों ने 1.25 करोड़ कोर्स पूर्ण कर यूपी को देश में पहला स्थान दिलवाया है। यूपी पुलिस ने इसमें 28 लाख कोर्स पूरे किए। यूपी पुलिस देश भर के सभी राज्यों-विभागों में चौथे स्थान पर रही है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

हस्तिनापुर के वीर में शकुनी के किरदार में नजर आयेंगे चंदन आनंद

अभिनेता चंदन आनंद सोनी सब के आगामी शो हस्तिनापुर के वीर में शकुनी के किरदार में नजर आयेंगे। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने

जाने वाले चंदन, पौराणिक कथाओं के सबसे जटिल और अप्रत्याशित किरदारों में से एक शकुनी भूमिका निभा रहे हैं। चंदन आनंद ने कहा, जब मैंने शकुनी के सीन पढ़े, तो सबसे अलग बात यह थी कि उसकी ताक़त उसके कहे हुए में नहीं, बल्कि उसके न कहे हुए में है। उसकी शक्ति शांत है। वह आवाज़ उठाने के बजाय अवलोकन और सही समय पर भरोसा करता है। इस रोल को रोमांचक बनाता है यह कि वह बच्चों के बीच एक मज़ेदार, लाड़-प्यार करने वाले बड़े की तरह दिखता है, जो उन्हें अलग सोचने के लिए प्रेरित करता है। लेकिन उसके पीछे हमेशा एक गहरा इरादा छिपा होता है। इन परतों को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण भी रहा और दिलचस्प भी, और यही शकुनी को निभाने को इतना आकर्षक बनाता है। 'हस्तिनापुर के वीर' सोनी सब पर जल्द ही प्रसारित होगा।

फिल्म निर्माण की विशिष्ट शैली बनायी थी फिरोज खान ने

हिन्दी फिल्मों के निर्माता-निर्देशक और अभिनेता फिरोज खान को ऐसी शख्सियत के रूप में याद किया जाता है,जिन्होंने फिल्म निर्माण की अपनी विशेष शैली बनायी थी। फिरोज खान की निर्मित फिल्मों पर नजर डालें तो उनकी फिल्में बड़े बजट की हुआ करती थीं, जिनमें बडे. बडे सितारे आकर्षक और भव्य सेट,खूबसूरत लोकशन,दिल को छू लेने वाला गीत-संगीत और उम्दा तकनीक देखने को मिलती थी। अभिनेता के रूप में भी फिरोज खान ने बालीवुड के नायक की परम्परागत छवि के विपरीत अपनी एक विशेष शैली गढ़ी, जो आकर्षक और तडक.भडक वाली छवि थी। उनकी अकडकर चलने की अदा और काउब्वाय वाली इमेज दर्शकों के मन में आज भी बसी हुई है। वह पूर्व के ..क्लाइंट ईस्टवुड.. कहे जाते थे और फिल्म उद्योग के ..स्टाइल आइकान.. माने जाते थे। 25 सितम्बर 1939 को बेंगलूर में जन्मे फिरोज खान ने बेंगलूर के बिशप काटन ब्वायज स्कूल और सेंट जर्मन ब्वायज हाई स्कूल से पढाई की और अपनी किस्मत आजमाने के लिए मुम्बई आ गए।वर्ष 1960 में फिल्म.. दीदी.. में उन्हें पहली बार अभिनय करने का मौका मिला। इस फिल्म में वह सहनायक थे।इसके बाद अगले पांच साल तक अधिकतर फिल्मों में उन्हें सहनायक की भूमिकाएं ही मिलीं।जल्दी ही उनकी किस्मत का सितारा चमका और उन्हें 1965 में फणी मजूमदार की फिल्म .. ऊंचे लोग.. में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में फिरोज खान के सामने अशोक कुमार और राजकुमार जैसे बड़े कलाकार थे, लेकिन अपने भावप्रवण अभिनय से वह दर्शकों में अपनी पहचान बनाने में सफल रहे। उसी साल फिरोज खान की एक और फिल्म.. आरजू.. प्रदर्शित हुई,जिसमें राजेन्द्र कुमार नायक और साधना नायिका थीं। इस फिल्म में उन्होंने अपने प्रेम की कुर्बानी देने वाले युवक का किरदार निभाया। 1969 में उनकी फिल्म.. आदमी और इंसान..रिलीज हुई।इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहनायक का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। फिरोज खान अपने भाई संजय खान के साथ भी कुछ फिल्मों में दिखाई दिए,जिनमें उपासना,मेला,नागिन जैसी हिट फ़िल्में शामिल है। वर्ष 1972 में प्रदर्शित फिल्म ..अपराध.. से फिरोज खान ने निर्माता. निर्देशक के रूप में अपनी पारी की सफल शुरआत की। इसके बाद फिरोज खान ने धर्मात्मा, कुर्बानी,जांबाज,दयावान,यलगार,प्रेम अगन ,जानशीं जैसी कुछ फिल्मों का निर्माण किया। फिल्म निर्माण और निर्देशन के क्रम में फिरोज खान ने हिन्दी फिल्मों में कुछ नयी बातों का आगाज किया। अपराध भारत की पहली फिल्म थी,जिसमें जर्मनी में कार रेस दिखाई गई थी। धर्मात्मा की शूटिंग के लिए वह अफगानिस्तान के खूबसरत लोकशनों पर गए। इससे पहले भारत की किसी भी फिल्म का वहां फिल्मांकन नहीं किया गया था। अपने करियर की सबसे हिट फिल्म कुर्बानी से फ़िरोज खान ने पाकिस्तान की पॉप गायिका नाजिया हसन के संगीत करियर की शुरुआत करायी।

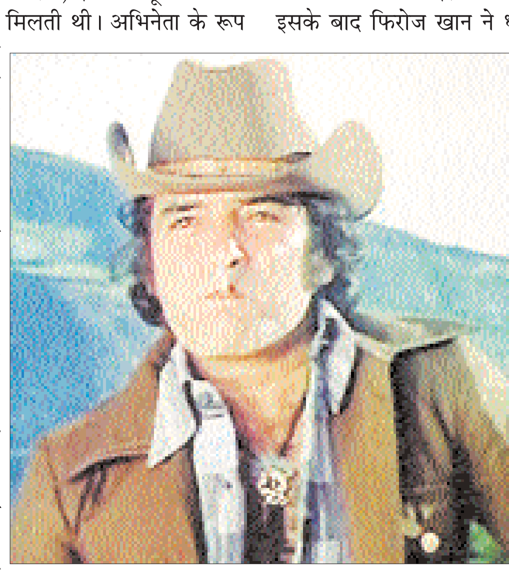

फिरोज खान उन चंद अभिनेताओं में एक थे,जो अपनी ही शर्त पर फिल्म में काम करना पसंद करते थे। इस वजह से उन्होंने कई अच्छी फिल्मों के प्रस्ताव ठुकरा दिए थे। राजकपूर की फिल्म. संगम. में राजेन्द्र कुमार और . आदमी. फिल्म में मनोज कुमार वाली भूमिका के लिये उन्होंने मना कर दिया था। वर्ष 2003 में फिरोज खान ने अपने पुत्र फरदीन खान को लांच करने के लिये जानशीन का निर्माण किया।बालीवुड में लेडी किलर के नाम से मशहूर फिरोज खान ने चार दशक लंबे सिने करियर में लगभग 60 फिल्मों में अभिनय किया। अपने विशिष्ट अंदाज से दर्शको के बीच खास पहचान वाले फिरोज खान 27 अप्रैल 2009 को इस दुनिया को अलविदा कह गये।

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला ने भारतीय बाजार

में 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की सुपरहिट जोड़ी 14 साल बाद भूत बंगला के साथ एक बार फिर वापस लौटी है। फिल्म ने 16 अप्रैल को पेड प्रिव्यूज के साथ थिएटर्स में दस्तक दी थी। फिल्म ने पेड प्रिव्यूज से 3.75 करोड़ की कमाई की। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार भूत बंगला में पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में 84.40 करोड़ की कमाई की। फिल्म ने आठवें दिन 5.75 करोड़ और नवें दिन 10.75 करोड़ का कारोबार किया है। इस तरह भूत बंगला ने भारतीय बाजार में 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की एक डिवीजन, बालाजी मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत भूत बंगला में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, जीशु सेनगुप्ता और मिथिला पालकर की अहम भूमिका है। यह फिल्म प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित और अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई

विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार जेल में निरूद्ध बंदियों हेतु केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त विशेष जेल लोक अदालत का शुभारंभ न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधिपति म.प्र.उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। उक्त शुभारंभ कार्यक्रम में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ग्वालियर के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री आनंद पाठक एवं अन्य न्यायमूर्तिगणों की विशेष उपस्थिति रही। प्रदेश स्तर पर वर्चुअल माध्यम से आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम के पश्चात् स्थानीय स्तर पर केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अखिलेश शुक्ला द्वारा मुख्य न्यायिक मजिस्टेट श्री राकेश सनोडिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश मीणा,जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश कुमार सक्सेना श्री ईश्वर दयाल पटेल ट्रेनी न्यायाधीश एवं जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर श्री अजमेर सिंह ठाकुर की उपस्थिति में द्वीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। उक्त विशेष जेल लोक अदालत हेतु श्री दिव्यांश लोवंशी जेएमएफसी नरसिंहपुर एवं श्री प्रकाश नेमा सामुदायिक मध्यस्थ/अधिवक्ता की गठित खंडपीठ द्वारा जिले से रैफर्ड कुल 12 रैफर्ड प्रकरणों में से 2 प्रकरणों का पक्षकारों के राजीनामा के आधार पर निराकरण किया गया। विशेष जेल लोक अदालत में उपजेल अधीक्षक श्री नरेन्द्र व्यास, सहायक जेल अधीक्षक श्री एडवर्ड स्वामी श्री आशीष खरे एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की बैठक ली

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जिला मुख्यालय में आगामी 30 अप्रैल को नरसिंह प्रकटोत्सव कार्यक्रम सहित अन्य प्रस्तावित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए, उनका आगमन प्रस्तावित है। जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने रविवार को नरसिंह मंदिर प्रांगण में तैयारियों के संबंध में बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हैलीपेड स्थल, सुरक्षा, पार्किंग, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, यातायात व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में मंचीय व्यवस्था, नागरिकों के लिए आवागमन एवं बैठक व्यवस्था, शोभायात्रा व कलश यात्रा की व्यवस्था, मिष्ठान का वितरण, महाआरती एवं पूजन व्यवस्था, मंदिर की सजावट, पुष्प-गुच्छ की व्यवस्था, साफ-सफाई, जल संरक्षण एवं तालाब का सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, श्री रामसनेही पाठक, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्री सुनील कोठारी, श्री अभितेन्द्र नारोलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि व नागरिक मौजूद थे।

जिले में गेहूं खरीदी व्यवस्था सुदृढ़

अब सप्ताह में 6 दिन सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगी खरीदी

कलेक्टर ने गेहूं खरीदी के संबंध में दिए आवश्यक निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देश दिए कि राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीदी के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं पुख्ता रखी जाएं। जिले में गेहूं उपार्जन कार्य को अधिक व्यवस्थित एवं तेज़ बनाने के लिए नई व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। अब सभी खरीदी केंद्रों पर सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक निरंतर गेहूं खरीदी की जाएगी। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य शासन के नए निर्देशों का जिले में कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। खरीदी से संबंधित किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर श्री देवेन्द्र कुमार खोबरिया ने बताया कि जिले में बनाए गए प्रत्येक खरीदी केंद्र पर तोल- कांटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 6 कर दी गई है। सभी केंद्रों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल 6-6 तोल- कांटों की व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे प्रतिदिन दो हजार से 2250 क्विंटल तक गेहूं की तुलाई की जा सके। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्रों पर ग्रेडर मशीन, छन्ने एवं पंखों की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य की गई है, ताकि केवल एफ.ए.क्यू. गुणवत्ता का गेहूं ही खरीदा जाए। यदि गेहूं में कुसी, डंठल या मिट्टी निर्धारित सीमा से अधिक पाई जाती है, तो उसे ग्रेडर मशीन से साफ कर ही खरीदी की जाएगी। खरीदे गए गेहूं का प्रतिदिन निर्धारित मात्रा के अनुसार गोदाम में भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मानव संसाधन के तहत प्रत्येक केंद्र पर 6 तोल कांटों के अनुसार प्रत्येक कांटे पर कम से कम 6-6 हम्माल तुलाई के लिए तैनात किए जाएंगे, इस तरह कुल 36 हम्माल तुलाई कार्य के लिए एवं 20 अतिरिक्त हम्माल स्टैकिंग कार्य के लिए रखे जाएंगे। इस प्रकार प्रत्येक केंद्र पर 50 से 60 हम्मालों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

सर्वेयर द्वारा सिवसेट के माध्यम से एफ.एम. जैसे कुसी, मिट्टी आदि की त्वरित जांच की जाएगी और केवल एफ.ए.क्यू. गुणवत्ता पाए जाने पर ही खरीदी की जाएगी। अन्यथा संबंधित गेहूं की साफ-सफाई के लिए कहा जाएगा। साथ ही खरीदी रजिस्टर एवं सैंपल रजिस्टर का नियमित संधारण अनिवार्य किया गया है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खरीदी केंद्रों पर छाया, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

खरीदी केन्द्रों में उपार्जन संबंधी संसाधनों की कमियां एवं उपार्जन कार्य में लापरवाही पाए जाने पर नोटिस जारी

जिले में 24 अप्रैल तक 15 हजार से अधिक ने किया स्लॉट बुक

3 हजार से अधिक किसानों से एक लाख 58 हजार से अधिक क्विंटल की हुई गेहूं खरीदी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और जिला उपार्जन समिति के सदस्यों के द्वारा रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर संचालित गेहूं खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान कुछ खरीदी केन्द्रों में उपार्जन से संबंधित संसाधनों की कमियां एवं उपार्जन कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने खरीदी केन्द्रों को सख्त हिदायत दी और खरीदी केन्द्रों से स्पष्टीकरण के संबंध में नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर के निर्देशों के अनुक्रम में गेहूं खरीदी केन्द्र संस्था सेवा सहकारी समिति सिंहपुर, उसरी, मुंगवानी, धमना, नरसिंहपुर, बचई करहैया, कोदसा के समिति प्रशासक, समिति प्रबंधक, खरीदी प्रभारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर और सरस्वती स्वसहायता समूह बकौरी के अध्यक्ष/ सचिव, खरीदी प्रभारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर को नोटिस जारी कर 3 दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही गेहूं की गुणवत्ता परीक्षण के लिए खरीदी केन्द्रों में अधिकृत आर.बी. ऐसोसिएट्स कम्पनी के सुपरवाईजर को भी नोटिस जारी कर सभी खरीदी केन्द्रों में गुणवत्ता परीक्षण संबंधित प्रापर किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिला उपार्जन समिति, उपखंड स्तरीय समिति एवं खाद्य, कृषि, राजस्व, सहकारिता के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि खरीदी केन्द्रों का नियमित भ्रमण एवं जांच की जाए। खरीदी केन्द्रों में उपर्जान संबंधी अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि 24 अप्रैल 2026 तक जिले में 15 हजार 360 किसानों के स्लॉट बुक किए जा चुके हैं, जिसके विरूद्ध 3 हजार 707 किसानों से एक लाख 58 हजार 678 क्विंटल गेहूं खरीदी की जा चुकी है। किसानों से त्वरित गेहूं खरीदी को दृष्टिगत रखते हुए शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक खरीदी केन्द्रों में 6-6 तौल-कांटे मैप किए जा रहे हैं, जिससे प्रतिदिन की स्लॉट क्षमता अधिकतम 2250 क्विंटल तक खरीदी हो सके। उपायुक्त सहकारिता, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित नरसिंहपुर और सहकारी समिति एवं जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम को महिला स्वसहायता समूह के केन्द्रों के संबंध में निर्देश दिए गए है कि प्रत्येक खरीदी केन्द्रों में 6-6 तौल-कांटे की व्यवस्था कराना सुनिश्चित कराएं।

किसानों की समस्याओं के संबंध में किसान संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा कर उपार्जन के संबंध में उनकी समस्याओं का निराकरण किया गया। किसान संगठन एवं किसानों से अनुरोध किया गया है कि अपनी गेहूं की उपज घर से ही ग्रेडर/ छन्ने से साफ- सफाई कर स्लॉट बुकिंग अनुसार निर्धारित दिवसों में खरीदी केन्द्र लेकर पहुंचे, जिससे खरीदी केन्द्रा द्वारा गेहूं गुणवत्ता का परीक्षण कर एफएक्यू गुणवत्ता के मापदंड अनुसार गेहूं की खरीदी त्वरित की जा सके। गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्रों के गोदाम संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे खरीदी केन्द्र गोदाम परिसर से उपार्जन से संबंधित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराएं, जिससे खरीदी संस्था एवं किसानों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो। जिला प्रबंधक एमपी सीएससीएस जिला नरसिंहपुर को निर्देशित किया गया है कि वे सभी खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त बारदाने उपलब्ध कराएं, जिससे परिवहन/ भंडारण कराकर किसानों के भुगतान की कार्यवाही करें।

राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा सम्पन्न हुई

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मप्र लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन रविवार 26 अप्रैल 2026 को दो सत्रों में सम्पन्न हुई। पहला सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2:15 बजे से सायं 4:15 बजे तक सम्पन्न हुआ। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले में राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा के लिए शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला कॉलेज नरसिंहपुर, शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट उच्च. माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों के लिए वाहन पार्किंग स्थल, बैरीकेट्स, सुरक्षा व्यवस्था, बायोमेट्रिक, साफ-सफाई, फ्रिस्किंग, बीओआईपी व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, विद्युत एवं जनरेटर की व्यवस्था, पंखे, टायलेट की व्यवस्था, पुलिस कंट्रोल रूम, चिकित्सा सुविधा इत्यादि व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी श्रीमती देवंती परते, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानू चौधरी, एसडीएम श्री मणिन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा केन्द्रों में सीसीटीव्ही सर्विलांस, बायोमेट्रिक फिक्सिंग एवं बीओआईपी की व्यवस्था लागू की गई थी। परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की त्रि-स्तरीय जांच की गई। परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश द्वार पर अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी अनिवार्य रूप से चस्पा की गई थी।

प्रथम चरण में 1824 परीक्षार्थियों में से 1414 परीक्षार्थी उपस्थित रहे-रविवार को सम्पन्न हुई राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में बनाए गए 4 परीक्षा केन्द्रों में प्रथम चरण में 1824 परीक्षार्थियों में से 1414 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 410 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्र शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान कन्या महाविद्यालय नरसिंहपुर में 450 परीक्षार्थियों में से 345 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 105 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर में 500 परीक्षार्थियों में से 389 परीक्षार्थी उपस्थित व 111 परीक्षार्थी अनुपस्थित, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 500 परीक्षार्थियों में से 373 परीक्षार्थी उपस्थित व 127 परीक्षार्थी अनुपस्थित और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में 374 परीक्षार्थियों में से 307 परीक्षार्थी उपस्थित व 67 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

द्वितीय चरण में 1824 परीक्षार्थियों में से 1401 परीक्षार्थी उपस्थित रहे-रविवार को सम्पन्न हुई राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में बनाए गए 4 परीक्षा केन्द्रों में द्वितीय चरण में 1824 परीक्षार्थियों में से 1401 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 423 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केन्द्र शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान कन्या महाविद्यालय नरसिंहपुर में 450 परीक्षार्थियों में से 346 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 104 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला नरसिंहपुर में 500 परीक्षार्थियों में से 383 परीक्षार्थी उपस्थित व 117 परीक्षार्थी अनुपस्थित, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 500 परीक्षार्थियों में से 367 परीक्षार्थी उपस्थित व 133 परीक्षार्थी अनुपस्थित और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में 374 परीक्षार्थियों में से 305 परीक्षार्थी उपस्थित व 69 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

ग्राम पाठा पिपरिया सेक्टर मुंगवानी में रोका गया बाल विवाह

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास नरसिंहपुर ने बताया कि जिले के नरसिंहपुर तहसील के ग्राम पाठा पिपरिया सेक्टर मुंगवानी में बाल विवाह होने की सूचना महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय नरसिंहपुर को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होते ही मौके पर जांच के लिए महिला एवं बाल विकास अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, पुलिस एवं राजस्व विभाग के हल्का पटवारी एवं ग्राम कोटवारी मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंची उक्त टीम ने वैध दस्तावेजों का परीक्षण किया। इस दौरान कु. राखी गौड़ पिता स्व. मंगल सिंह गौड़ ने अपना आधार कार्ड प्रस्तुत किया, जिसमें बालिका का जन्म 2 जुलाई 2012 है, जो 18 वर्ष आयु पूर्ण होने में 4 साल 3 महीने शेष हैं, जिसका विवाह 29 अप्रैल 2026 को तय की गई थी। मौके पर उपस्थित होकर दोनों पक्षों से बात कर विवाह रोका गया। बालिका राखी गौड़ एवं उनके परिजनों को समझाइश दी गई। उन्हें अवगत कराया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत दो वर्ष का कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना के संबंध में बताया गया। समझाइश देने के पश्चात परिजनों के द्वारा सहमति दी गई कि अब वे 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही शादी करेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम कपूरी में बोरी बंधान का निर्माण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कपूरी के ग्राम कपूरी खेड़ा के नाले में जनसहयोग के माध्यम से करीब 100 बोरियों का बंधान बनाकर जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया गया। यह बोरी बंधान मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के द्वारा सुरक्षित जल, समृद्ध कल की थीम पर जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह बोरी बंधान का कार्य नवांकुर संस्था ग्राम विकास समिति कपूरी एवं ग्राम पंचायत कपूरी के संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। बोरी बंधान का मुख्य उद्देश्य बहते हुए जल को रोककर उसका संचय करना है, जिससे न केवल जल संरक्षण सुनिश्चित होता है, बल्कि भू-जल स्तर में वृद्धि के साथ-साथ पशु-पक्षियों को भी इसका लाभ मिलता है। यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण और व्यवहारिक कदम है। इस अवसर पर विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती माधवी पाठक, ग्राम पंचायत कपूरी के सरपंच श्री मिथलेश जाट, नवांकुर संस्था के समन्वयक विजय कुमार चौधरी, टीकाराम रजक, हरिशंकर मेहरा, राजेश, आदर्श जाट, पूरन रजक, तेजराम सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिले में विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर क्षीर धारा योजनांतर्गत आयोजित हुए कार्यक्रम

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। विश्व पशु चिकित्सा दिवस 2026 के अवसर पर शनिवार को जिले के समस्त पशु चिकित्सालयों, गौशालाओं और विशेष रूप से %क्षीर धारा% योजना के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष यह दिवस पशु चिकित्सक भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षक की थीम पर मनाया जा रहा है, जो मानव स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा में पशु चिकित्सकों की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित करता है। कार्यक्रम में उपसंचालक डॉ. सुनील बृजपुरिया ने तकनीकी प्रगति पर जोर देते हुए कहा कि विभाग अब पूरी तरह डिजिटल पारदर्शिता की ओर बढ़ चुका है। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल 2026 से लागू हुई ओटीपी आधारित कृत्रिम गर्भाधान और टीकाकरण की नई व्यवस्था मील का पत्थर साबित हो रही है। एबीपीओ डॉ. एम.पी. तिवारी ने संगोष्ठी में ग्रीष्मकालीन बीमारियों के प्रबंधन और शासकीय योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने मैदानी अमले से कहा कि पशुपालकों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें जागरूक करें। पशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी बी.एल. प्रधान और हरिहर बुनकर ने फील्ड की चुनौतियों और सफलताओं के अनुभव साझा किए अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर सेवा देने वाले कर्मचारियों की की सराहना की।

आदि शंकराचार्य प्राकट्योत्सव पर व्याख्यान कार्यक्रम

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। आदि शंकराचार्य जी के प्राकट्योत्सव (प्राकट्य पंचमी) के अवसर पर जिला स्तरीय व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय डाइट सभागार परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले से आए विद्वानों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन मौजूद थे। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बापू आश्रम नरसिंहपुर के स्वामी अमृतानंद जी महाराज, कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री शिवकुमार रैकवार, मुख्य वक्ता सम्पूर्णानंद संस्कृत विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक आचार्य पं. बलीराम शास्त्री, विशेष अतिथि शारदा आश्रम के स्वामी निरंजन गंगाधर पालिमंकर जी महाराज और जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर श्री जयनारायण शर्मा मौजूद थे।

एनसीएल में 'बेसिक फर्स्ट-एड ट्रेनिंग 2.0' का आगाज़

सिंगरौली।

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने प्रथम चरण में गृहिणियों को बेसिक फर्स्ट-एड प्रशिक्षण देने के बाद 'बेसिक फर्स्ट-एड ट्रेनिंग 2.0' का शुभारंभ किया है। इस चरण के अंतर्गत गृहिणियों के अलावा एनसीएल पोषित स्कूलों के बच्चों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा । 'बेसिक फर्स्ट-एड ट्रेनिंग 2.0' के फेज -1 की शुरुआत में एनसीएल के 10 स्कूलों के 3200 बच्चोंको चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पहल के प्रथम चरण में डीएवी (अमलोरी, निगाही, दुधीचुआ, खड़िया, बीना, ककरी, झिंगुरदा), डीपीएस निगाही तथा केंद्रीय विद्यालय (सीडब्ल्यूएस जयंत एवं सिंगरौली) को शामिल किया गया है। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक कौशल प्रदन करना है। इसी क्रम में पहला कार्यक्रम खड़िया परियोजना के डीएवी विद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें दो बैचों में 155 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को विशेष रूप से आपात स्थितियों से निपटने के व्यावहारिक तरीकों पर केंद्रित किया गया है, जिसमें सीपीआर, ट्रॉमा प्रबंधन और प्राथमिक चिकित्सा शामिल हैं। एनसीएल का यह अभियान न केवल सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि एक जिम्मेदार और सजग समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। गौरतलब है कि एनसीएल ने 'बेसिक फर्स्ट-एड ट्रेनिंग 1.0' में 5900 से अधिक गृहिणियों को बेसिक फर्स्ट-एड प्रशिक्षण प्रदान किया था।

महाविद्यालय में साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में 24 अप्रैल को उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा (10 से 25 अप्रैल के अंतर्गत एवं मानसिक स्वास्थ्य एवं छात्र कल्याण और नारी शक्ति वंदन के संयुक्त तत्वाधान में साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. विमला मिंज के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध ऑनलाइन अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनके विधिक एवं साक्ष्यगत विश्लेषण पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने अपने उद्बोधन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम तथा महिला आरक्षण अधिनियम 2023 का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कानून महिलाओं को राजनीति, नीति-निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। उन्होंने कहा, नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करने और नीति निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि इस कानून के माध्यम से महिलाओं को नए अवसर प्राप्त होंगे और वे समाज के हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का पूर्ण प्रदर्शन कर सकेंगी। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी की स्वास्थ्य एवं छात्र कल्याण काउन्सलर डॉ. ऋतिका साहनी आहूजा, विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, कटनी आर्ट्स एंड कामर्स कॉलेज ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने साइबर स्टॉकिंग, साइबर उत्पीड़न, बाल यौन शोषण सामग्री, पहचान की चोरी, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग जैसे विभिन्न साइबर अपराधों की जानकारी दी।

साथ ही महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध ऑनलाइन अपराधों से निपटने के लिए भारत में लागू विभिन्न कानूनों जैसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000, भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराएं तथा अन्य सुरक्षा प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्राओं को ऑनलाइन सुरक्षा के उपाय, संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्टिंग और डिजिटल सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया एवं डॉ. रीना मिश्रा ने महाविद्यालय में आये हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख सदस्यों में डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, डॉ. अमिताभ पांडेय, डॉ. आरके गुप्ता, केजे सिन्हा, बंदना मिश्रा, डॉ. वीणा सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. रोशनी पांडेय, शिल्पी सिंह, पंकज सेन, भीम बर्मन, प्रेमलाल कॉवरे, प्रियंका सोनी, स्मृति दहायत, रिचा पांडेय, मीनाक्षी वर्मा, डॉ. सोनिया कश्यप, डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव, डॉ. अंजनेय तिवारी, नम्रता निगम, डॉ. पी.सी. कोरी, डॉ. अनिल द्विवेदी, डॉ. अशुतोष द्विवेदी, डॉ. रंजना वर्मा, डॉ. मैत्रेयी शुक्ला, डॉ. रीना मिश्रा, डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ. मदन सिंह मरावी, श्वेता कोरी, पूनम गर्ग, पूजा सिंह राजपूत, डॉ. रत्नेश कुशवाहा, सुषमा वर्मा आदि शामिल रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ नारी सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक संदेश दिया गया।

फोटो : विकास गुप्ता

कटनी में खदान में 5 साल से अवैध खनन

पोकलेन जब्त कर ढोल पीटने लगी खनिज टीम

कटनी (स्वतंत्रमत)।

अवैध उत्खनन में लगे माफिया के सामने जिम्मेदार अधिकारी असहाय साबित हो रहे हैं। ग्राम खिरवा के जमुआनी कला में भी स्टोन के अवैध उत्खनन हो रहा है। जिस खदान में खनन हो रहा था, वह नियम के अनुसार पिछले 5 वर्षों से कागजों में बंद है। लेकिन यहां धड़ल्ले से खनन हो रहा है। शिकायत मिलने पर खनिज विभाग की टीम यहां पहुंची लेकिन खनन माफिया को पहले ही खबर मिल गई थी।

एक मशीन जब्त कर फूले नहीं समा रहे खनिज अधिकारी

माइनिंग अधिकारी रत्नेश दीक्षित के अनुसार इंस्पेक्टर पवन कुशवाहा के नेतृत्व में टीम ने मौके पर दबिश दी, जहां अवैध खनन के पुख्ता सबूत मिले। टीम को देखते ही पोकलेन मशीन का ऑपरेटर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। बाद में दूसरी खदान से ऑपरेटर बुलाकर मशीन को सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बंद पड़ी खदान में लंबे समय से संगठित तरीके से अवैध उत्खनन किया जा रहा था। खनिज विभाग की टीम आगे की कार्रवाई कर रही है।

लंबे समय हो रहा खदान में अवैध खनन

खनिज विभाग के अधिकारी का कहना है कि सूचना मिलते ही टीम भेजी गई और मौके से एक पोकलेन मशीन जब्त की गई है। जांच जारी है। वहीं, हास्यास्पद ये है कि माइनिंग अधि कारी रत्नेश दीक्षित को यही पता नहीं कि जिस गांव में अवैध खनन हो रहा था, उस गांव का नाम क्या है। ग्राम सचिव संतोष पटेल ने खनन की जानकारी से अनभिज्ञता जताई है। ऐसे में कई प्रकार के सवाल खनिज विभाग पर खड़े हो रहे हैं। क्या लंबे समय से चल रहे इस अवैध खनन की जानकारी खनिज विभाग और पुलिस को नहीं थी। या फिर सब कुछ जानकर भी अनदेखा किया जा रहा था।

खनिज विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में

खनिज विभाग की इस कार्रवाई के बाद मामला गर्म है। लोगों की नजर इस बात है कि जांच में किन बड़े नामों का खुलासा होता है और अवैध खनन के इस नेटवर्क पर कितनी सख्त कार्रवाई होती है। वैसे लगता नहीं कि खनिज विभाग आगे कुछ कर पाएगा, क्योंकि खनिज विभाग की अभी तक की कार्यप्रणाली हमेशा सवालों के घेरे में रही है।

बुजुर्ग महिला से 85 हजार की ठगी

नलजल योजना का लाभ दिलाने के नाम पर बनाया शिकार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत समदड़िया सिटी निवासी एक बुजुर्ग महिला के साथ एक शातिर ठग ने नलजल योजना का लाभ दिलाने के नाम पर एक बुजुर्ग महिला को अपना शिकार बनाते हुए हजारों रुपये की चपत लगा दी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार समदड़िया सिटी निवासी 62 वर्षीय रेखा तिवारी पति महेंद्र कुमार तिवारी को एक अज्ञात जालसाज ने संपर्क किया। ठग ने खुद को सरकारी विभाग या योजना से जुड़ा बताते हुए झांसा दिया कि

वह उन्हें शासन की महत्वाकांक्षी नल जल योजना का लाभ दिला सकता है।

इस दौरान उसने दस्तावेजों और प्रक्रिया शुल्क के नाम पर महिला का विश्वास जीता। ठग ने इतनी चतुराई से बात की कि पीड़िता उसकी बातों में आ गई। आरोपी ने अलग अलग बहानों से पीड़िता से 85 हजार रुपये की राशि ऐंठ ली। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी योजना का कोई लाभ नहीं मिला और आरोपी ने संपर्क काटना शुरू किया, तब महिला को ठगी का अहसास हुआ। शनिवार दोपहर करीब 2:45 बजे पीड़िता ने माधवनगर थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। माधवनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की गेहूं उपार्जन की समीक्षा

गेहूं उपार्जन में किसानों को किसी भी प्रकार की तकलीफन हो : मुख्यमंत्री

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के हित में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। लघु एवं सीमांत कृषकों के साथ-साथ मध्यम एवं बढ़े किसानों के लिये भी स्लॉट बुकिंग प्रारम्भ कर दी गई है। उपार्जन केंद्रों की क्षमता 1000 क्विंटल प्रतिदिन से बढ़ाकर 2250 क्विंटल प्रतिदिन कर दी गई है। स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 09 मई कर दी गई है। इन निर्णयों के परिणामस्वरूप किसानों की आवक केंद्रों पर अब तेजी से बढ़ेगी। कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में तद्नुसार प्रबन्ध सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में अपनी उपज बेचने आ रहे किसानों को समस्त प्रकार की सुविधायें उपलब्ध हों और किसी भी प्रकार से तकलीफन हो। उपार्जन केन्द्रों पर तौल कांटें, हम्माल, छाया, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी कलेक्टर्स प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की आवश्यक रूप से समीक्षा करें। चना और मसूर की खरीदी मण्डी में शेड के अंदर की जाए ताकि असमय बारिश से नुकसान न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि चना-मसूर उपार्जन की व्यवस्था के संबंध में जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से प्रदेश में गेहूं उपार्जन की समीक्षा के दौरान यह निर्देश जिला कलेक्टर्स दिए। मुख्यमंत्री ने गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 100 लाख मीट्रिक टन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है।

प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर 7 दिवस की खरीदी के लिए बारदान की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर न्यूनतम 6 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की व्यवस्था हों और निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही गेहूं का उपार्जन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों के अतिरिक्त कृषकों द्वारा मंडी में किए जा रहे उपज विक्रय की भी सतत् निगरानी की जाए, जिससे कृषकों को कोई समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने गुना, रायसेन, दतिया, सीधी, विदिशा के कलेक्टर्स से वर्चुअली संवाद कर जिलों की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 3 हजार 516 उपार्जन केन्द्र संचालित हैं। कुल 8 लाख 55 हजार कृषकों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई गई है, जिनमें से 3 लाख 96 हजार कृषकों से 16 लाख 60 हजार मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित कर 2 हजार 527 करोड़ रूपए राशि का भुगतान किया जा चुका है। मध्यम एवं बड़े श्रेणी के 40 हजार 457 कृषकों द्वारा 5 लाख 88 हजार मीट्रिक टन मात्रा के स्लॉट बुक किए गए हैं। किसानों को तहसील के स्थान पर जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय की सुविधा दी गई है। भारत सरकार द्वारा चमक विहीन गेहूं की सीमा में 50 प्रतिशत तक शिथिलता प्रदान की गई है।

इसी प्रकार कम पानी के कारण अल्प विकसित दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और क्षतिग्रस्त दानों की सीमा 6 प्रतिशत बढ़ाई गई है। बैठक में कृषि मंत्री, दल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल तथा संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बहोरीबंद में दर्दनाक सड़क हादसा

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले के बहोरीबंद क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें तेज रफ्तार हाईवा ने बस स्टैंड के पास खड़ी इलेक्ट्रिक ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि ऑटो में सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिहुँटा निवासी ऑटो चालक देवसिंह यादव ने बहोरीबंद थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी इलेक्ट्रिक ऑटो बहोरीबंद बस स्टैंड के पास खड़ी थी। इसी दौरान डिहुँटा जाने के लिए दीक्षा यादव, साक्षी यादव, पूजा बर्मन अपने बच्चों निहाल और चित्रांश के साथ ऑटो में सवार हुई। तभी सिहोरा की ओर से गिट्टी से भरा तेज रफ्तार हाईवा (क्रमांक एमपी 66 एच 1553) लापरवाहीपूर्वक आया और ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो में बैठी महिलाएं और बच्चे सड़क पर गिर पड़े तथा सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल बहोरीबंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे में 17 वर्षीय साक्षी यादव पिता सरमन यादव, निवासी बहोरीबंद, की रास्ते में ही मौत हो गई।

समाज सेवा के लिए मिली जिम्मेदारी

कटनी (स्वतंत्रमत)। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप महाकौशल विंध्य रीजन की 2026 कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें कटनी नगर के तीन सदस्यों को पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। इस कार्यकारिणी में समाजसेवी मगन जैन, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मेंन को पुनह उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है वहीं अंकित आकांक्षा जैन को सहसचिव दिगंबर जैन सोशल ग्रुप रॉयल कटनी, रवि जैन, ऋतु जैन, अतिरिक्त सचिव दिगंबर जैन, सोशल ग्रुप नगर को नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी में जिम्मेदारी मिलने पर जैन समाज के वरिष्ठ गण सुकृति जैन, अनुराग जैन, संजय सिंघई, संदेश जैन, सुधीर जैन, पप्पू बृजेश जैन, डॉक्टर शिखर जैन, कैलाश अरिहंत जैन, सोगानी अनूप सिंघई, मोनी जैन, पंचम जैन, शांति सिंघई, अंकित जैन, मंटू जैन, अमित सिंघई, मुकेश मोदी ने समाजसेविक कार्यों में जिम्मेदारी पर हर्ष जताया है।

विंध्य के डॉग शो में 'मैंगो' ने मचाया धमाल

जबलपुर के बाद रीवा में भी कायम रहा दबदबा, कटनी के डॉग ने जीता खिताब

कटनी (स्वतंत्रमत)। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत कॉलेज ऑफ वेटरिनरी साइंस एंड ए.एच., रीवा द्वारा 25 अप्रैल 2026 को वेटरिनरी कॉलेज ग्राउंड, खुटुलिया रीवा में 2ठ्ठस्र विंध्य श्वानोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। शाम 5 बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम में डॉग प्रेमियों और पशुपालकों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली। आयोजन में ब्रीड रिंग, ऑबिडिएंस रिंग,

डॉग फैशन शो, फ्री हेल्थ चेक-अप, एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन कैंप और फन गेम्स जैसी गतिविधियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागियों के लिए 360, सेल्फी वीडियो की नि:शुल्क सुविधा भी खास आकर्षण रही, जिससे कार्यक्रम का उत्साह और बढ़ गया। इस दौरान प्रतियोगिता का सबसे बड़ा आकर्षण कटनी से आए डॉग मैंगो का शानदार प्रदर्शन रहा। मैंगो ने अपनी बेहतरीन ट्रेनिंग और अनुशासन का परिचय देते हुए एक बार फिर प्रतियोगिता में बाजी मार ली। यह डॉग शहर के युवा व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता, डॉग लवर शुभप्रकाश मिश्र का है। खास बात यह है कि इससे पहले जबलपुर में आयोजित प्रतियोगिता में भी मैंगो ने जीत हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। कार्यक्रम में पशु कल्याण और जिम्मेदार पालतू पालन के प्रति जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया गया। आयोजन के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

जनसमस्याओं के समाधान की सशक्त पहल

नगर निगम में 28 अप्रैल मंगलवार को आयोजित होगी महापौर जनसुनवाई, एक ही मंच पर होगा समाधान

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहरवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा संचालित महापौर जनसुनवाई अब एक विश्वसनीय व्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुकी है। इस पहल ने नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद को मजबूती देते हुए समाधान की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और परिणाममुखी बनाया है। इसी क्रम में 28 अप्रैल, मंगलवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में महापौर जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन लेकर उपस्थित हो सकेंगे। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे महापौर प्रीति संजीव सूरी के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। इससे शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनके निराकरण की दिशा में त्वरित कार्यवाही की जा सकेगी।

मौके पर ही होंगे निर्देश, नहीं लगेगा शाखाओं का चक्कर- जनसुनवाई में संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे, जिससे प्राप्त आवेदनों पर मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा सकें। इस व्यवस्था से नागरिकों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और एक ही स्थान पर समाधान की प्रक्रिया प्रारंभ हो सकेगी। साथ ही जिन समस्याओं का निराकरण त्वरित किया जा सकता है उन्हें तुरंत निराकृत भी किया जाएगा। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित हो रही इस जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक भाग लेकर अपनी समस्याएं रख रहे हैं। स्वच्छता, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट एवं अतिक्रमण जैसे विषयों पर प्राप्त आवेदनों के निराकरण से इस व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। इस पहल के माध्यम से न केवल शिकायतों के निराकरण में गति आई है।

मनीष त्रिसोलिया वैश्य महासम्मेलन कटनी जिला प्रभारी नियुक्त

कटनी (स्वतंत्रमत)। संरक्षक शिरोमणि उमाशंकर गुप्ता एवं प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर कनकने, प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी सुरेश सोनी, संभागीय अध्यक्ष राकेश अग्रवाल की अनुशंसा पर मनीष त्रिसोलिया को वैश्य महासम्मेलन म.प्र. कटनी (जिला प्रभारी) नियुक्ति किया गया पूर्व में उन्होंने जिला अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला था। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत करने का संकल्प दोहराया। उनकी नियुक्ति पर जिला अध्यक्ष अरविंद जैन, दीपक सोनी टंडन, बृजेश गट्टानी, आशीष जैन, गणेश गुप्ता, राजू जैन ने बधाई दी है।

कर्मचारियों ने महिला से साफ करवाई एम्बुलेंस

जिला चिकित्सालय में मानवता शर्मसार, कार्रवाई की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिला चिकित्सालय में मानवता को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। इस मामले में दोषी 108 एम्बुलेंस के कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग उठ रही है, हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने कार्रवाई की बात कही है। राज्य सरकार द्वारा जहां एक तरफ बेहतर सेवाओं के लिए प्रयास किए जा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सरकार की मंशा को पलीता लगाने का काम कर रहे हैं। एक बेबस महिला को अस्पताल परिसर में उस समय अपमान और मजबूरी का सामना करना पड़ा, जब अंदर उसका पति जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा था, तब बाहर एम्बुलेंस कर्मचारी उस महिला से वाहन साफ करवा रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरही के रातकरेला निवासी 32 वर्षीय राहुल बर्मन विगत रात एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे 108 एम्बुलेंस क्रमांक सीजी 04 एनबी 6385 के माध्यम से तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। रास्ते में युवक की हालत बिगड़ने के कारण उसे उल्टियां हुई, जिससे एबुलेंस गंदी हो गई थी। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने घायल राहुल का इलाज शुरू किया लेकिन बाहर खड़ी उसकी पत्नी शालू बर्मन को एम्बुलेंस कर्मचारियों ने वाहन साफ करने के लिए मजबूर कर दिया। पति की गंभीर स्थिति और मानसिक तनाव के बीच महिला बेबसी में एम्बुलेंस पर पानी डालकर उसे साफ करती रही। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में महिला खुद कहती नजर आ रही है कि एम्बुलेंस कर्मचारी के कहने पर वह यह काम कर रही है। इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा ने जांच के आदेश दिए हैं। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ यशवंत वर्मा ने बताया कि मरीज के परिजन से एम्बुलेंस वाहन साफ करवाने का मामला संज्ञान में आया है। वायरल वीडियो की जांच करवाई जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गुजरात की आईपीएल 2026 में चौथी जीत

चेन्नई को 8 विकेट से हराया

सुदर्शन ने 87 रन बनाए, गायकवाड की फिफ्टी काम नहीं आई

चेन्नई (वार्ता)

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के 37वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराकर सीजन की चौथी जीत दर्ज की। चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन ही बना सकी। रविवार को चेन्नई की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 37 रन तक 4 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 60 गेंदों पर नाबाद 74 रन बनाकर पारी संभाली, जबकि शिवम दुबे ने 22 रन का योगदान दिया। गुजरात के लिए कगिसो रबाडा ने 3 विकेट झटके, वहीं मोहम्मद सिराज, मानव सुथार और अरशद खान को 1-1 सफलता मिली। 159 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने एकतरफा अंदाज में मैच जीत लिया। टीम ने 16.4 ओवर में 162 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। साई सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 बॉल पर 87 रन बनाए, जबकि जोस बटलर ने 39 रन की पारी खेली। शुभमन गिल 33 रन का योगदान दिया। चेन्नई से नूर अहमद और अकील हुसैन को एक-एक विकेट मिला।

चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही- ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 74) की कप्तानी पारी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 37वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ सात विकेट पर 158 रनों का स्कोर खड़ा किया। आज यहां गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने महज 37 रन के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा दिये। संजू सैमसन (11), उर्विल पटेल (चार), सरफराज खान (शून्य) और डेवाल्स ब्रेविस (दो) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शिवम दुबे ने कप्तान गायकवाड़ के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी हुई।

जेमी ओवरर्टन ने छह गेंदों में 18 रन बनाये

16वें ओवर में अरशद खान ने शिव दुबे को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। शिवम दुबे ने 17 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 22 रन बनाये। 18वें ओवर कगिसो रबाड़ा ने कार्तिक शर्मा नौ गेंदों में 15 रन को आउट किया। जेमी ओवरर्टन ने छह गेंदों में 18 रन बनाये। उन्हें अरशद खान ने आउट किया। चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 158 रनों का स्कोर खड़ा किया। ऋतुराज गायकवाड़ ने 60 गेंदों में छह चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 74 रनों की पारी खेली।

गुजरात टाइटंस की ओर से कगिसो रबाड़ा ने तीन विकेट लिये। अरशद खान को दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विराट कोहली को दिल्ली में कौन रोकेगा?

नयी दिल्ली (वार्ता)

आईपीएल 2026 में सोमवार को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का मुक़ाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से होगा। दोनों के बीच अब तक 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें 20 में आरसीबी और 13 में डीसी को जीत मिली है। दिल्ली में भी हुए 11 मैचों आरसीबी 7-4 से आगे है। वहीं इस साल भी आरसीबी की टीम सात में से पांच मुक़ाबला जीत चुकी है, जबकि डीसी को इस दौरान सात में से तीन में ही जीत हासिल हुई है। कुल मिलाकर आरसीबी का पलड़ा, डीसी पर पूरी तरह से भारी है। विराट कोहली, आईपीएल 2026 में शानदार फ़ॉर्म में हैं और सात पारियों में तीन अर्धशतकों और 54.7 की औसत और 163 के स्ट्राइक रेट के साथ 328 रन बना चुके हैं। दिल्ली के अपने होमग्राउंड में उन्होंने 11 आईपीएल मैचों में लगभग 67 की औसत और 141 के स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों के साथ 534 रन बनाए हैं, जो कि आईपीएल में किसी एक खिलाड़ी का किसी एक मैदान पर तीसरा सर्वश्रेष्ठ औसत है और उन्होंने यहां पांच पारियों में चार अर्धशतक लगाए हैं। वह आईपीएल में 9000 रन पूरा करने के भी क़रीब हैं और इस मैच में 11 रन बनाते ही वह आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज़ बन जाएंगे। अगर डीसी के ख़िलाफ़ कोहली के रिकॉर्ड की बात की जाए तो उन्होंने 31 पारियों में 47.9 की औसत से 11 अर्धशतकों के साथ 1149 रन बनाए हैं, जो कि आईपीएल में किसी भी बल्लेबाज़ का डीसी के खिलाफ़ सर्वाधिक कुल रन स्कोर है। टी नटराजन के ख़िलाफ़ 169, कुलदीप यादव के खलिाफ़ 117 और अक्षर पटेल के ख़िलाफ़ वह 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और तीनों ने कोहली को सिर्फ़ एक-एक बार ही आउट किया है।

हम हारना डिजर्व करते हैं : अक्षर पटेल

नयी दिल्ली (वार्ता)

शनिवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने जब 264 रन का एक विशाल स्कोर खड़ा किया था, तो किसी को भी नहीं लगा था कि पंजाब किंग्स इस मैच को सात गेंद शेष रहते ही जीत जाएगी। लेकिन प्रभसिमरन सिंह के 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 71 रनों की पारी की मदद से पंजाब ने मैच को छह विकेट से आसानी से जीत लिया। इस दौरान सब फ़ील्डर करुण नायर ने श्रेयस के 29 और 35 के स्कोर पर दो कैच छोड़े, जबकि प्रभसिमरन का भी एक कठिन और एक थोड़ा आसान कैच डीसी के फ़ील्डरों ने छोड़े। इसके अलावा प्रियांश आर्य, कूपर कॉनॉली और शशांक सिंह का भी कैच डीसी के फ़ील्डरों द्वारा छोड़े गए। वहीं पारी के तीसरे ओवर में ऐसा ही एक कठिन कैच लपकने के चक्कर में उनके तेज गेंदबाज लुंगी एन्गिडी चोटिल होकर मैच से बाहर हो गए, जिनके चार ओवरों की कमी उन्हें पूरे मैच के दौरान खली।

मैच के बाद ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा, च्हम लगातार वही ग़लतियां दोहरा रहे हैं। इस तरह की पिच पर अगर आप अपने गेंदबाज़ों को सपोर्ट नहीं करेंगे और इतने सारे मौक़े देंगे, तो मुझे लगता है कि हम ऐसी हार डिजर्व करते हैं। इसके अलावा हमारी बोलिंग यूनिट ने जिस तरह से पावरप्ले में गेंदबाज़ी की, उसे भी हमें देखना होगा। इस पिच पर 264 का स्कोर बहुत अच्छा स्कोर था, बस हमें ये मौक़े नहीं गंवाने चाहिए थे और थोड़ी बेहतर गेंदबाज़ी करनी चाहिए थी। पंजाब ने पावरप्ले में 116 रन बनाए, जो कि इस चरण में आईपीएल का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। यह डीसी की इस सीज़न सात मैचों में चौथी हार थी, इसमें एक मैच वह भी शामिल है, जब उन्होंने अपने होमग्राउंड पर गुजरात टाइटंस के ख़िलाफ़ एक रन से मैच गंवाया था। अक्षर ने कहा, अगर हम जो अहम मोमेंट है, उसको अपने पक्ष में कर लेते, तो दो-तीन मैचों के परिणाम हमारे पक्ष में होते। आगे हमें उन्हीं महत्वपूर्ण पलों को अपना बनाना होगा। ऐसा नहीं हो सकता कि आप हमेशा ग़लती करते रहो और फिर बेहतर परिणाम की उम्मीद करो। हम अब वापस जाएंगे और मूल्यांकन करेंगे कि और क्या बेहतर कर सकते हैं।

ज़्वेरेव ने अपनी पहली जीत हासिल की

मैड्रिड (वार्ता)। दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मैच के बीच में हुई एक चूक पर काबू पाते हुए मारियानो नवोन को 6-1, 3-6, 6-3 से हराया। इसके साथ ही, स्पेन की राजधानी में क्ले कोर्ट पर इस एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में उनका रिकॉर्ड अब 9-0 हो गया है। ज़्वेरेव, जो अपना तीसरा मैड्रिड खिताब जीतने की दौड़ में हैं, दूसरे सेट में दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे, लेकिन उन्होंने बड़ी कुशलता से अपना संयम बनाए रखा और अंततः एक घंटे 43 मिनट चले इस मैच में जीत हासिल की। ज़्वेरेव ने कहा, पहला सेट लगभग एकदम सही रहा, और फिर मेरा ध्यान पूरी तरह से भटक गया।ज्ञ च्वफिर दूसरा सेट तो बहुत ही खराब रहा, लेकिन किसी भी टूर्नामेंट के पहले मैच में कभी-कभी ऐसा हो जाता है। निश्चित रूप से, मैं थोड़ा और बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकता था, लेकिन खेल का स्तर तो मौजूद था। पहला और तीसरा सेट बेहतरीन टेनिस का नमूना था, और मुझे बस उसी पर ध्यान देना है। ज़्वेरेव ने दुनिया के 45वें नंबर के खिलाड़ी नवोन के साथ अपनी पहली भिड़ंत को जीत के साथ समाप्त किया। इस मैच में उन्होंने अपने द्वारा अर्जित आठ में से चार ब्रेक पॉइंट्स को भुनाया। 28 वर्षीय ज़्वेरेव का इस सीजन में उन मैचों में रिकॉर्ड अब 19-0 हो गया है, जिनमें उन्होंने पहला सेट जीता है। हालांकि 2026 में उन्होंने अभी तक कोई ट्रॉफी नहीं जीती है, लेकिन ज़्वेरेव का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है- मैड्रिड से पहले खेले गए छह टूर्नामेंटों में से पांच में वे सेमीफाइनल तक पहुंचे।

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 14 रनों से हराया

जोहान्सबर्ग (वार्ता)

दीप्ति शर्मा (नाबाद 36 रन/ पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने चौथे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 14 रनों से शिकस्त दी। यह पांच मैचों की सीरीज में भारत की पहली जीत है। दीप्ति शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम को दीप्ति शर्मा के कहर का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 171 रन ही बना सकी और 14 रनों से मुकाबला हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए सुने लूस ने सर्वाधिक 40 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। तेज़मिन ब्रिट्स (30), कायला रेनेके (21) और कप्तान लॉरा वुलफॉर्ट (18) रन बनाकर आउट हुई। एलिज़ मारी मार्क्स ने नाबाद 21 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारतीय महिला टीम के लिए दीप्ति शर्मा ने चार ओवरों में 19 रन देकर पांच विकेट झटके। क्रांति गौड़ , श्री चारणी, काश्वी गौतम और शेफाली वर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले शनिवार देर रात खेले गये मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 185 रनों का स्कोर खड़ा किया। जेमिमाह रॉड्रिग्स ने सर्वाधिक 43 रनों की पारी खेली। उन्होंने 29 गेंदों का सामना किया और चार चौके और दो छक्के भी लगाये। अनुष्का शर्मा 18 गेंदों में (27), कप्तान हरमनप्रीत कौर 16 गेंदों में (22) रनों का योगदान दिया। शेफाली वर्मा (दो) और भारती फूलमाली(नौ) रन बनाकर आउट हुई। दीप्ति शर्मा ने 26 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए नाबाद 36 रनों की पारी खेली। ऋचा घोष ने 18 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 34 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम के लिए एलिज मारी मार्क्स और कायला रेनेके ने दो-दो विकेट लिये। टुमी सेखुखुने ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

वैश्विक कारकों से मिलेगी शेयर बाजारों को दिशा

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर रहेगी। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी गतिरोध पर निवेशक नजदीकी नजर रख रहे हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 28 और 29 अप्रैल को होने वाली बैठक का असर भी पूरी दुनिया के शेयर बाजारों पर पड़ेगा। घरेलू स्तर पर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी आने वाले सप्ताह में जारी होने हैं। साथ ही कंपनियों के तिमाही परिणाम बाजार को प्रभावित करना जारी रखेंगे। बीते सप्ताह पहले दो दिन बाजार में तेजी रही, लेकिन अगले तीन दिन बिकवाली हावी रही। बीएसई का सेंसेक्स 1,829 अंक (2.33 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट में 76,664.21 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 455.60 अंक यानी 1.87 प्रतिशत टूटकर शुक्रवार को 23,897.95 अंक पर बंद हुआ। मझौली कंपनियों का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक भी 1.60 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में रहा। वहीं, छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप-100 सूचकांक उतार-चढ़ाव से होता हुआ अंत में लगभग स्थिर रहा। सप्ताह के दौरान आईटी कंपनियों पर भारी दबाव देखा गया।

सोना और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज

नई दिल्ली

बीते सप्ताह कीमती धातुओं, खासकर सोने और चांदी, की चमक कुछ फीकी पड़ गई। प्रॉफ़िट बुकिंग और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित बातचीत की उम्मीदों के चलते दोनों धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, हालांकि शुक्रवार को बाजार में कुछ सुधार देखा गया। बाजार की गति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है, क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की स्थिति में बदलाव का डर कायम है। इस सप्ताह कीमती धातुओं के बाजार में प्रॉफ़िट बुकिंग का दबाव स्पष्ट रूप से देखा गया, जिसके कारण सोने की कीमतों में 0.34 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। चांदी ने भी बड़ी गिरावट दर्ज की, एक हफ्ते से भी कम समय में इसकी कीमतों में करीब 10,000 प्रति किलोग्राम की भारी कमी आई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोने की कीमत अब 1,52,700 प्रति 10 ग्राम पर आ गई है, जबकि चांदी की कीमत ₹2,44,321 प्रति किलोग्राम है। पांच दिन पहले, यानी 20 अप्रैल को एमसीएक्स पर सोना 1,54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया था, जबकि चांदी 2,54,000 रुपए प्रति किलोग्राम के पार निकल गई थी। इस प्रकार, सोने में प्रति 10 ग्राम पर लगभग 1,300 रुपए की और चांदी में लगभग 9,679 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई है। हालांकि सप्ताह के अंत में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में थोड़ी तेज़ी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने के जून फ़्यूचर्स में 0.61 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि चांदी के मई फ़्यूचर्स में 1.39त्न की मामूली बढ़त दर्ज की गई। इस तेज़ी का मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में प्रगति को लेकर बढ़ती उम्मीदें मानी जा रही हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निचले स्तरों पर चुनिंदा खरीदारी देखने को मिली है, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितता का कोई स्पष्ट समाधान न निकलने के कारण बाजार की गति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि यदि भू-राजनीतिक तनाव में फिर से कोई तेज़ी आती है, या वैश्विक स्तर पर डॉलर की स्थिति में कोई बदलाव होता है, तो एमसीएक्स पर घरेलू कमोडिटी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

थोक जिंस बाजारों में चावल गेहूं, चीनी में साप्ताहिक तेजी

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ गेहूं और चीनी में भी तेजी रही। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत चार रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,847 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं भी 10 रुपये महंगा होकर 2,780 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। आटे का भाव पांच रुपये बढ़कर 3,270 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 33 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। उड़द दाल 15 रुपये और चना दाल तीन रुपये सस्ती हुई। मसूर दाल का भाव 23 रुपये और मूंग दाल का नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। बीते सप्ताह सरसों तेल की औसत कीमत 57 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी जबकि अन्य खाद्य तेलों में तेजी रही। मूंगफली तेल 109 रुपये और सोया तेल 61 रुपये महंगा हुआ। वनस्पति का भाव 58 रुपये और पाम ऑयल का 44 रुपये बढ़ा। सूरजमुखी तेल 37 रुपया प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 21 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी दो रुपये महंगी हुई। दाल चना 7686.02 रुपये, मसूर काली 8085.22 रुपये, मूंग दाल 10208.98 रुपये, उड़द दाल 10826.44 रुपये, तुअर दाल 11230.67 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2779.79 रुपये और चावल 3847.23 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3274.52 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4310.66 रुपये और गुड़ 5044.78 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

एयर कार्गो के विस्तार के लिए सी-एयर कार्गो हब बनाने की जरूरत: मामिडाला

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के तेज विकास के बीच एयर कार्गो क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं और इसे भुनाने के लिए सी-एयर वाले बड़े कार्गो हब बनाने की जरूरत है जहां बंदरगाह और हवाई अड्डा एक साथ हों। एयर इंडिया कार्गो के प्रमुख और भारतीय एयर कार्गो फोरम (एसीएफआई) के उपाध्यक्ष रमेश मामिडाला का मानना है कि भारत का हवाई माल परिवहन (एयर कार्गो) अगले चार-पांच साल में तीन गुना होकर एक करोड़ टन तक पहुंचने की क्षमता रखता है। उन्होंने पश्चिम एशिया युद्ध के भारतीय एयर कार्गो क्षेत्र पर पड़े प्रभाव की भी बात की। श्री मामिडाला ने यहां एक कार्यक्रम से इतर समाचार एजेंसी के साथ एक विशेष बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में देश में सालाना 35 लाख टन के अधिक एयर कार्गो का संचालन होता है जिसके इस साल के अंत तक 40 लाख टन पर पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगले चार-पांच साल में यह आंकड़ा लगभग एक करोड़ टन पर पहुंच सकता है और साल 2047 तक इसके 2.5 करोड़ टन पर पहुंचने की संभावना है। बेहतर होते सड़क संपर्क और जलमार्गों को सरकार द्वारा मिल रहे प्रोत्साहन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ये सभी माध्यम अच्छा प्रदर्शन करेंगे और एक-दूसरे के पूरक होंगे, प्रतिस्पर्द्धी नहीं। देश में सभी परिवहन माध्यमों की मांग बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि छोटे और मझौले शहरों से बड़े एयर कार्गो हब तक माल लाने के लिए अच्छी सड़कों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क परिवहन का प्रभाव मुख्यतः क्षेत्रीय स्तर पर पड़ा है, खासकर गैर-मेट्रो शहरों के बीच। पहले जो घरेलू कार्गो एयरलाइंस द्वारा ले जाया जाता था, उसका कुछ हिस्सा अब सड़क मार्ग से जाने लगा है क्योंकि यह सस्ता और अधिक कुशल है। लेकिन इससे चिंता की बात नहीं है, क्योंकि उसके बदले एयर कार्गो की क्षमता अब ई-कॉमर्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों द्वारा उपयोग की जा रही है। भविष्य में हब-एंड-स्पोक मॉडल विकसित करने की जरूरत को रेखांकित करते हुए श्री मामिडाला ने कहा कि अभी देश में बड़े अंतर्राष्ट्रीय कार्गो हब नहीं हैं, लेकिन जैसे ही ये बनेंगे, गैर-मेट्रो रूट फीडर के रूप में काम करेंगे। अल्पावधि में एक करोड़ टन और 2047 तक ढाई करोड़ टन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह आवश्यक है। उन्होंने कहा कि घरेलू हवाई माल परिवहन में पिछले 10 साल में मजबूत वृद्धि हुई है और आने वाले समय में भी पांच-सात प्रतिशत वार्षिक विकास बना रहेगा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कार्गो इससे अधिक तेजी से बढ़ेगा और क्षेत्र के विकास में मुख्य योगदान देगा। एयर इंडिया कार्गो के प्रमुख ने कहा कि हाल के वर्षों में आयात में कमी आयी है जबकि निर्यात में तेज वृद्धि हुई है। इसका मुख्य कारण देश में विनिर्माण का बढ़ना है - मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाएं और अब रक्षा एवं एयरोस्पेस उत्पाद भी देश में ही बनाये जा रहे हैं।

देश में एयर कार्गो कारोबार अन्य बड़े देशों की तुलना में कम होने के संबंध में श्री मामिडाला ने कहा कि बुनियादी ढांचों की कमी और मजबूत कार्गो हब का अभाव इसके मुख्य कारण हैं। अभी देश में ट्रांसशिपमेंट हब विकसित नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई और जेवर जैसे एयरपोर्ट जो कार्गो पर फोकस कर रहे हैं, परिवर्तनकारी साबित हो सकते हैं।

मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलेगी पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना : डॉ.यादव

मुख्यमंत्री कोटा जिले में श्री कृष्ण यदुवंशी अहीर समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चंबल मैया का आशीर्वाद मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों प्रांतों को मिल रहा है। हमारा प्रदेश अनेक नदियों के उद्गम के कारण नदियों का मायका है। मध्यप्रदेश और राजस्थान जोड़ीदार प्रदेश हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से स्वीकृत पार्वती- काली सिंध -चंबल अंतर्राज्यीय परियोजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान लाभान्वित होंगे। पीकेसी प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोटा जिले में श्रीकृष्ण यदुवंशी अहीर समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

वर्तमान में सामूहिक विवाह काफी उपयोगी हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 16 संस्कारों में पाणिग्रहण संस्कार शामिल है। विवाह ही कुल और गोत्र को आगे बढ़ाते हुए अमरता देते हैं। विवाह से जीवन साथी के साथ बेटियों को नए माता- पिता मिलते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामूहिक विवाह समारोह में नव दंपतियों को आशीर्वाद और मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान में सामूहिक विवाह काफी उपयोगी हैं। मेरे अपने बेटे का विवाह सादगी पूर्वक किया था। परिवारों को खर्चीले विवाहों के कारण आर्थिक कष्ट उठाने होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने समाज का मार्गदर्शन किया। धर्म मार्ग पर चलने की सभी को प्रेरणा दी। अनेक कष्ट सहते हुए उनका जीवन एक उदाहरण बना। भगवान श्री कृष्ण ने लोकतंत्र की स्थापना का उदाहरण दिया था, जब कंस के वध के पश्चात स्वयं सत्ता नहीं सम्हाली। वे लोकतंत्र के सच्चे नायक थे। उन्होंने धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी। मध्यप्रदेश सरकार श्रीकृष्ण पाथेय का विकास कर रही है।

समाज के युवा सीमा की रक्षा कर रहे

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आज यदुवंशी समाज के युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने दायित्व निर्वहन के लिए गंभीर हैं। समाज के युवा सेना में शामिल होकर सीमा की रक्षा कर रहे हैं। श्री बिरला ने कहा कि यह निश्चित ही प्रशंसनीय है कि यदुवंशी समाज वर्तमान सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है। निन्शुल्क विवाह समारोह का लाभ युवाओं को मिल रहा है। श्री बिरला ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री बिरला ने नव दम्पतियों को बधाई दी। प्रारंभ में ग्राम रींछी में आयोजित प्रथम नि:शुल्क 38वें सामूहिक विवाह सम्मेलन की आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव और लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला का आत्मीय स्वागत किया।

राजस्थान और मध्यप्रदेश को भाई-भाई मानते हैं

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जैसे आयोजन समाज में व्याप्त गरीबी और अमीरी की खाई को पाटने का कार्य करते हैं। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि आज सर्व समाज को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाज के गौरव हैं। वे राजस्थान और मध्यप्रदेश को भाई-भाई मानते हैं। दोनों राज्यों की सरकारों ने सामूहिक प्रयास किया और आज पार्वती-काली सिंध- चंबल नदी परियोजना पर कार्य हो रहा है। पीकेसी परियोजना से मध्यप्रदेश के साथ राजस्थान के किसानों को भी सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। राजस्थान के विधायक महंत बाबा बालक नाथ ने कहा कि योगेश्वर श्री कृष्ण ने यदुवंशी कुल में जन्म लेकर पूरे समाज को धन्य किया। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में गरीब और पिछड़ा वर्ग के परिवारों को सामूहिक विवाह में शामिल कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। यदुवंशी समाज धर्म के मार्ग पर चलते हुए आगे बढ़ने वाला समाज है। सामूहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से शादी विवाह में फिजूल खर्ची रुकी है। कार्यक्रम में अनेक संत-वृंद, राजस्थान और मध्यप्रदेश के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कूनो नेशनल पार्क-चीतों का नया घर ही नहीं, अब सफल ग्लोबल ब्रीडिंग सेंटर

प्रोजेक्ट चीता की बड़ी सफलता-कूनो में 57 हुये चीते

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश का कूनो नेशनल पार्क अब चीतों का केवल आश्रय स्थल नहीं रहा, बल्कि एक सफल चीता प्रजनन केन्द्र के रूप में दुनिया भर में अलग पहचान बना चुका है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते यहां की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र में पूरी तरह से रच बस गये हैं। कूनो की धरती अब आये दिन नन्हे शावकों की किलकारियों से गूंज रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लुप्त हो चुके चीतों के देश में फिर से बसाने का सपना 'प्रोजेक्ट चीता' मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केन्द्र-राज्य के विभागों के समन्वय और प्रबंधन से वन्य-जीव संरक्षण के क्षेत्र में नये इतिहास लिखे जाने के साथ साकार हो रहा है।

प्रोजेक्ट चीता का प्रारंभिक चरण शुरुआती चुनौतियों से भरा हुआ था, लेकिन कूनो की आबोहवा और विभाग के विशेषज्ञों के कुशल प्रबंधन ने सभी चुनौतियों से पार पाते हुए वन्य-जीव संरक्षण की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लुप्त प्रजाति की पुनर्स्थापना का सफलतम पर्याय बना दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यहां की भौगोलिक परिस्थितियां और पर्याप्त शिकार चीतों के प्रजनन के लिए बेहद अनुकूल सिद्ध हुए हैं। मादा चीतों द्वारा लगातार शावकों को जन्म देना इस बात का प्रमाण है कि वे तनावमुक्त हैं और कूनो को अपना प्राकृतिक आवास मान चुकी हैं। नए शावकों का जन्म- अप्रैल 2026 में मादा चीता गामिनी ने 3 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। इससे पहले फरवरी-मार्च 2026 में ज्वाला, निर्वा और आशा भी शावकों को जन्म दे चुकी हैं। कुल संख्या- कूनो में चीतों की संख्या अब 57 हो चुकी है। भारत में जन्मे शावक- 27 से अधिक शावकों का जन्म भारत में ही हुआ है, जो इस परियोजना की सबसे बड़ी सफलता है। विदेशी सहयोग फरवरी 2026 में बोत्सवाना से 8-9 नए चीते लाए गए, जिससे परियोजना को और मजबूती मिली। कूनो का ब्रीडिंग सेंटर बनना केवल पर्यावरणीय उपलब्धि नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

सेवा निवृत्ति के बाद भी सेवा का जज़्बा हमेशा जीवित रहता है: कैलाश मकवाणा

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश पुलिस राज्य सेवा संवर्ग के सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के संगठन द्वारा 41वां वरिष्ठ सदस्य एवं मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आज भोपाल के नर्मदापुरम रोड स्थित वृंदावन गार्डन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि सेवा निवृत्ति के बाद भी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समाज के प्रति समर्पण की भावना जीवनभर बनी रहती है। उन्होंने राज्य सेवा संवर्ग के सेवानिवृत्त अधिकारियों को विभाग की सुदृढ़ नींव बताते हुए कहा कि उनके अनुभव, कार्यशैली और जीवन मूल्यों से नई पीढ़ी निरंतर प्रेरणा प्राप्त कर रही है। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि विभाग सेवानिवृत्त अधिकारियों के अनुभवों को संरक्षित कर उनका संस्थागत उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहा है। पेंशनर्स के साथ सतत संवाद, उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण, थाना एवं इकाई स्तर पर बेहतर समन्वय तथा एक समर्पित हेल्प सिस्टम विकसित किया जा रहा है। साथ ही, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म/पोर्टल के माध्यम से सेवानिवृत्त अधिकारियों को पुन: रोजगार, सुरक्षा सेवाओं एवं परामर्शदात्री भूमिकाओं से जोड़ने की पहल की जा रही है, जिससे उनकी सक्रिय भागीदारी निरंतर बनी रहे। उन्होंने पेंशनर्स की सुविधा हेतु बैंकिंग लाभ, दुर्घटना सहायता, स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी एवं समन्वय तंत्र को और सुदृढ़ करने की बात कही, ताकि प्रत्येक सेवानिवृत्त अधिकारी तक समय पर सहायता और सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। डीजीपी श्री मकवाणा ने पुलिस वेलफेयर को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में बताते हुए कहा कि पुलिस परिवारों के स्वास्थ्य, शिक्षा, आपात सहायता और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर वेलफेयर गतिविधियों को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चेक भी प्रदान किया गया।

राजा परीक्षित ने अपने अंतिम समय तक पूरे भक्तिभाव से कथा श्रवण की: शास्त्री

दमोह (स्वतंत्र मत)

नंदीवन मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस में कथा व्यास रवि शास्त्री ने कथा सुनाते हुए कहा कि जब परीक्षित को भागवत कथा सुनते सुनते 6 दिन बीत गए तब शुकदेव जी ने देखा कि परीक्षित के मन में अभी भी मृत्यु का भय हैं फिर उनकी इस दशा को देखते हुए शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को एक कथा सुनाई कथा के अनुसार एक राजा एक बार जंगल में शिकार करने गए और जंगल में शिकार करते वक्त राजा अपना रास्ता भटक गया इधर उधर भटकने के बाद उसे एक छोटी सी झोपड़ी नजर आयी जब राजा उसके अंदर गया तो उसने देखा वहाँ पर एक बहेलिया रहता है जो कि लम्बे समय से बीमार चल रहा था जब राजा झोपड़ी में गया तो उसने देखा कि उस बीमार बहेलिया ने उसी झोपड़ी में एक तरफ शौच करने का स्थान बना रखा था तो खाने पीने के लिए जानवरों का मांस छत से टांग रखा था उस छोटी सी झोपड़ी में ये सब चीजों कि वजह से वह झोपड़ी दुर्गन्ध से भरी हुई थी लेकिन राजा के पास कोई दूसरा रास्ता न होने कि वजह से राजा ने उस बहेलिया से उस झोपड़ी में रुकने के लिए निवेदन किया इस बात पर बहेलिया बोला कि मैं हमेशा से भटके हुए राहगीरों को अपनी इस झोपड़ी में पनाह देता हूँ लेकिन जब दूसरे दिन कि सुबह होती है तो कोई यहाँ से जाना नहीं चाहता और यहीं रुकने कि जिद करने लगता है अब मैं बार बार इस झंझट में नहीं पड़ना चाहता तो मैं आपको अपनी इस झोपड़ी में रुकने नहीं दे सकता यह सुनकर राजा अचंभित हुए और फिर बोले कि मैं आपको वचन देता हूँ कि मैं ऐसा नहीं करूँगा और सुबह होते ही अपने घर के लिए चला जाऊंगा ।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 38 किमी दूरी के 19 मार्गों की स्वीकृति

दमोह (स्वतंत्र मत)। सांसद राहुल सिंह लोधी ने बताया दमोह संसदीय क्षेत्र की बण्डा विधानसभा के शाहगढ़ ब्लॉक अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के फेस 4 के अंतर्गत 38 किलोमीटर दूरी के 19 मार्गों की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया इन मार्गों में हीरापुर से तोरा, 54 से बिन्नाई, निहानी से उमरिया आदिवासी मोहल्ला, श्यामलखेड़ा से ग्वालपुरा, ससन से नीमचार, निहानी से भीकमपुर आबाद नई बस्ती, गूगरा खुर्द से खिरका मोहल्ला,सांसद लोधी नेप्रधानमंत्री एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

जिले की सभी गौशालाओं में लागू होगी एक समान व्यवस्था कलेक्टर -भोजन, पानी और सुरक्षा के लिए नई कार्ययोजना लागू

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिले की सभी गौशालाओं की व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में गौशाला संचालक, वेटनरी विभाग के अधिकारी और जनपद पंचायतों के सीईओ शामिल हुए। कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिए गए कि गौ माताओं को गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पेयजल और उचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर समय पर उपचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के लिए वेटनरी डॉक्टरों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा जिले की सभी गौशालाओं के लिए एक समान कार्य योजना और टाइम टेबल तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी गौशालाओं में भोजन और देखभाल की प्रक्रिया एकरूपता के साथ संचालित हो जिससे किसी भी प्रकार की लापरवाही या असुविधा न हो।

मलेरिया विभाग द्वारा मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस

दमोह (स्वतंत्र मत)

शासन के निर्देशानुसार प्रतिवर्षानुसार विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम मलेरिया समाप्ति के लिए संकल्पित अब हम कर सकते हैं। अब हमें करना ही होगा ताकि आगामी समय में होने वाली मलेरिया/डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। मलेरिया विभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दमोह डॉ. राजेश कुमार अठया के निर्देशन में मलेरिया कार्यालय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित कर समस्त कर्मचारियों एवं आशा कार्यकर्ताओं को मलेरिया से बचाव की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के उपरांत मलेरिया प्रचार रथ को जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर समस्त कर्मचारियों एवं आशाओं की रैली को रवाना किया गया। मलेरिया प्रचार रथ के द्वारा माईकिंग कर शहर के विभिन्न स्थानों में मलेरिया से बचाव संबंधी प्रचार-प्रसार कर पंपलेट वितरण किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी यामिनी सिलारपुरिया ने बताया विश्व मलेरिया दिवस जिला स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर सबसेंटर एवं ग्राम स्तर तक मनाया जा रहा हैं जिसमें विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जनसामान्य में मलेरिया से बचाव संबंधी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होनें आमजनों से अपील करते हुए कहा समुदाय स्वयं ही निगरानी कर अपने घरों में डेंगू एवं मलेरिया के मच्छरों की उत्पत्ति न होने दें, अपने घरों में एक सप्ताह से अधिक पानी जमा न होने दें यदि पानी जमा करके रखते हैं तो उसे ढक कर रखें।

सड़क पर गड्ढे दे रहे हादसों को न्यौता, निर्माण एजेंसी बेपरवाह

हटा (स्वतंत्र मत)

दमोह-सिमरिया सड़क निर्माण कार्य के तहत नगरीय क्षेत्र में दमोह नाका से पन्ना नाका तक सीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है लेकिन निर्माण एजेंसी की लापरवाही के चलते यह मार्ग राहगीरों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से काम किया जा रहा है और गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा। खचना नाका क्षेत्र में सड़क पर बड़े.बड़े गड्ढे बने हुए हैं जिन्हें भरने की दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। दिन में तो ये गड्ढे किसी तरह दिखाई दे जाते हैं लेकिन रात के अंधेरे में ये पूरी तरह नजर नहीं आतेए जिससे विशेषकर दोपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। कई लोग गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। निर्माण कार्य के दौरान सड़क के एक हिस्से में सीसी रोड बनाई गई है जबकि दूसरी ओर लगभग तीन फीट का हिस्सा अधूरा छोड़ दिया गया है। कुछ स्थानों पर इस हिस्से में गिट्टी डाल दी गई है लेकिन अधिकांश जगहों पर यह अधूरा भाग खुद ही दुर्घटनाओं को न्यौता दे रहा है। राहगीरों को संतुलन बनाकर निकलना पड़ रहा है। स्थानीय राजेश साहू राहुल पटैरया रुपेश अठ्या ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए और गड्ढों को तत्काल भरवाकर सड़क को सुरक्षित बनाया जाए ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 17 अ-20(1) सन् 2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 15/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर मे इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध मे अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
06	करेलीगंज	42/1 5/2	1733 वर्गफुट 30 वर्गफुट	शांतिलाल लूनावत आ. स्वरूप लूनावत निवासी जयप्रकाश वार्ड करेली	शांतिलाल लूनावत आ. स्वरूप लूनावत निवासी जयप्रकाश वार्ड करेली

इश्तहार आज दिनांक 09/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 254 अ-20(1) सन् 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 15/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर मे इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध मे अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
16	कंदेली	54/1	400 वर्गफुट	अभयराव पालगे आ. गनपतराव पालगे सा. रामवार्ड कंदेली	अभयराव पालगे आ. गनपतराव पालगे सा. रामवार्ड कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 06/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 194 अ-20(1) सन् 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची मे उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 15/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर मे इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध मे अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
08	कंदेली	13/56 13/58	200 वर्गफुट 200 वर्गफुट	श्रीमति कुसुम गुप्ता पत्नि विनय गुप्ता निवासी सांकल मार्ग आर.एस.एस. कार्यालय के पास मुशरान वार्ड कंदेली	श्रीमति कुसुम गुप्ता पत्नि विनय गुप्ता निवासी सांकल मार्ग आर.एस.एस. कार्यालय के पास मुशरान वार्ड कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 53 अ-20(1) सन् 2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची मे उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 15/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर मे इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध मे अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
08	कंदेली	13/25	2205 वर्गफुट	मनीष कुमार, मुकेश कुमार, पिता. रामकिशन गुप्ता निवासी गांधी वार्ड कंदेली	मनीष कुमार, मुकेश कुमार, पिता. रामकिशन गुप्ता निवासी गांधी वार्ड कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 13/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

➤ हिंदू संगठनों ने घेरा घर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

धर्मांतरण के आरोप पर ग्वारीघाट में बवाल

जबलपुर। ग्वारीघाट क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब एक निजी आवास में चल रहे कार्यक्रम के दौरान धर्मांतरण के आरोपों को लेकर भारी हंगामा हो गया। घटना की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार, ग्वारीघाट स्थित एक घर में सुबह कुछ लोग एकत्र हुए थे। इसकी भनक लगते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ग्वारीघाट थाना पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला।

➤ दर्जनों वाहन चालकों पर हुई कार्यवाही, वसूला जुर्माना

दुर्घटनाओं में कमी लाने पुलिस ने चलाया अभियान

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से अलग-अलग थानों की पुलिस ने अभियान चलाते हुए कई लोगों पर जुर्माने की कार्यवाही की। इस दौरान 109 वाहनों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा के तहत कार्यवाही करते हुए 32 हजा 700 रुपये संमन शुल्क प्राप्त किया गया। साथ ही हेलमेट धारण ना करने वाले 19 चालकों के लायसेंस निलंबन हेतु पीओएस मशीन के माध्यम से परिवहन विभाग की ओर भेजा गया है।

बरस रहे अंगार, तापमान हुआ 43 डिग्री पार

रविवार को दर्ज हुआ अब तक सबसे अधिक गर्म दिन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में गर्मी लगातार अपने तेवर दिखा रही है। रविवार को सुबह से ही तेज धूप का असर देखने को मिला, जिससे दिन चढ़ने के साथ गर्मी और तेज होती गई। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी गर्मी से राहत मिलने के कोई संकेत नहीं हैं। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इधर डॉक्टरों और प्रशासन ने लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। जिसमें दोपहर के समय बाहर निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के और ढीले कपड़े पहनने और बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी है।

रविवार को ऐसा रहा मौसम का हाल

मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री दर्ज किया गया। इधर भीषण गर्मी को देखते हुए भोपाल सहित कई जिलों में कक्षा 8वीं तक सभी स्कूल 30 अप्रैल तक बंद कर दिए गए हैं। वहीं जबलपुर में सिर्फ 5वीं तक के अवकाश हो जाने के कारण अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में छतरपुर जिले का खजुराहो सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री दर्ज किया गया। रतलाम में 44.5 डिग्री, दतिया-धार में 44.1 डिग्री, नौगांव-श्योपुर में 44 डिग्री और कई शहरों में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया।

शरीर को हाइड्रेट रखने की सलाह

भीषण गर्मी को देखते हुए शहर में एयर कंडिशनर और कूलर की डिमांड 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ी है। इधर मौसम विभाग की मानें तो अप्रैल के आखिरी में बारिश के भी आसार हैं। मौसम विभाग ने 28 और 29 अप्रैल को ग्वालियर, चंबल, जबलपुर और सागर संभाग के जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ऐसा होगा। गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने बचाव की एडवायजरी भी जारी की है। लोगों से कहा गया है कि वे दिनभर पर्याप्त पानी पीएं और शरीर को हाइड्रेट रखें। दोपहर के समय लंबे समय तक धूप में न रहें। हल्के वजन और रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चे और बुजुर्ग खासतौर पर ध्यान रखें।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों पर एमपी ट्रांसको में बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने मुख्यालय जबलपुर में आयोजित कंपनी की समीक्षा बैठक में सिंहस्थ-2028 से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने उज्जैन क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य पीईआरटी चार्ट के अनुसार चरणबद्ध एवं समयबद्ध ढंग से मॉनिटर किए जाएं। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 जैसा विशाल आयोजन प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए इसकी तैयारियों में समयबद्धता और विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक कार्य की चरणबद्ध प्रगति, निर्धारित समय-सीमा तथा उत्तरदायित्वों का स्पष्ट निर्धारण किया जाए, ताकि सभी कार्य आयोजन से एक वर्ष पूर्व पूर्ण किए जा सकें। प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए तथा संभावित बाधाओं की पूर्व पहचान कर समय रहते उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में अधिकारियों द्वारा विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई।

30 दिनों के भीतर पूरी करें पुलिस विभाग में प्रमोशन प्रक्रिया: हाईकोर्ट

सब इंस्पेक्टरों की याचिका पर हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग में प्रमोशन प्रक्रिया रोकने पर राज्य सरकार को कड़ा झटका देकर कहा है कि पुलिस विभाग में उच्च पदों पर कार्यवाहक (ऑफिसिएटिंग) नियुक्ति/चार्ज देने की प्रक्रिया 30 दिनों के भीतर पूरी की जाए। दरअसल जस्टिस जय कुमार पिल्लई की अदालत ने 9 सब इंस्पेक्टरों की याचिका पर यह अहम आदेश पारित किया। कोर्ट ने साफ कहा कि जिन मप्र सिविल सेवा (प्रमोशन) नियम, 2025 के आधार पर प्रक्रिया रोकी गई थी, उन नियमों पर पहले ही न्यायालय द्वारा अंतरिम रोक लगाई जा चुकी है। ऐसे में सब इंस्पेक्टरों के प्रमोशन को रोकना उचित नहीं है। मप्र हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि सरकार 30 दिन की समयसीमा में प्रमोशन प्रक्रिया पूरी करती है या नहीं। याचिकाकर्ताओं ने 20 जून 2025 को जारी उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि उच्च पदों पर कार्यवाहक नियुक्ति/चार्ज देने की प्रक्रिया फिलहाल स्थगित रहेगी, क्योंकि राज्य सरकार ने नई प्रमोशन नियमावली 2025 लागू कर दी है।

दर्जनों इंस्पेक्टरों को लाभ मिलने की संभावना

इस मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय के अग्रवाल और अधिवक्ता सिद्धार्थ कुमार शर्मा ने तर्क रखा कि नई नियमावली की वैधता पहले से हाईकोर्ट में चुनौती के अधीन है। राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट पहले ही अंतरिम आदेश के जरिए प्रमोशन रूल्स 2025 पर रोक लगा चुका है। इस पर अदालत ने कहा कि जब नई नियमावली स्थगित है, तब उसके आधार पर प्रमोशन प्रक्रिया रोकना न्यायसंगत नहीं है। साथ ही कोर्ट ने माना कि मप्र पुलिस रेगुलेशंस का संशोधित पैरा 72 अभी भी प्रभावी है और उसी के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। मप्र हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि संबंधित अधिकारी नई नियमावली 2025 से प्रभावित हुए बिना पुरानी व्यवस्था के तहत याचिकाकर्ताओं को उच्च पदों पर कार्यवाहक नियुक्ति/चार्ज देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएं और प्रमाणित प्रति मिलने के 30 दिन के भीतर पूरी करें। इस फैसले का सीधा लाभ प्रदेशभर में कार्यरत लगभग 256 सब इंस्पेक्टरों को मिलने की संभावना है, जिनकी पदोन्नति या उच्च पद का चार्ज इसी आदेश के कारण अटका हुआ था।

हाईकोर्ट ने लगाई अतिरिक्त लाभ देने पर रोक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने झारखंड से प्रतिनियुक्ति पर मप्र लाई गई अधिकारी संजू कुमारी को बड़ा झटका देते हुए स्पष्ट किया है कि प्रथम दृष्टया उनका दूसरे राज्य से आकर डिप्टी कलेक्टर पद पर संविलियन नियमसम्मत प्रतीत नहीं होता। जस्टिस जय कुमार पिल्लई की अदालत ने अंतरिम आदेश में कहा कि संजू कुमारी को न्यायालय की अनुमति के बिना कोई अतिरिक्त लाभ न दिया जाए। अदालत ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। मप्र हाईकोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार संजू कुमारी की दूसरे राज्य से आकर डिप्टी कलेक्टर पद पर पुष्टि नहीं की जा सकती थी। न्यायालय ने 25 फरवरी 2016 के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि उसमें स्पष्ट उल्लेख था कि संबंधित अधिकारी का मध्यप्रदेश में किसी भी परिस्थिति में अवशोषण नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने माना कि इसके बाद की गई सभी परिणामी कार्रवाई प्रथम दृष्टया अनावश्यक और प्रारंभ से ही शून्य प्रतीत होती है।

जबलपुर से इटारसी और मानिकपुर तक बिछेगी तीसरी रेल लाइन

जबलपुर। रेलवे द्वारा मुंबई और कोलकाता के बीच सबसे बड़े और सबसे व्यस्ततम रेलवे मार्ग के बीच में तीसरी लाइन बिछाने का काम शुरू होने जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह तीसरी नई रेलवे लाइन जबलपुर से इटारसी तक और जबलपुर से मानिकपुर तक के रूट पर बिछाई जाएगी। इस तीसरी लाइन को 519 किलोमीटर के ट्रैक पर बिछाया जाएगा। वहीं इस लाइन को बिछाने के लिए 9461 करोड रुपए की डीपीआर को रेलवे बोर्ड से प्रशासनिक स्वीकृति भी मिल गई है। इस तीसरी रेलवे लाइन से इटारसी से जबलपुर और सतना होकर इलाहाबाद तथा हावड़ा जाने वाले रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत होगी। जब तीसरी नई रेल लाइन डाली जायेगी तब जबलपुर के साथ ही कटनी और सतना रेलवे स्टेशनों पर रेलवे बाईपास भी निर्मित कराए जाएंगे। बतां दें कि जबलपुर कटनी और सतना यह तीन बड़े स्टेशन हैं और जंक्शन भी हैं जिन पर रेलवे के यातायात का बहुत दबाव रहता है और इन तीनों ही शहरों के बड़े स्टेशनों पर प्लेटफार्म खाली न होने या इंजन बदलने के लिए सुपरफास्ट ट्रेनों को आउटर पर ही 30 मिनट और कभी-कभी तो 1 घंटे तक खड़ा रहना पड़ता है। जब तीसरी लाइन डल जाएगी तब यह समय भी बच जाएगा। तीसरी लाइन सीधे जबलपुर, कटनी, सतना जंक्शनों के बाहर से निकलेगी जिससे लंबी दूरी की प्रीमियम ट्रेन और मालगाडियां शहर के ट्रैफिक में फंसे बिना तेजी के साथ निकल सकेंगी ।

सहकर्मी की हत्या करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

मामूली विवाद ने लिया खूनी रूप

चाकू मारकर युवक की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पनागर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम इमलाई स्थित जुपिटर वैगन्स फैक्ट्री में मामूली बात पर हुए विवाद ने एक युवक की जान ले ली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी अनुसार घटना 23 अप्रैल 2024 की रात करीब 10 बजे की है। पुलिस के अनुसार, पश्चिम बंगाल निवासी सोमनाथ चिट्टी और बिहार निवासी आदित्य कुमार पासवान के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के दौरान गुस्से में आकर आदित्य न चाकू से सोमनाथ पर हमला दिया। गंभीर रूप से घायल सोमनाथ को पहले पनागर अस्पताल और फिर बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चाकू से किया गले में वार- प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर यह तथ्य सामने आया कि आरोपी आदित्य कुमार पासवान जो वर्तमान में पनागर के ग्राम इमली स्थित जुपिटर वैगंस फैक्ट्री में कार्यरत था, उसका सोमनाथ से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।

झगड़ा इतना बढ़ गया कि आदित्य ने गुस्से में आकर कमरे में रखे सब्जी काटने वाले चाकू से सोमनाथ के गले के बाईं ओर जोरदार वार कर दिया। हमले के बाद घायल सोमनाथ को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। आरोपी को पकड़ने एक विशेष टीम का गठन किया गया। पनागर थाना प्रभारी विपिन बिहारी सिंह के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर आरोपी आदित्य कुमार पासवान (19 वर्ष) को ग्राम इमलाई से हिरासत में ले लिया है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

खेत की बाउंड्री के खंभे और बिजली के तार चोरी

जबलपुर। सुहागी अधारताल निवासी कन्हैया रजक ने कुंडम थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। फरियादी ने ग्राम पटना कला बघराजी में नितेश धुर्वे की जमीन एक वर्ष के लिए लीज (शिकमी) पर ली थी। खेत की सुरक्षा के लिए वहां लोहे के 70 खंभे, फेंसिंग वायर, पानी की मोटर चलाने के लिए 1500 मीटर बिजली का तार और 40 नग प्लास्टिक पाइप रखे थे। 10 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे फरियादी को सूचना मिली कि ग्राम रोरिया निवासी रामलाल, रामसिंह, शंभू और सुरेश एक लाल रंग के ट्रैक्टर में उक्त सामान लोड करके ले जा रहे हैं। मौके पर पहुंचने पर करीब 90,000 रुपये कीमत का यह सामान गायब मिला। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

मासिक ध्वज वंदन के साथ नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर कांग्रेस सेवादल जबलपुर के तत्वाधान में आयोजित मासिक ध्वज वंदन की श्रृंखला में पटेल नगर रामपुर में उमेश पटेल ब्लॉक अध्यक्ष के संयोजन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवराज बावरिया रहे। जिन्होंने सेवादल के योगदान पर अपना प्रकाश डाला और इस कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में नव नियुक्त शहर कांग्रेस सेवादल महिला विंग अध्यक्ष एड मीनाक्षी स्वामी सहित कांग्रेस कमेटी के विभिन्न प्रकोष्ठों में नवनियुक्त पदाधिकारी अशोक यादव, सुनील सराठे, राकेश चक्रवर्ती (राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्राप्त कर्नाटक), प्रमोद पटेल (ब्लॉक अध्यक्ष), श्वेता बाजपेई दुबे का सम्मान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी, महिला विंग सेवादल नगर अध्यक्ष मीनाक्षी स्वामी, शिवराज बावरिया, राजाराम पटेल, पार्षद गुड्डू नबी, पार्षद दिनेश गुड्डू तामसेतवार, प्रमोद पटेल (ब्लॉक अध्यक्ष), शिव कुमार चौबे, राकेश चक्रवर्ती, विष्णु विनोदिया आदि उपस्थित रहे।

प्रदेशव्यापी विशेष जेल लोक अदालत में हुए 7 बंदियों के रिहाई आदेश

मुख्य न्यायाधीश ने किया लोक अदालत का ऑनलाइन शुभारंभ

जबलुपर (स्वतंत्र मत)

मप्र की जेलों में 26 अप्रैल को आयोजित विशेष जेल लोक अदालतों में 7 बंदियों की रिहाई के आदेश जारी हुए। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति व मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने केन्द्रीय जेल, ग्वालियर मंर ऑनलाइन शुभारंभ किया गया। जेल लोक अदालतों का आयोजन मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा किया गया था।

बंदीगण को संबोधित करते हुये मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने उन्हें सकारात्मक व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में प्रयासरत रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे बंदीगण समाज की मुख्यधारा में जुड सकेंगे। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ.ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने बंदीगण से कहा कि पक्षकार इस कल्याणकारी जेल लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय स्वयं पक्षकार के पास आया है और लाभान्वित होने का एक मौका दे रहा है। लोक अदालत का मूल उद्देश्य अपराध या विवाद को समाप्त करना नहीं है बल्कि अपराध या विवाद के कारणों को उजागर कर उसे समाप्त करने का मौका देना है। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह प्रयास करना चाहिये कि वर्ष 2047 तक हम एक विवाद विहीन समाज की स्थापना कर सके। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एक विवाद विहीन समाज की स्थापना की नींव रख रहा है। केन्द्रीय जेलए ग्वालियर में हुई लोक अदालत में निराकरण हेतु कुल 60 प्रकरण चिन्हित किये गये और उनके निराकरण के लिए कुल 3 खण्डपीठों का गठन किया गया।

समझौता वार्ता की सुविधा की प्रदान- लोक अदालत की प्रक्रिया अनुसार किये गये प्रयासों के फलस्वरूप 6 प्रकरण का प्ली बारगेनिंग, अपराध स्वीकारोक्ति के आधार परद्ध तथा 12 आपराधिक प्रकृति के प्रकरणों में उभयपक्ष के मध्य आपसी सहमति के आधार पर समझौता हो जाने से कुल 18 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें से 7 बंदियों के रिहाई आदेश लोक अदालत खण्डपीठ के पीठासीन अधिकारी द्वारा जारी किये गये। वर्ष 2016 से लंबित एक मामले में शिकायतकर्ता स्वयं जेल परिसर में आये ताकि वे आरोपी के साथ आपसी सुलह एवं समझौता कर सकें। पीठासीन अधिकारी स्वाति शर्मा की खण्डपीठ क्रमांक 02 द्वारा इस समझौते को दर्ज किया और प्रक्रिया अनुसार आदेश पारित करते हुये आरोपी को तुरंत रिहा करने का आदेश जारी किया गया। इस प्रकार लगभग एक दशक से लंबित प्रकरण को मौके पर ही निराकृत कर जेल लोक अदालत की प्रभावशीलता को दर्शाया।

एक अन्य मामले में, जहां आरोपी और शिकायतकर्ता दोनों ही ग्वालियर के केन्द्रीय जेल में निरूद्ध थे, उन्हें समझौता वार्ता की सुविधा प्रदान की गई। उन्हें लोक अदालत खण्डपीठ द्वारा इस आयोजन के महत्व व निराकरण से लाभों को बताते हुये राजीनामा के लिये प्रोत्साहित कियाए जिन प्रयासों के फलस्वरूप उभयपक्ष समझौता हेतु स्वेच्छा से सहमत हुये और प्रकरण का निराकरण लोक अदालत में किया जाकर आरोपी को आरोपो से बरी किया गया। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया, न्यायमूर्ति मिलिंद रमेश फडके आदि उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**